सूर्योदय 6.06 सूर्यास्त 6:26

आज का तापमान

शिमला	15.5 न्यू	24.0 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,003
निफ्टी	23,118

सोना 1,51,000 चांदी 2,29,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 16 सितंबर 2026 | 31 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 142, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

दुबई जाने वाली फ्लाइट 24 घंटे हुई लेट, दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों का प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। स्पाइसजेट की दिल्ली से दुबई जाने वाली दो फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट हो गईं। देरी से परेशान करीब 200 यात्रियों ने मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के अंदर जमीन पर बैठकर प्रदर्शन किया। यात्री सोमवार से अपने फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, बिना कोई स्पष्ट कारण बताए दोनों फ्लाइट का शेड्यूल बार-बार बदला गया। दोनों फ्लाइट मंगलवार दोपहर तक उड़ान नहीं भर सकीं। इनमें पहली फ्लाइट, एसजी 5111 को सोमवार सुबह 8:30 बजे दिल्ली से उड़ना था और 11:15 बजे दुबई पहुंचना था। वहीं, एसजी 5105 को रात 10:10 बजे उड़ान भरनी थी और 12:55 बजे दुबई पहुंचना था। समय पर उड़ान के मामले में स्पाइसजेट के इस साल का रिकॉर्ड बाकी सभी बड़ी एयरलाइंस के मुकाबले खराब रहा है। जुलाई में स्पाइसजेट की सिर्फ 34.5% फ्लाइट ऑन टाइम थी।

एनडीए के 3 सहयोगी दलों ने यूसीसी का किया समर्थन

एजेंसी, नई दिल्ली। एनडीए के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के समर्थन की बात कही है। वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह राज्य में यूसीसी लागू नहीं होने देगा। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा शासित 21 राज्यों में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल देश में 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में यूसीसी बिल पास हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी व अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने यूसीसी का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन आतंकी मददगार राजौरी में अरेस्ट

एजेंसी, राजौरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवरग्राउंड वर्कर नेटवर्क का खुलासा किया। इस मामले में सोमवार देर शाम आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजौरी के कोटचरवाल तेरीयाथ निवासी जाकिर हुसैन और मोहम्मद आजम और उधन गांव निवासी मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है। जांच के दौरान एक आरोपी की निशानदेही पर आईडी भी बरामद किया गया है। पुलिस को शक है कि आतंकी समूह ने इसे सुरक्षित रखने या फिर टारगेटेड हमले में इस्तेमाल के लिए इन्हें दिया होगा।

राजपाल यादव एक्टिंग में माहिर भरोसा करना मुश्किल : सीजेआई

चेक बाउंस मामले में अंतिम मौका, जमा करने होंगे 2 करोड़ रुपए

एजेंसी, मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में 2 करोड़ रुपए जमा करने के लिए आखिरी बार 2 हफ्ते का समय दिया है। यह रकम सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करनी होगी। यह मामला वित्तीय विवाद से जुड़ा है।

कोर्ट ने अभिनेता को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने उनके पुराने रवैये को देखते हुए भरोसा जताने में भी संदेह जाहिर किया। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'उनके पुराने रवैये को देखते हुए। कोई उन पर भरोसा कैसे कर सकता है? वे बॉलीवुड में ड्रामा और एक्टिंग करने में माहिर हैं। कोर्ट में भी वही कर रहे हैं।' चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने राजपाल यादव को अगली सुनवाई तक गिरफ्तारी से मिली राहत जारी रखी है। अगली सुनवाई 5 अक्तूबर को होगी। राजपाल यादव से जुड़े चेक बाउंस मामले में पिछले 3 सालों में हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक 15 बार सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने कभी भुगतान करने और कभी समझौते की बात कही। लेकिन हर बार राजपाल ने बात नहीं मानी।

◆ कोर्ट से 14 बार आदेश राजपाल ने नहीं माना

यह विवाद 2010 का है। राजपाल यादव ने अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट करने के लिए दिल्ली की एक कंपनी मुरली प्रोजेक्ट्स से करीब 5 करोड़ रुपए का लोन लिया था। इस फिल्म का नाम 'अता पता लापता' था। कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म इतनी कमाई नहीं कर पाई कि उसका खर्च निकल सके। राजपाल यादव के वकील पीएस पाटवालिया ने मंगलवार को अदालत से कहा कि राजपाल यादव और उनकी मां के पास कुछ प्रॉपर्टी है, जिसे बेचकर वे रुपए इकट्ठा कर लेंगे।

मद्रास हाईकोर्ट बोला- पहली शादी से अनजान दूसरी पत्नी आरोपी नहीं

एजेंसी, चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि पति की पहली शादी से अनजान दूसरी पत्नी पर बिगैमी (दूसरी शादी) का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी महिला पति की रिश्तेदार नहीं मानी जाएगी। इसलिए उस पर ब्न्हस् की धारा 85 के तहत क्रूरता का केस भी नहीं चलेगा। याचिकाकर्ता महिला ने कहा कि शादी के समय उसे पति की पहली शादी की जानकारी नहीं थी। पति ने यह बात उससे छिपाई थी। महिला ने कहा कि इस मामले में उसे धोखा दिया गया और वह अपराध में शामिल नहीं थी। जस्टिस एन रमेश ने मंगलवार को राजलक्ष्मी बनाम द स्टेट मामले की सुनवाई की और फैसला सुनाया। महिला ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत की याचिका लगाई थी। यह मामला ऑल वुमन पुलिस स्टेशन में दर्ज केस से जुड़ा था। केस पहली पत्नी की शिकायत पर दर्ज हुआ था।

2,000 से ज्यादा यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज, 15 अक्तूबर से लागू होगा नियम

एजेंसी, नई दिल्ली। यूपीआई से 2,000 से ज्यादा पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगेगा।

हर ट्रांजैक्शन पर करीब 300 रुपए तक मैक्सिमम चार्ज देना होगा। यह अमाउंट अलग-अलग ट्रांजैक्शन पर निर्भर करेगा। सरकार 15 अक्तूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू करने जा रही है। हालांकि 2,000 तक पेमेंट करने पर ग्राहक से किसी तरह की फीस नहीं ली जाएगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर यह स्थिति साफ कर दी थी। रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस छूट में शामिल किया गया है। दरअसल, अगस्त में संसद से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास होने के बाद यूपीआई पेमेंट पर चार्ज को लेकर चर्चा शुरू हुई थी। आशंका थी कि 2,000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। सरकार ने यूपीआई को प्रमोट करने और फ्री रखने के लिए 2021-22 से प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। इसके तहत ग्राहक से छोटे दुकानदार को होने वाले 2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर 0.15% इंसेंटिव दिया जाता था।

◆ किसी भी ट्रांजेक्शन पर 300 से ज्यादा नहीं ले सकेंगे

सरकार ने चुपचाप यूपीआई पर फीस का रास्ता खोला : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने चुपचाप यूपीआई पर फीस लगाने का रास्ता खोल दिया है। सरकार कहती है कि कोई फीस नहीं ली जाएगी, लेकिन दुकानदार पर लगने वाली फीस आखिर आएगी कहां से। ग्राहक की जेब से आएगी। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि कांग्रेस का दावा झूठा है।

बेलगावी में फ्रिज फटा चार महिलाओं की मौत

एजेंसी, बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में मंगलवार सुबह एक घर में फ्रिज फटने के बाद आग लग गई। हादसे में परिवार की चार महिलाओं की मौत हो गई। घटना चवत गली में सुबह करीब 2:30 बजे हुई। मरने वालों की पहचान गंगा डामोने, शारदा डामोने, प्रिया डामोने और भारती डामोने के रूप में हुई है। दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, ब्लास्ट के बाद फ्रिज आग लगी। जो पूरे घर में तेजी से फैल गई और अंदर मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। बेलगावी पुलिस कमिश्नर प्रकाश निकम ने बताया कि हादसे में गजानन डामोने और उनके बेटे रोशन डामोने गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गजानन करीब 80% झुलसे हैं, जबकि रोशन करीब 40% झुलसे हैं। महिलाओं की मौके पर ही जलने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बताया कि पहली नजर में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट लग रही है।

दिल्ली सरकार 10,000 छात्रों के लिए बनाएगी हॉस्टल : सीएम रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी को शिक्षा हब बनाने के साथ-साथ दिल्ली सरकार ने 10 हजार छात्रों के लिए हॉस्टल बनाने का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार ने 10 हजार छात्रों के लिए सुरक्षित और किफायती हॉस्टल बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने यह हॉस्टल छात्र और छात्राओं दोनों के लिए होंगे।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर विडियो जारी करते कहा कि ये हॉस्टल लड़के व लड़कियों, दोनों तरह के छात्रों के लिए होंगे। दिल्ली के किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमने हॉस्टल बनाने में सक्षम संबंधित विभागों के साथ बैठकें की हैं, सही जगहें चुनी हैं और एक नीति का ड्राफ्ट तैयार करना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने छात्रों की जरूरतों और इन हॉस्टलों में जरूरी सुविधाओं पर अच्छी तरह से विचार किया है। सरकार ऐसे हॉस्टल बनाएंगी, जहां देश भर के माता-पिता अपने बच्चों को पूरी निश्चिंतता के साथ छोड़ सकें, और जहं छात्र—खाने या रहने की चिंता से मुक्त होकर—पूरी तरह से अपने सपनों को पूरा करने पर ध्यान दे सकें। उन्होंने कहा कि हॉस्टलों के लिए जगहों की पहचान की जा रही है और तय समय में इसे लागू करने के लिए एक खास पॉलिसी तैयार की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली सरकार ने अवैध रूप से चल रहे हॉस्टल के बड़ी संख्या में कार्रवाई की है।

◆ खाने-रहने की चिंता से मुक्त होंगे छात्र, हॉस्टल नीति तैयार

अमेरिका ने पहली बार माना- स्पेस में हथियार तैनात किए

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका ने पहली बार माना है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक ने सोमवार इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ऑर्बिट में ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए किया जा सकता है। अमेरिकी अधिकारी ने यह नहीं कहा कि ये हथियार आखिर किस तरह के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया था। अमेरिका का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में अपनी ताकत बढ़ाने की होड़ चल रही है। इससे अंतरिक्ष में हथियारों की दौड़ और तेज होने की आशंका भी बढ़ गई है। अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष सैन्य ताकत को लेकर चिंता जताता रहा है।

किशाऊ परियोजना पर छह राज्यों में करार, हिमाचल ने बचाया 2000 करोड़ का बोझ

हर वर्ष 1,000 करोड़ से अधिक की होगी आय : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में नई दिल्ली में हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। 422 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना का निर्माण हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर टौंस नदी पर करीब 15,624 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार के लगातार प्रयासों से परियोजना की वित्तीय लागत को लेकर पिछले आठ वर्षों से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य के हितों की रक्षा करते हुए सरकार ने अतिरिक्त वित्तीय बोझ को स्वीकार नहीं किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि 16 जून 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में केंद्र ने सैद्धांतिक रूप से सहमति दी थी कि बिजली घटक पर हिमाचल की करीब 2,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत का भार परियोजना के जल घटक से लाभान्वित होने वाले दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा राज्य वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने हिमाचल की ओर से 800 करोड़ रुपए की वित्तीय हिस्सेदारी पर सहमति जताई थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने राज्य के सीमित वित्तीय संसाधनों को देखते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। प्रदेश सरकार ने केंद्र के समक्ष पक्ष रखा कि जल घटक के लिए 90 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है, ऐसे में बिजली घटक के लिए भी हिमाचल पर अतिरिक्त वित्तीय भार डालना उचित नहीं है।

◆ हिमाचल को 1,000 मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी

किशाऊ परियोजना में हिमाचल के हितों की रक्षा

सुक्खू ने कहा कि परियोजना के कारण हिमाचल के संबंधित क्षेत्रों की आबादी को विस्थापन का सामना करना पड़ेगा और प्रदेश को इसका सर्वाधिक नुकसान उठाना होगा। इसके बावजूद बिजली घटक में हिमाचल को प्रतिवर्ष 1,000 मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी। परियोजना के निर्माण के बाद राज्य को हर वर्ष 1,000 करोड़ रुपए से अधिक आय होने की संभावना है। उन्होंने इसे प्रदेश के सीमित वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किशाऊ परियोजना में हिमाचल के वैध अधिकार और उचित हिस्सेदारी सुरक्षित करना प्रदेश के हितों की रक्षा के संघर्ष में बड़ी जीत है। इस अवसर पर मुख्य सचिव केके पंत और अतिरिक्त मुख्य सचिव आरडी नजीम भी उपस्थित रहे।

बच्चों के यौन शोषण की जानकारी भारतीय एजेंसियों को देगा मेटा

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमति जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह सहमति केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार ने यह भी साफ किया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद से जरूरी कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मेटा का यह फैसला बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने की दिशा में शुरुआती कदम है। इस दिशा में अभी और काम करने की जरूरत है। (अनंत ज्ञान)

दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से बातचीत जारी

सरकार दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी बातचीत कर रही है। इन प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन इंटरमीडियरीज से भी बच्चों से जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान कर उसे हटाने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा जा रहा है। 9 सितंबर को मेटा इंडिया के प्रतिनिधि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के कार्यालय पहुंचे थे। आयोग ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और मेटा इंडिया के प्रमुख को चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज मटेरियल (सीएसईएएम) से जुड़े कथित विज्ञापनों की जांच के सिलसिले में तलब किया था। एनसीपीसीआर ने 3 जुलाई 2026 को बीबीसी की एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया था। रिपोर्ट में मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म्स पर सीएसईएएम से जुड़े कथित विज्ञापनों का जिक्र था। इसके बाद आयोग ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंचार्ज को नोटिस जारी कर इन आरोपों पर जवाब मांगा था। मेटा ने नोटिस के एक सप्ताह बाद आयोग को अपना जवाब सौंप दिया था।

सीआरपीएफ कोबरा यूनिट की पहली महिला आईजी बनीं संजुक्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी संजुक्ता पाराशर को सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट का आईजी नियुक्त किया गया। कोबरा का पूरा नाम कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन है। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। सीआरपीएफ मुख्यालय ने पिछले हफ्ते उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था। जानकारी आज सामने आई है। वह 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी दानेश राणा की जगह लेंगी। संजुक्ता पाराशर असम-मेघालय कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं।

सीएम सैनी- किशाऊ परियोजना पर समझौता हरियाणा के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

हरियाणा को मिलेगा 1,280 क्यूसेक अतिरिक्त पानी

एजेंसी, पंचकूला। दशकों से लंबित किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना पर संबंधित राज्यों के बीच हुए समझौते को हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के लिए एक 'ऐतिहासिक उपलब्धि' करार दिया है।

सीएम ने कहा कि संवाद, सहयोग और आपसी सहमति के माध्यम से वर्षों पुराने इस विषय को सुलझाया गया है, जिससे न केवल प्रदेश की वर्तमान जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। ऐतिहासिक समझौते का रास्ता साफ होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल का विशेष रूप से धन्यवाद व्यक्त किया। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि यमुना नदी के जल में हरियाणा का वैध हिस्सा 48 प्रतिशत है, इसलिए जब भी ऊपरी क्षेत्रों में जल भंडारण क्षमता या पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, उसका सबसे बड़ा फायदा हरियाणा प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने बताया कि यमुना बेसिन पर रेणुका जी और लखवार परियोजनाएं पहले से ही निर्माणाधीन हैं। अब किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना पर भी जल्द ही काम शुरू होने जा रहा है। इन तीनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के पूरा होने पर हरियाणा के पानी का कुल शेयर बढ़कर लगभग 1143 एमसीएम हो जाएगा।

पहल से सुलझा दशकों पुराना विवाद

सीएम ने कहा कि वर्षों से लंबित किशाऊ परियोजना को आगे बढ़ाने में केंद्र सरकार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सक्रियता और पहल से ही सभी हितधारक राज्यों के बीच सहमति की राह सुगम हो सकी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने लगातार राज्यों और संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ तालमेल बिठाकर काम किया, जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजना को गति मिली है। सीएम ने अंत में दोहराया कि हरियाणा सरकार प्रदेश के हर खेत और हर घर तक पानी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और किशाऊ परियोजना का समझौता इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

चारधाम यात्रा में सुरक्षा-सुविधाओं से समझौता न हो

मुख्यमंत्री धामी ने यात्रा मार्गों पर सतर्कता बढ़ाने के दिए निर्देश

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को चारधाम यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

उन्होंने यात्रा मार्गों पर मौसम, भूस्खलन, यातायात और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करते हुए किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव सुनिश्चित करने को कहा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी न हो और यातायात सुचारु बना रहे, इसके लिए होल्डिंग एरिया में सभी आवश्यक सुविधाएं व्यवस्थित रखी जाएं। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा बल, राहत-बचाव दल और आपातकालीन व्यवस्थाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। यमुनोत्री धाम में बढ़ती भीड़ और आवागमन को देखते हुए धामी ने धाम से करीब 500 मीटर पहले दूसरा घोड़ा पड़ाव विकसित करने, डंडी-कंडी सेवाओं को व्यवस्थित करने और खरसाली से वैकल्पिक मार्ग के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। पैदल मार्ग पर यात्रियों और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही अलग-अलग और सुव्यवस्थित रखने के साथ सूर्यकुंड क्षेत्र में प्रभावी भीड़ प्रबंधन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घोड़े-खच्चरों के संचालन में निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन कराने और पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश देते हुए उन्होंने केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा और भैरव ग्लेशियर क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रेस्क्यू की व्यवस्था रखने को कहा।

उन्होंने यमुनोत्री पैदल मार्ग के चौड़ीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई तेज करने तथा गंगोत्री मार्ग पर चौड़ीकरण और गड्ढामुक्ति कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी, स्यानाचट्टी में विशेष सतर्कता तथा ज्योतिर्मठ-मारवाड़ी मार्ग पर प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा।

◆ सीएम धामी ने यमुनोत्री में भीड़ प्रबंधन पर दिया जोर

कार्रवाई पंजाब सीएम की गैंगस्टर-नशे के नेटवर्क पर समीक्षा बैठक, एजीटीएफ के काम की सराहना की

पंजाब में भगोड़ों पर शिकंजा, 8 माह में 10 भारत लाए

एजेंसी, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को पंजाब पुलिस की स्पेशल यूनिट्स के कामकाज और ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई), एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की कार्रवाई की जानकारी ली गई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संगठित अपराध और नशे के नेटवर्क के खिलाफ खुफिया जानकारी के आधार पर लगातार कार्रवाई करने पर जोर दिया। बैठक में काउंटर इंटेलिजेंस के एडीजीपी अमित प्रसाद, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के एडीजीपी प्रमोद बान और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के एडीजीपी नीलाभ किशोर सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विदेशों में छिपे भगोड़ों को भारत लाने के लिए बनाए गए ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रेडिशन सेल के काम की भी समीक्षा की गई। इस सेल की कमान आईजी आशीष चौधरी संभाल रहे हैं। पुलिस के अनुसार, जनवरी 2026 में शुरू हुए इस विशेष सेल ने अपने शुरुआती 8 महीनों में 10 भगोड़ों को भारत वापस लाने में मदद की है।

इनमें 9 आरोपियों को डिपोर्टेशन के जरिए भारत लाया गया, जबकि एक आरोपी को प्रत्यर्पण की प्रक्रिया के तहत वापस लाया गया। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को मजबूत करने में एआईजी डी. सुदरविझी और एसपी दीपिका सिंह के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने पंजाब में गैंगस्टरों के खिलाफ एजीटीएफ की ओर से की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने एजीटीएफ की ऑपरेशनल उपलब्धियों और अधिकारियों के काम की सराहना की। मुख्यमंत्री ने डीएसपी राजन परमिंदर सिंह और उनकी ऑपरेशनल टीम के प्रयासों की विशेष रूप से प्रशंसा की। बैठक में गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करने, विदेशों में बैठे आरोपियों और उनके मददगारों तक पहुंचने तथा उनके खिलाफ कार्रवाई को लेकर भी कामकाज की समीक्षा की गई।

विदेश में बैठे गैंगस्टरों पर भी कार्रवाई जारी

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने डीएसपी सुखजीत सिंह की पिपिंग सेरेमनी भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनके कंधों पर डीएसपी रैंक के बैज लगाए। सुखजीत सिंह को उनके बेहतरीन काम के लिए आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। वह इंस्पेक्टर के पद से प्रमोट होकर डीएसपी बने हैं। मुख्यमंत्री ने उनके काम की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। सीएम बोले संगठित अपराध और नशे के नेटवर्क को खत्म करने के लिए कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अब खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन करने के साथ-साथ दूसरी एजेंसियों के साथ मिलकर भी काम कर रही है। पुलिस का फोकस विदेशों में छिपे भगोड़ों, उनके नेटवर्क और भारत में उनके लिए काम करने वाले लोगों तक पहुंचने पर है।

गुलाब सिंह चौहान की अमर विरासत को नमन

रोहित ठाकुर ने तियूणी में गुलाब सिंह चौहान की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

तियूणी में जुटे कांग्रेस नेता, चौहान के विकास कार्यों को किया याद।

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के तियूणी में स्वर्गीय गुलाब सिंह चौहान की 100वीं जयंती के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने स्वर्गीय गुलाब सिंह चौहान को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय गुलाब सिंह चौहान कांग्रेस के वरिष्ठ एवं कद्दावर नेता थे। उन्होंने जौनसार-बावर और चकराता विधानसभा क्षेत्र के विकास तथा जनहित के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। क्षेत्र की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने विकास को गति देने और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य किया। रोहित ठाकुर ने कहा कि जौनसार-बावर और चकराता के विकास में गुलाब सिंह चौहान का योगदान हमेशा स्मरण किया जाएगा तथा आने वाली पीढ़ियां भी उनके कार्यों से प्रेरणा लेंगी।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ नेता स्वर्गीय ठाकुर राम लाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि गुलाब सिंह चौहान और ठाकुर राम लाल दोनों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का लगातार आठ बार प्रतिनिधित्व किया। दोनों नेताओं ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद जनता के हित में महत्वपूर्ण कार्य किए और अपने क्षेत्रों के विकास की मजबूत नींव रखी।

रोहित ठाकुर ने कहा कि जुब्बल-कोटखाई और जौनसार-बावर क्षेत्र भौगोलिक रूप से अलग होने के बावजूद सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। दोनों क्षेत्रों के लोगों की हनोल स्थित महासू देवता

◆ शिक्षा मंत्री ने क्षेत्रीय विकास और जनसेवा में उनके योगदान को सराहा

के प्रति गहरी आस्था है। महासू देवता दोनों क्षेत्रों के लोगों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था का प्रमुख केंद्र हैं।

उन्होंने कहा कि एक समय जौनसार-बावर क्षेत्र विकास की दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ था और जुब्बल-कोटखाई की परिस्थितियां भी लगभग समान थीं। ऐसे समय में गुलाब सिंह चौहान ने क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में जौनसार-बावर को जनजातीय क्षेत्र का दर्जा दिलाने के लिए किया गया संघर्ष और प्रयास महत्वपूर्ण रहा। इस दर्जे के बाद क्षेत्र के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के साथ शिक्षा, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर मिले। आज इसके सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय गुलाब सिंह चौहान के पुत्र एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह चौहान ने भी अपने पिता की राजनीतिक विरासत और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कई बार चकराता विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया। रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रीतम सिंह चौहान के साथ उनके पारिवारिक और आत्मीय संबंध हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में प्रीतम सिंह चौहान उत्तराखंड की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, उत्तराखंड कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गणेश गोदियाल, विधायकगण, प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्य एवं पदाधिकारी, वरिष्ठ एवं युवा कांग्रेस कार्यकर्ता तथा विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े फैसलों पर सरकार से दस्तावेज सार्वजनिक करने को कहा

बिंदल ने खनन मामलों की मांगी निष्पक्ष जांच

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने हिमाचल प्रदेश में ड्रेजिंग, खनन, स्टोन क्रशर और सरकारी संसाधनों से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कांग्रेस सरकार से इन मामलों में उठ रहे सवालों पर दस्तावेजों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा। बिंदल ने कहा कि जहां आर्थिक अनियमितता, नियमों की अनदेखी या सत्ता के दुरुपयोग के ठोस तथ्य सामने आते हैं, वहां सरकार को जांच से बचने के बजाय पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी धन से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार नहीं की जा सकती।

उत्तराखंड और कर्नाटक के मामलों का भी किया उल्लेख : बिंदल ने मंगलवार को उत्तराखंड, कर्नाटक और हिमाचल से जुड़े विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता और राजनीतिक प्रभाव से जुड़े लोगों पर भ्रष्टाचार तथा वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आने पर संबंधित एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से जांच करनी चाहिए। उन्होंने उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के करीबी सहयोगी और पूर्व विशेष कार्याधिकारी चंदन सिंह जीना से जुड़े मामले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 की ग्राम पंचायत विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों की जांच चल रही है।

बिंदल ने विभिन्न राज्यों में सामने आए मामलों का भी किया उल्लेख

ईडी कार्रवाई में मिले कई अहम दस्तावेज

बिंदल के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई में नकदी, सोना, महंगी घड़ियां और करीब 1.28 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त या फ्रीज किए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने कर्नाटक में एक मंत्री और उनके परिवार से जुड़े खनन कारोबार का भी उल्लेख किया और कहा कि नौ से 11 सितंबर के बीच 21 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में विदेशी निवेश से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। उन्होंने कहा कि मामलों का अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आना चाहिए।

ब्यास ड्रेजिंग और स्टोन क्रशर पर सरकार से मांगा जवाब

बिंदल ने हिमाचल में ब्यास नदी में ड्रेजिंग के नाम पर खनन, बेस मूल्य की राशि, बैंक गारंटी, वन विभाग के माध्यम से खनन करवाने के निर्णय और मंत्रिमंडल की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार से संबंधित सभी दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने जयसिंहपुर में निर्माणाधीन स्टोन क्रशर को लेकर एक मंत्री की कथित व्यावसायिक हिस्सेदारी, अनुमति और पर्यावरणीय स्वीकृतियों से जुड़े सवाल भी उठाए। बिंदल ने कहा कि इन मामलों में यदि कोई ठोस तथ्य सामने आता है तो समयबद्ध और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों, सरकारी धन और प्रशासनिक निर्णयों से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी तथा सरकार को जनता के सामने पारदर्शी तरीके से जवाब देना होगा।

केएनएच अस्पताल स्थानांतरण के विरोध में महिलाओं ने किया उग्र प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कमला नेहरू अस्पताल (केएनएच) की स्त्री रोग बाह्य रोगी सेवा को इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (आईजीएमसी) में स्थानांतरित करने के विरोध में मंगलवार को शिमला में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के बैनर तले बड़ी संख्या में महिलाएं छोटा शिमला स्थित राज्य सचिवालय के बाहर पहुंचीं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के निर्णय के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया तो दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाकर सड़क पर बैठकर विरोध जताया।

प्रदर्शन के चलते सर्कुलर रोड पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। समिति पिछले पांच-छह महीने से केएनएच की स्त्री रोग बाह्य रोगी सेवा को आईजीएमसी स्थानांतरित करने के निर्णय का विरोध कर रही है। अस्पताल कर्मचारियों ने भी इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाई है।

◆ सिचिवालय के बाहर जुटीं महिलाएं, पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोकने का किया प्रयास

समिति का कहना है कि केएनएच में महिलाओं को एक ही परिसर में स्त्री रोग से संबंधित उपचार की सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। अस्पताल लंबे समय से महिलाओं और बच्चों के उपचार का प्रमुख केंद्र रहा है। समिति ने सरकार से अस्पताल की मौजूदा सुविधाओं को कमजोर करने के बजाय उनका विस्तार करने की मांग की है।

समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि आईजीएमसी पहले ही मरीजों के भारी दबाव में है। ऐसे में वहां अतिरिक्त विभाग स्थानांतरित करने से मरीजों की परेशानी बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव पड़ेगा।

लक्कड़ बाजार से रिज तक दौड़ेगी लिफ्ट, सर्दियों में मिलेगी सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता,शिमला। राजधानी शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान तक पहुंचने के लिए लक्कड़ बाजार से खड़ी चढ़ाई चढ़ने की परेशानी जल्द खत्म होने वाली है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत तैयार की जा रही लक्कड़ बाजार-रिज लिफ्ट सुविधा को आगामी सर्दियों में शुरू करने की तैयारी है। इसके चालू होने से स्थानीय लोगों के साथ शहर में आने वाले पर्यटकों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

वर्तमान में लक्कड़ बाजार से रिज मैदान की ओर जाने वाले रास्ते पर लोगों को पैदल खड़ी चढ़ाई पार करनी पड़ती है। बुजुर्गों, बच्चों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए यह रास्ता विशेष रूप से मुश्किल रहता है। पर्यटकों को सामान लेकर चढ़ाई चढ़ने में भी परेशानी होती है। लिफ्ट शुरू होने के बाद इस मार्ग पर आवाजाही काफी सुगम होने की उम्मीद है।

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित की जा रही इस सुविधा का उद्देश्य शहर में पैदल आवाजाही को आसान बनाना और प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध करवाना है। लिफ्ट के संचालन से लक्कड़ बाजार और रिज मैदान के बीच आने-जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

पर्यटन सीजन के दौरान रिज मैदान और मालरोड पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में नई लिफ्ट सुविधा शिमला आने वाले पर्यटकों के लिए भी उपयोगी साबित होगी। संबंधित विभाग की ओर से परियोजना को अंतिम रूप देने और जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने का कार्य किया जा रहा है। विभाग की योजना है कि आगामी सर्दियों में लोगों को इस सुविधा का लाभ मिलना शुरू हो जाए।

133 इको टास्क फोर्स ने दो दशक में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल कायम की

कुफरी समारोह में मंत्री धनीराम शांडिल ने विशेष आवरण किया जारी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। 133 इको टास्क फोर्स ने कुफरी में 'पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्टता के 20 गौरवशाली वर्ष' थीम के साथ अपना 20वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल (डॉ.) धनी राम शांडिल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण का विमोचन किया तथा स्मृति ट्रॉफी का भी अनावरण किया। उन्होंने इको टास्क फोर्स के अधिकारियों और जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कर्नल (डॉ.) धनी राम शांडिल ने कहा कि 133 इको टास्क फोर्स पिछले दो दशकों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक संपदा प्रदेश की महत्वपूर्ण धरोहर है और इसका संरक्षण वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने इको टास्क फोर्स के पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

स्मृति पौधरोपण से जताई प्रतिबद्धता

यूनिट के संस्थापक कर्नल एन.के. कोटवाल (सेवानिवृत्त) और कर्नल नरशिमन ने ऐतिहासिक अवसर पर स्मृति पौधरोपण किया। यह पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण के प्रति यूनिट की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और हरित भविष्य के संकल्प का प्रतीक रहा। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और जवानों ने भी प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान 133 इको टास्क फोर्स की 20 वर्षों की पर्यावरणीय सेवा और उपलब्धियों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और सतत विकास समय की आवश्यकता है।

कुमारसैन में महिला की आंखों में मिर्च डालकर लूटीं सोने की बालियां

भारतेन्दु संवाददाता,शिमला। कुमारसैन थाना क्षेत्र में जंगल के सुनसान रास्ते से पैदल घर जा रही 61 वर्षीय महिला पर अज्ञात बदमाश ने हमला कर सोने की बालियां लूट लीं। वारदात के दौरान बदमाश ने महिला की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और दोनों कानों से सोने की बालियां जबरन छीनकर फरार हो गया। घटना 14 सितंबर को दिन में करीब 11:45 बजे हुई। पुलिस के अनुसार लटयाणा निवासी सुनो देवी पत्नी जिया लाल ने शिकायत में बताया कि वह कंडियाली बाजार से एनएच-05 सड़क की ओर से गांव जाने वाले रास्ते पर जंगल क्षेत्र से होकर पैदल जा रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात युवक अचानक उनके पास पहुंचा और आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया। महिला के आंखें बंद होते ही आरोपी ने उनके दोनों कानों से सोने की बालियां छीन लीं और मौके से भाग गया। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने सफेद चेकदार कमीज और काली पैंट पहन रखी थी। उसकी उम्र करीब 25 से 26 वर्ष बताई गई है। घटना के बाद महिला ने मामले की सूचना पुलिस को दी।

स्कूलों में 624 हेडमास्टर पद रिक्त, पदोन्नति अटकी

टीजीटी कला संघ ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर लंबित सूचियां जारी करने की मांग की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया लंबे समय से अटकी हुई है। प्रदेश के 624 हाई स्कूलों में हेडमास्टर के पद रिक्त हैं, लेकिन इन पदों को भरने के लिए 624 टीजीटी और प्रमोटी प्रवक्ताओं की पदोन्नति सूची पिछले चार महीने से लंबित है। पदोन्नति में देरी के कारण कई पात्र टीजीटी शिक्षक बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

राजकीय टीजीटी कला संघ ने सरकार से हेडमास्टर पदों पर टीजीटी से पदोन्नति की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, उपाध्यक्ष विजय बरवाल और महासचिव विजय हीर ने कहा कि सीबीएसई इन-सर्विस शिक्षकों की काउंसलिंग शुरू होने से पहले लंबित हेडमास्टर पदोन्नति सूची जारी की जानी चाहिए। इससे स्कूलों में रिक्त प्रधानाचार्य स्तर के पदों को भरने के साथ टीजीटी कैडर में भी नए पद उपलब्ध होंगे। संघ ने सरकार से करीब 600 रिक्त पदों को जल्द भरने का आग्रह किया है।

संघ के अनुसार टीजीटी से प्रवक्ता पद पर पदोन्नति के लिए 749 शिक्षकों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक सितंबर 2025 में हो चुकी है, लेकिन करीब एक वर्ष बीतने के बावजूद पदोन्नति सूची जारी नहीं हुई। संघ का कहना है कि समय पर पदोन्नति मिलने से करीब 550 शिक्षकों पर मंडरा रहा पदावनति का खतरा भी समाप्त हो सकता है। हेडमास्टर पदों पर पदोन्नति से

◆ पदोन्नति में देरी से पात्र शिक्षक सेवानिवृत्त, अन्य वर्गों की प्रक्रिया भी लंबित

टीजीटी कैडर में रिक्तियां बढ़ेंगी, जिससे शिक्षकों के तबादले और प्रतिनियुक्ति के लिए भी स्टेशन उपलब्ध हो सकेंगे।

संघ ने कहा कि सेवानिवृत्ति के कारण टीजीटी कैडर में पहले से ही सैकड़ों पद खाली हैं। वहीं जेबीटी और सीएंडवी वर्ग के शिक्षक भी करीब तीन वर्ष से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इनके पदोन्नति पैनल फरवरी 2026 में जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक पदोन्नति सूचियां नहीं निकली हैं। संघ ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर हेडमास्टर, प्रवक्ता, जेबीटी और सीएंडवी वर्ग की सभी लंबित पदोन्नति प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने की मांग की है।

19 सितंबर को होंगे बुशहर ऑटो ऑपरेटर यूनियन की नई कार्यकारिणी के चुनाव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बुशहर ऑटो ऑपरेटर यूनियन रामपुर की नई कार्यकारिणी के चुनाव 19 सितंबर को आयोजित किए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया मिनी सचिवालय सभागार रामपुर में दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी। यूनियन के महासचिव मस्तराम ने यह जानकारी देते हुए सभी पात्र सदस्यों से चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

महासचिव ने बताया कि चुनाव में मतदान का अधिकार केवल उन्हीं ऑटो चालकों और यूनियन सदस्यों को होगा, जिन्होंने पिछले तीन माह से यूनियन का मासिक अंशदान नियमित रूप से जमा कराया है। ऐसे पात्र सदस्यों की पहचान और मतदान से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यूनियन स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी पात्र सदस्यों की भागीदारी से नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा किया जाएगा।

◆ तीन माह का नियमित अंशदान जमा करने वाले सदस्य ही कर सकेंगे मतदान

उन्होंने बताया कि चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध करवाने का आग्रह किया गया है। यूनियन पदाधिकारियों की ओर से चुनाव के दौरान सभी सदस्यों से अनुशासन बनाए रखने और चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की गई है।

महासचिव मस्तराम ने सभी पात्र ऑटो चालकों और यूनियन सदस्यों से निर्धारित समय पर मिनी सचिवालय सभागार रामपुर पहुंचने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सदस्य अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर नई कार्यकारिणी के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। चुनाव के लिए यूनियन की ओर से आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

5 .5 किलो अफीम डोडा बरामदगी मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले में 5.5 किलोग्राम अफीम डोडा/पोस्त बरामदगी के मामले में पुलिस ने मुख्य सप्लायर बताए जा रहे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ और जांच के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर की। पुलिस के अनुसार नशीले पदार्थ की सप्लाई से जुड़ी पिछली कड़ियों की जांच के बाद बहादुर सिंह उर्फ रिंकू को कुल्लू से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार 30 जुलाई को रामपुर उपमंडल की डिटेक्शन टीम ने सैंज-लूहरी मार्ग पर एक वाहन की तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान वाहन से करीब 5.5 किलोग्राम अफीम डोडा/पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने वाहन चालक पिंकू राम (41), पुत्र रती राम निवासी कुमारसैन, जिला शिमला को गिरफ्तार किया था। इस संबंध में पुलिस थाना कुमारसैन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 15 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि पिंकू राम ने यह खेप आनी, जिला कुल्लू निवासी बहादुर सिंह उर्फ रिंकू से ली थी। जांच के दौरान बीटू राम (31), पुत्र स्वर्गीय वीर सिंह निवासी आनी की भूमिका भी सामने आई। पुलिस के मुताबिक बीटू राम ने नशीले पदार्थ की खरीद के बदले बहादुर सिंह उर्फ रिंकू को धनराशि भेजी थी।

प्रतिनिधित्व वैश्विक मंच पर संसदीय लोकतंत्र, कानून और जनभागीदारी के मुद्दों पर होगा व्यापक मंथन

राष्ट्रमंडल सम्मेलन में पठानियां रखेंगे हिमाचल का पक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां दक्षिण अफ्रीका की विधायी राजधानी केपटाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का आयोजन 13 से 17 सितंबर, 2026 तक किया जा रहा है। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 'बदलती विश्व व्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय कानून और संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करना : राष्ट्रमंडल नेतृत्व' रखा गया है। सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं के माध्यम से व्यापक मंथन किया जा रहा है।

सम्मेलन में छह प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी। इनमें विविध अर्थव्यवस्थाओं में समावेशी एवं निष्पक्ष व्यापार के लिए अंतर-संसदीय बातचीत को बढ़ावा देना तथा राष्ट्रमंडल और उससे आगे असमानता एवं पिछड़ेपन को दूर करना शामिल है। इसके अलावा दिव्यांगजनों के लिए सुलभ संसद, जलवायु अनुकूलन एवं लचीलेपन को बढ़ावा देने में संसदीय नेतृत्व, संसद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान उपयोग, संभावनाएं एवं कार्यान्वयन रणनीतियां, मानवाधिकारों की रक्षा एवं शांति को बढ़ावा देने में संसद की भूमिका तथा कानून बनने के बाद समीक्षा के माध्यम से संसद को जनता से जोड़ने जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां 16 सितंबर को 'कानून बनने के बाद समीक्षा : संसद को जनता से जोड़ना' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में अपना संबोधन देंगे। इस सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण भी प्रमुख वक्ताओं के रूप में मौजूद रहेंगे।

सम्मेलन में भाग लेने से पूर्व कुलदीप सिंह पठानियां ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के संबंधों को लेकर कहा कि दोनों देशों के रिश्ते ऐतिहासिक मित्रता, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक हितों और वैश्विक दक्षिण के प्रति समान प्रतिबद्धता पर आधारित व्यापक राजनीतिक साझेदारी का रूप ले चुके हैं।

देहरा में 19 सितंबर को 150 मशीन ऑपरेटर पदों के लिए होंगे साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। उप रोजगार कार्यालय, देहरा की प्रभारी ने बताया कि वर्धमान यार्नज थ्रेड्स लिमिटेड, लुधियाना की ओर से मशीन ऑपरेटर के 150 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। इनमें पुरुष और महिला दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। साक्षात्कार 19 सितंबर, 2026 को उप रोजगार कार्यालय, देहरा में सुबह 11 बजे से होगा। इन पदों के लिए अभ्यर्थी का दसवीं या बारहवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की ओर से 13,486 रुपये से 15,483 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त कंपनी के नियमानुसार अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। प्रभारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से साक्षात्कार में शामिल होने के लिए दो पासपोर्ट आकार के फोटो, हिमाचली प्रमाण पत्र, मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बायोडाटा की प्रति और अनुभव प्रमाण पत्र, यदि उपलब्ध हो, साथ लाने को कहा है।

मुआवजा वितरण में तेजी लाने के डीएम ने दिए निर्देश

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बीआरओ और राजस्व विभाग से जुड़े लंबित भूमि अधिग्रहण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और मुआवजा वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की सड़क परियोजनाओं और जनहित से जुड़े विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों में बेहतर समन्वय जरूरी है। डीएम ने सीमांकन, भूमि हस्तांतरण, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने को कहा। उन्होंने भू-स्वामियों के अधिकारों और हितों का विशेष ध्यान रखते हुए मुआवजा राशि के भुगतान से संबंधित पत्रावलियों का निर्धारित मानकों के अनुसार पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीआरओ के प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई कर भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया अंतिम रूप देने को कहा। निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय निवासियों को होने वाली व्यावहारिक समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण अनुकूल आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण जनपद की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। बैठक में एडीएम मुक्ता मिश्र, एसडीएम शालिनी नेगी और बीआरओ कमांडर राजकिशोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय के दल ने पर्यटन मंत्री महाराज से की भेंट

उत्तराखंड की संस्कृति और पर्यटन से रूबरू हुआ विदेशी दल

अनिल थपलियाल

पर्यटन मंत्री से शिष्टाचार भेंट करते साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि।

देहरादून। साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, लंदन के छात्र-छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के इंडिया सेंटर के प्रथम आईसीसीआर चेयर ऑफ इंडिया स्टडीज एवं विजिटिंग प्रोफेसर चंद्र प्रकाश कांडपाल के नेतृत्व में प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज से सुभाष रोड स्थित उनके कैंप कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड में पर्यटन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और अपने सुझाव भी साझा किए।

यह भ्रमण भारत अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया है। देश के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण करने के बाद दल उत्तराखंड पहुंचा है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय की टीम भारत की सभ्यता और संस्कृति को करीब से समझने तथा उसे विश्व स्तर पर प्रचारित करने के उद्देश्य से भारत भ्रमण पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्र उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और पर्यटन स्थलों से प्रभावित होकर प्रदेश के पर्यटन को दुनिया तक पहुंचाने में सहयोग करेंगे।

बीटल्स आश्रम से जिम कॉर्बेट तक, छात्रों ने जानी उत्तराखंड की खूबियां

महाराज ने छात्रों को ऋषिकेश स्थित बीटल्स आश्रम, जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, होमस्टे और एस्ट्रो टूरिज्म सहित प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार पर्यटन को नए आयाम देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। छात्रों ने भारतीय संस्कृति, भोजन और उत्तराखंड में रहने की व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमित कुमार और प्रोफेसर साबू पदम दास भी मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

उदित नैनवाल, जिला चमोली। कर्णप्रयाग महाविद्यालय में हिंदी दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यार्थियों ने भाषण और कविता पाठ के माध्यम से हिंदी की महत्ता व प्रासंगिकता बताई। वक्ताओं ने हिंदी को संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का माध्यम बताया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य प्रो. राम अवतार सिंह ने हिंदी के संरक्षण का आह्वान किया।

बद्रीनाथ दर्शन के दौरान बेहोश हुई 70 वर्षीय श्रद्धालु, पीआरडी जवान ने पहुंचाया अस्पताल

उदित नैनवाल, जिला चमोली, बद्रीनाथ। राजस्थान के चित्तौड़ से दर्शन के लिए आईं 70 वर्षीय शांति देवी मंदिर परिसर में अचानक बेहोश हो गईं। ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान सरिता राय ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें संभाला और तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से महिला श्रद्धालु की हालत में सुधार हुआ। जवान की संवेदनशीलता और सेवा भावना की सराहना की गई।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने धूमधाम से मनाया अभियंता दिवस

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ऑडिटोरियम हॉल में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ उत्तरकाशी की ओर से भारत रत्न डॉ. एम. विश्वेश्वरैया की जयंती पर अभियंता दिवस धूमधाम से मनाया गया। वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में अभियंताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए सड़क, भवन, पेयजल, विद्युत और बांध जैसी परियोजनाओं में उनकी भूमिका की सराहना की। जिलाधिकारी ने युवा अभियंताओं से नवाचार, रचनात्मक सोच और आधुनिक तकनीक को समाजोपयोगी बनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि किशोर भट्ट ने कहा कि विश्वेश्वरैया का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे से लेकर डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष और ऊर्जा तक अभियंताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अभियंता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

12 सूत्रीय मांगों को लेकर मिनिस्टीरियल कर्मचारियों का आंदोलन तेज

भारतेंदु संवाददाता, विकासनगर। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन के आह्वान पर डाकपत्थर समेत पूरे उत्तराखंड में मिनिस्टीरियल कर्मचारियों ने 12 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। कर्मचारियों ने 25 सितंबर को तहसील कार्यालयों में धरना और कार्य बहिष्कार कर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने का निर्णय लिया है। पांच अक्टूबर को देहरादून में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय महारैली और सचिवालय घेराव को सफल बनाने की रणनीति भी तय की गई।

केदारनाथ धाम पैदल यात्रा हुई सुचारु

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। चीरवासा के पास क्षतिग्रस्त केदारनाथ पैदल मार्ग की श्रमिकों, पुलिस और एसडीआरएफ जवानों ने सफाई कर आवागमन सुचारु कराया। केदारनाथ से लौट रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित गौरीकुंड भेजा गया, जबकि सोनप्रयाग में रुके यात्रियों को भी केदारनाथ की ओर रवाना किया गया। सुरक्षा बलों की निगरानी में यात्रा जारी है। श्रद्धालुओं से सुरक्षा निर्देशों के पालन की अपील की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

अनिल थपलियाल, नई टिहरी। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय कमांद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। सचिव दयाराम ने छात्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और संवैधानिक कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों और मजबूत कानून व्यवस्था पर निर्भर है। इस दौरान छात्रों को निःशुल्क कानूनी सहायता और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

छात्रसंघ चुनाव के बाद पौड़ी में युवाओं का उपद्रव, सात गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी। छात्रसंघ चुनाव के बाद सोमवार देर रात शहर में युवाओं ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि युवाओं ने भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी की कार का कंडोलिया से सर्किट हाउस तक पीछा कर नए बस अड्डे के पास तोड़फोड़ की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात युवकों को गिरफ्तार किया। एसएसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि आरोपियों की पहचान वीडियो और अन्य साक्ष्यों से हुई।

केदार ताल का एक सप्ताह तक होगा व्यापक वैज्ञानिक सर्वेक्षण

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। राष्ट्रीय हिमनद झील विस्फोट बाढ़ जोखिम शमन कार्यक्रम के तहत केदार ताल का वैज्ञानिक सर्वेक्षण शुरू किया गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने 20 सदस्यीय विशेषज्ञ दल को रवाना किया। दल 15 से 21 सितंबर तक केदार ताल में बैथमेट्री सर्वेक्षण और स्थलीय निरीक्षण कर भौगोलिक परिस्थितियों तथा संभावित आपदा जोखिमों का आकलन करेगा। अभियान में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, वाडिया संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी समेत अन्य संस्थान सहयोग कर रहे हैं। सर्वेक्षण से भविष्य की आपदा तैयारी और निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी।

50 बच्चों को ट्रैक सूट और लेखन सामग्री भेंट की

अनिल थपलियाल, ऋषिकेश। उत्तराखंड सतरुद्रा ट्रस्ट की ओर से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पोखरी (क्वीली), टिहरी गढ़वाल के 50 बच्चों के लिए ट्रैक सूट, दरियां और लेखन सामग्री भेंट की गई। सामग्री मां कुंजापुरी स्कूल यूनिफॉर्म प्रतिष्ठान में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य खुशी राम बंगवाल को सौंपी गई। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष मंगला प्रसाद बंगवाल, सचिव गणेश चंद्र उनियाल, संयुक्त सचिव मुकेश धूलिया, सदस्य वीरेंद्र सिंह गुसाईं और हरेंद्र सिंह असवाल मौजूद रहे।

तहसील दिवस में खुली व्यवस्थाओं की पोल, 20 शिकायतों से सामने आईं खामियां

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी। तहसील सभागार में आयोजित तहसील दिवस में सड़क, जल निकासी, बिजली, विद्यालय, आवारा पशुओं और वन्यजीवों से जुड़ी 20 शिकायतें दर्ज हुईं। अपर चोपड़ा मिशन कॉलोनी में घर में पानी घुसने, च्वींचा मोटर मार्ग पर गड्ढों और बदहाल नालियों की समस्याएं प्रमुख रहीं। ग्रामीणों ने जंगली सूअरों के आतंक और आवारा पशुओं-कुत्तों की समस्या भी उठाई। बमटी गांव में बारिश से मकान में आई दरार तथा केसुंदर विद्यालय की चारदीवारी का मामला सामने आया। संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात ने अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर समयबद्ध कार्रवाई और फोटो सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अल्मोड़ा में भव्य शोभायात्रा के साथ नंदादेवी मेला शुरू

डी एस सिजवाली

अल्मोड़ा। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में मंगलवार को मां नंदादेवी मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। मेले के आगाज पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे छात्र-छात्राओं ने नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली। जीजीआईसी ड्योढ़ीपोखर से शुरू हुई शोभायात्रा पल्टन बाजार और नगर के प्रमुख बाजारों से होते हुए ऐतिहासिक नंदादेवी मंदिर परिसर पहुंची। रास्तेभर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। मां नंदा के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय माहौल में रंग गया।

शोभायात्रा में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्तराखंड की समृद्ध लोकपरंपराओं, संस्कृति और धार्मिक आस्था को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं की ओर से पेश की गई नंदा राजजात की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी के माध्यम से मां नंदा की धार्मिक यात्रा और देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। इससे लोगों में मेले को लेकर उत्साह और बढ़ गया।

झांकी प्रतियोगिता में जीजीआईसी अल्मोड़ा ने प्रथम स्थान पाया

नंदादेवी मंदिर परिसर पहुंचने के बाद झांकी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। निर्णायक मंडल के मूल्यांकन के आधार पर जीजीआईसी अल्मोड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ग्रीन फील्ड दूसरे और जीआईसी अल्मोड़ा तीसरे स्थान पर रहा। कार्यक्रम में विधायक मनोज तिवारी, मेयर अजय वर्मा, दर्जा राज्यमंत्री गोविंद पिल्खवाल, मेला अध्यक्ष मनोज वर्मा, मुख्य संयोजक तारा चंद्र जोशी समेत मेला समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

हरिपुर में 21 फीट ऊंची मां यमुना की प्रतिमा का अनावरण करेंगे सीएम

सीएम धामी के आगमन को लेकर हरिपुर में तैयारियां तेज

भारतेंदु संवाददाता, विकासनगर, कालसी। जौनसार-बावर के प्रवेश द्वार हरिपुर में निर्माणाधीन जमुना कृष्ण धाम में मां यमुना की 21 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण और नवनिर्मित घाटों के लोकार्पण की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री के निजी सचिव एवं मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने प्रतिमा स्थल और यमुना घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हरिपुर पहुंचेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत रुद्राक्ष का पौधा रोपने से होगी। इसके बाद जमुना कृष्ण मंदिर का भूमि पूजन और मां यमुना की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत अनावरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री यमुना घाट पर मां यमुना की आरती कर प्रधानमंत्री के दीर्घायु की कामना भी करेंगे। लोक पंचायत जमुना तीर्थ समिति के सचिव सतपाल सिंह चौहान ने बताया कि दोपहर दो बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे, जिनमें जौनसार-बावर के लोक कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। शाम साढ़े चार बजे मुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद मुख्य कार्यक्रम होगा। समिति मुख्यमंत्री के समक्ष द्वितीय चरण के घाटों का निर्माण, नाले को स्थानांतरित करने और यमुना तट के सिद्धपीठ तक पैदल मार्ग बनाने की मांग रखेगी। इन कार्यों से क्षेत्र में पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

5 .62 करोड़ से तैयार हुआ आरसेटी भवन

उदित नैनवाल, रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के लिए 5.62 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित भवन तैयार हो गया है। भवन में कंप्यूटर लैब, वर्कशॉप, डॉरमेट्री हॉल, रसोई और आधुनिक कक्षाओं जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। करीब 70 प्रशिक्षार्थियों के लिए निशुल्क ठहरने, भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई है। इससे दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभागियों को विशेष सुविधा मिलेगी और वे बिना आवास व भोजन की चिंता के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

राज्यपाल के पांच वर्ष पूर्ण, लोक भवन में हुआ भव्य कार्यक्रम

अनिल थपलियाल।
देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) के उत्तराखंड में पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर लोक भवन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यपाल ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल को जीवन की महत्वपूर्ण और भावनात्मक यात्रा बताते हुए लोक भवन परिवार, विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों, युवाओं, महिलाओं और प्रदेशवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सेना में चार दशक की सेवा के दौरान किसी एक स्थान पर तीन वर्ष से अधिक रहने का अवसर नहीं मिला, लेकिन देवभूमि में पांच वर्ष कैसे बीत गए, पता ही नहीं चला। यह यात्रा अकेले की नहीं, बल्कि पूरे लोक भवन परिवार की रही है।

राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की सफलता में प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण होता है और यह सम्मान पूरे लोक भवन परिवार की मेहनत का प्रतीक है। इस अवसर पर 'आत्मा के स्वर-05' सहित चार पुस्तकों का विमोचन किया गया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की तीन पुस्तकों में '21वीं सदी: चुनौतियां और अवसर', 'विकसित भारत-2047 : आत्मनिर्भर, समावेशी और सतत राष्ट्र निर्माण के बढ़ते कदम' तथा 'विकसित उत्तराखंड: राज्यपाल के पंच स्वप्न और संदृष्टि' शामिल हैं।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं फिर शुरू

उदित नैनवाल, रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम आवागमन को देखते हुए मंगलवार से हेली सेवाओं का संचालन फिर शुरू कर दिया गया है। जिले के निर्धारित आठ हेलीपैड से निजी हेली सेवा कंपनियां उड़ानों का संचालन कर रही हैं। डीजीसीए की टीमों ने हेलीपैड और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद सुरक्षा मानकों के अनुरूप उड़ानों को अनुमति दी। जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मौसम, दृश्यता, हवा की गति और अन्य परिस्थितियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। खराब मौसम या किसी जोखिम की स्थिति में उड़ानें रोकी या स्थगित की जा सकेंगी। हेली सेवा शुरू होने से बुजुर्ग, दिव्यांग और पैदल यात्रा करने में असमर्थ श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। प्रशासन ने कंपनियों को यात्रियों को निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं।

टिहरी झील क्षेत्र को मिलेगा सुंदर पर्यटन का नया स्वरूप

अनिल थपलियाल

नई टिहरी में टिहरी झील और आसपास के क्षेत्रों को आधुनिक एवं आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में एडीबी सहायता प्राप्त परियोजना के तहत प्रस्तावित स्मार्ट कंपोनेंट और स्मार्ट लूप को लेकर बैठक हुई। बैठक में पर्यटन रोड, स्मार्ट सीसीटीवी कैमरे, स्मार्ट पोल, स्मार्ट बस शेल्टर, व्यू प्वाइंट, आईसीसीसी भवन और ई-बस सेवा समेत विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई।

स्मार्ट बस शेल्टर में यात्रियों के लिए बैठने, प्रकाश, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, सीसीटीवी और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं प्रस्तावित हैं। वहीं स्मार्ट पोल के माध्यम से प्रकाश व्यवस्था के साथ सुरक्षा और सूचना संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। जिलाधिकारी ने ई-बस सेवा के रूट प्रमुख पर्यटन स्थलों और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप निर्धारित करने के निर्देश दिए।

पर्यटन विकास को स्मार्ट सीसीटीवी, ई-बस और व्यू प्वाइंट से मिलेगी गति

उन्होंने बस स्टेशन क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर करने तथा सीसीटीवी कैमरों के स्थान सुरक्षा और यातायात निगरानी को ध्यान में रखकर तय करने को कहा। संशोधित डीपीआर में पर्यटकों की सुविधा, स्थानीय आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

अल्मोड़ा नराकास को मिला 'प्रशंसनीय श्रेणी' का राष्ट्रीय पुरस्कार

डी एस सिजवाली ,अल्मोड़ा। मुंबई में आयोजित छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान 15 सितंबर 2026 को अल्मोड़ा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) को 'प्रशंसनीय श्रेणी' के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान अल्मोड़ा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। पुरस्कार राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की सचिव अंशुली आर्या (आईएएस) एवं अन्य गणमान्यों ने अल्मोड़ा नराकास के अध्यक्ष एवं भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत तथा सदस्य सचिव, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी रेनू सनवाल को प्रदान किया। अल्मोड़ा नराकास के अंतर्गत जिले के 32 केंद्रीय कार्यालय, उपक्रम, बैंक और सशस्त्र सीमा बल सहित विभिन्न संस्थान आते हैं। दूरस्थ क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद राजभाषा के क्षेत्र में यह राष्ट्रीय सम्मान मिलना विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। दैनिक कार्य-व्यवहार में हिंदी के सहज और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समिति से जुड़े सभी संस्थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने निरंतर प्रयास किए। राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में सदस्यों की निष्ठा, एकजुटता और प्रतिबद्धता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह सम्मान सामूहिक प्रयासों और सतत कार्य का परिणाम है।

चंडीगढ़ के रास्ते चार राज्यों में पहुंच रहे थे नकली सिक्के, सोनीपत में मशीनों से तैयार होती थी खेप

पुलिस ने रजिस्टर, मोबाइल और उपकरण बरामद कर गिरोह की आगे की कड़ियां खंगालनी शुरू की

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

जीरकपुर से संचालित नकली सिक्कों के एक बड़े नेटवर्क का सहारनपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य हरियाणा के सोनीपत में छह मशीनों की मदद से 20 रुपये के नकली सिक्के तैयार करते थे और उन्हें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार तक पहुंचाया जाता था। पुलिस ने गिरोह के कथित सरगना समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने पूछताछ में अब तक 70 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नकली सिक्के बाजार में खपाने की बात कही है। हालांकि, पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और नकली सिक्कों की वास्तविक मात्रा का पता लगाने में जुटी है।

सहारनपुर पुलिस के अनुसार बाजार में नकली सिक्के चलाए जाने की सूचना मिलने के बाद शहर कोतवाली, एसओजी और निगरानी टीम को जांच में लगाया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों और संपर्कों की कड़ियां जोड़ते हुए गिरोह तक पहुंच बनाई। रविवार को पुलिस लाइन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह ने कार्रवाई की जानकारी दी।

छह मशीनों से तैयार होते थे नकली सिक्के : पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 20 रुपये के 6,400 नकली सिक्के बरामद किए हैं। इनका अंकित मूल्य 1.28 लाख रुपये है। इसके अलावा करीब पांच लाख रुपये मूल्य के अधबने सिक्के भी बरामद किए गए हैं। पुलिस को सिक्के तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली छह मशीनें, पांच लोहे की डाई, बिना मुहर की 39 डाई और मुहर लगी 20 डाई मिली हैं। डाई की पॉलिश करने वाली मशीन और दो घिसाई पत्थर भी बरामद किए गए हैं। इससे पुलिस को आशंका है कि सोनीपत में नकली सिक्कों की तैयारी के लिए बाकायदा ठिकाना बनाया गया था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 500-500 रुपये के 20 नोट, आठ मोबाइल फोन और दो कारें भी बरामद की हैं। सभी सामान को जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन वाहनों और मोबाइल फोन का इस्तेमाल नकली सिक्कों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में किस तरह किया जाता था।

सात रजिस्टरों से सामने आएगा धंधे का पूरा हिसाब ।

सात रजिस्टरों से खुलेगा सप्लाई नेटवर्क : जांच में बरामद सात हिसाब-किताब के रजिस्टर पुलिस के लिए सबसे अहम सुराग माने जा रहे हैं। इसके अलावा एक पैड और चेकबुक भी बरामद हुई है। पुलिस रजिस्टरों में दर्ज लेन-देन, नाम, संपर्क और अन्य विवरणों की पड़ताल कर रही है। मोबाइल फोन से मिले संपर्कों को भी खंगाला जा रहा है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में गिरोह का नेटवर्क पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार तक फैला होने की बात सामने आई है। अब जांच का मुख्य फोकस नकली सिक्कों की सप्लाई लेने और उन्हें बाजार में चलाने वाले लोगों तक पहुंचना है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि पंजाब में नकली सिक्कों की कितनी खेप पहुंचाई गई और किन शहरों में उन्हें खपाया गया।

जीरकपुर से जुड़े संपर्कों की जांच : पुलिस ने जीरकपुर निवासी व्यक्ति को गिरोह का कथित सरगना बताया है। उसके पंजाब में मौजूद संपर्कों की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह जानने में जुटी है कि नकली सिक्कों की आपूर्ति के लिए किन लोगों से संपर्क किया जाता था और अलग-अलग राज्यों में खेप पहुंचाने की व्यवस्था कौन संभालता था।

पुलिस के मुताबिक बरामद दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच पूरी होने के बाद नेटवर्क से जुड़े और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट होगा कि 70 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नकली सिक्कों को किन माध्यमों से बाजार में पहुंचाया गया।

सहारनपुर पुलिस अब नकली सिक्कों के निर्माण, आपूर्ति और बाजार में खपाने से जुड़ी पूरी कड़ी को जोड़ने में लगी है। छह मशीनों, बड़ी संख्या में डाई, तैयार और अधबने सिक्कों तथा सात रजिस्टरों की बरामदगी को जांच में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों और नकली सिक्कों की आपूर्ति के ठिकानों का भी पता लगाया जाएगा।

प्रशासन से लंबित मामलों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की

पुनर्वास कॉलोनियों को मालिकाना हक देने और गांवों के विकास की मांग तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव नजदीक आते ही चंडीगढ़ की पुनर्वास कॉलोनियों और 22 गांवों में रहने वाले हजारों परिवारों की वर्षों पुरानी समस्याओं का मुद्दा फिर सामने आया है। पूर्व डिप्टी मेयर सतीश कैंथ ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र भेजकर इन समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

कैंथ ने कहा कि पुनर्वास कॉलोनियों में हजारों परिवार कई दशकों से रह रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें मकानों का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। इससे संपत्ति के हस्तांतरण, नाम बदलवाने, बैंक ऋण लेने सहित कई जरूरी कार्यों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पात्र निवासियों को बिना किसी और देरी के मकानों का मालिकाना अधिकार देने की मांग की।

उन्होंने चंडीगढ़ के 22 गांवों में लाल डोरा की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना है कि लाल डोरा से बाहर वर्षों से रह रहे परिवारों को पानी और सीवरेज कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं हासिल करने में दिक्कत होती है। उन्होंने लाल डोरा की सीमाओं का व्यावहारिक आधार पर पुनर्निर्धारण या विस्तार करने तथा लंबे समय से बने आवासीय निर्माणों के नियमितीकरण के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग की।

◆ **निवासियों ने विकास योजनाओं में तेजी और प्रशासनिक जवाबदेही की मांग उठाई**

कैंथ ने कहा कि जब तक नियमितीकरण को लेकर अंतिम निर्णय नहीं होता, तब तक प्रभावित परिवारों को पानी और सीवरेज कनेक्शन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

अमृतसर में जनरेटर की जहरीली गैस से बुजुर्ग की मौत, चार गंभीर

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर के महा सिंह गेट इलाके में बुधवार को जनरेटर से निकली जहरीली गैस के कारण बड़ा हादसा हो गया। बंद कमरे में गैस का धुआं भरने से पांच लोग बेहोश हो गए। हादसे में 55 वर्षीय जोगिंदर सिंह निवासी खासा की मौत हो गई, जबकि चार अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, इलाके में स्थित लॉटरी की दुकान की तीसरी मंजिल पर एक बंद कमरे में जनरेटर रखा हुआ था। घटना के समय कमरे में पांच लोग खाना खा रहे थे। इसी दौरान जनरेटर से जहरीली गैस निकलने लगी और कमरे में धुआं भर गया। गैस के प्रभाव से सभी लोग बेहोश हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जोगिंदर सिंह को मृत घोषित कर दिया। हीरा लाल, सुखदेव, आशीष दीप और जगजीत का उपचार चल रहा है। सूचना मिलने पर बी डिवीजन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

जालंधर में मेडिकल एजेंसी पर छापा, 3.80 लाख की दवाएं सील

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। सेहत विभाग के ड्रग्स विंग ने सोमवार को दिलकुशा मार्केट स्थित गुप्ता मेडिकल एजेंसिज पर छापामारी कर करीब 3.80 लाख रुपये की दवाएं सील कर दीं। जोनल लाइसेंसिंग अथारिटी सुधा दहल की अगुवाई में ड्रग सेफ्टी अफसर अनुपमा कालिया, परमिंदर सिंह और दिनेश कुमार की टीम ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान एजेंसी का रेफ्रिजरेटर बंद मिला, जिसमें हैपेटाइटिस बी व सी के टीकों सहित महत्वपूर्ण एंटीबायोटिक्स रखे हुए थे। टीम ने 18 प्रकार की दवाएं, टीके और ट्यूबें कब्जे में लेकर सील कर दीं। विभाग के अनुसार, दवाओं को निर्धारित तापमान पर रखना अनिवार्य है। गलत तापमान में रखी दवाएं खराब होने के साथ मरीजों के लिए नुकसानदायक भी हो सकती हैं। ड्रग कंट्रोल अफसर ने बताया कि दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। जब्त दवाओं को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। विभाग ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

11वीं के बाद विषय बदलाव पर पीएसईबी ने लगाई रोक

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए विषय और स्ट्रीम चयन को लेकर नया नियम लागू किया है। अब विद्यार्थी 11वीं कक्षा पास करने के बाद 12वीं में अपनी स्ट्रीम या विषय नहीं बदल सकेंगे। उन्हें 11वीं में चुनी गई स्ट्रीम और विषयों के साथ ही 12वीं की पढ़ाई करनी होगी। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई है। यह नियम पंजाब के सरकारी, सहायता प्राप्त और बोर्ड से संबद्ध निजी स्कूलों पर लागू होगा। बोर्ड के अनुसार, लगातार एक ही स्ट्रीम और विषय पढ़ने से विद्यार्थियों की विषयगत समझ और आधार मजबूत होगा। 11वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विषय, समूह या स्ट्रीम में बदलाव के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया गया है।

शैड में जगह आवंटन को लेकर आढ़तियों ने खोला मोर्चा

भारतेंदु संवाददाता, बरनाला। मार्केट कमेटी बरनाला के खिलाफ सब्जी मंडी एसोसिएशन ने नए शैड में जगह आवंटन को लेकर सोमवार और मंगलवार को मंडी बंद रखकर रोष प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के प्रधान गौरव कुमार गौरा, दलजीत सिंह और अन्य आढ़तियों ने आरोप लगाया कि नए शैड के नीचे नए आढ़तियों को अधिक जगह दी जा रही है, जबकि पुराने आढ़तियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कारोबार कर रहे आढ़तियों को उनकी जरूरत के अनुसार जगह नहीं मिलने से आर्थिक नुकसान की आशंका है।

पीआईबी मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने देखी ओडिशा की समृद्ध विरासत और कला संस्कृति

भारतेंदु संवाददाता,चंडीगढ़। राष्ट्रीय एकता और अंतरराज्यीय पत्रकारिता संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीआईबी चंडीगढ़ की ओर से आयोजित अंतरराज्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को ओडिशा के प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में चंडीगढ़ के साथ केरल, राजस्थान और पंजाब के पत्रकार भी शामिल रहे।

पत्रकारों ने सबसे पहले 13वीं शताब्दी के विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर का दौरा किया। यहां उन्होंने मंदिर की अद्भुत स्थापत्य कला, ऐतिहासिक महत्व और संरक्षण कार्यों की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर परिसर में मौजूद कलात्मक नक्काशी और वास्तुकला को करीब से देखा तथा ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझा।

◆ **पत्रकारों ने ऐतिहासिक स्थलों संग स्थानीय शिल्पकारों की कला को करीब से समझा**

◆ **दौरे के दौरान पत्रकारों ने कलाकारों से भी किया सीधा संवाद**

इसके बाद पत्रकार पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मंदिर की धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधिमंडल ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी ली। मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने रघुराजपुर हेरिटेज विलेज का भी भ्रमण किया। यहां स्थानीय कलाकारों ने पत्तचित्र, ताड़पत्र चित्रकला और लकड़ी की नक्काशी जैसी पारंपरिक कलाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया।

फरीदकोट के स्कूलों को ईमेल से मिली बम धमकी

भारतेंदु संवाददाता,फरीदकोट। फरीदकोट जिले के कुछ स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधकों को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और सुरक्षा टीमों ने संबंधित स्कूल परिसरों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों ने स्कूलों के विभिन्न हिस्सों की बारीकी से जांच की और संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। अधिकारियों की ओर से पूरे मामले में सावधानी बरती जा रही है। स्कूलों और उनके आसपास के क्षेत्रों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने धमकी भरे ईमेल के स्रोत और इसे भेजने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ने सीमा पार तस्करी रोकने की केंद्र से मांग दोहराई

मान का भाजपा पर पलटवार, मुंद्रा पोर्ट से नशे की बड़ी खेपों पर उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा से पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नशे के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा पलटवार किया। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मान ने गृह मंत्री अमित शाह से पंजाब को बदनाम करने के बजाय गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंजाब की पाकिस्तान सीमा से हेरोइन की एक-दो, पांच या दस किलोग्राम की खेप पकड़ी जाती है, जबकि गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से हजारों किलोग्राम की खेप पकड़ी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एक ओर पंजाब को नशे के लिए बदनाम किया जा रहा है और दूसरी ओर अन्य राज्यों से नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पहुंच रही है। उन्होंने भाजपा के नशा विरोधी अभियान को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि वास्तव में नशे के खिलाफ लड़ाई लड़नी है तो तस्करी के स्रोतों पर भी कार्रवाई करनी होगी।

मान ने कहा कि देश में एनडीपीएस मामलों में होने वाली हेरोइन की बरामदगी में पंजाब का योगदान करीब 60 प्रतिशत है, लेकिन केवल पंजाब को जिम्मेदार ठहराने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नशे की आपूर्ति रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए।

पायलट के पहले पंजाब दौरे से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिखा जोश और उत्साह

भारतेंदु संवाददाता, जीरकपुर । पंजाब कांग्रेस प्रभारी बनने के बाद राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मंगलवार को पहली बार पंजाब पहुंचे। लालड़ू में उनके स्वागत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। 500 से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ पंच, सरपंच और स्थानीय प्रतिनिधि भी स्वागत के लिए पहुंचे। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग सहित कई वरिष्ठ नेता भी इस दौरान मौजूद रहे।

◆ **लालडू में 500 से अधिक कार्यकर्ताओं ने पायलट का किया जोरदार स्वागत**

जीरकपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष उदयवीर सिंह ढिल्लों, हनी पंडित, अंकित जैन, पार्षद बंटी राणा समेत पूर्व ब्लाक समिति सदस्यों, पंचों, सरपंचों और कार्यकर्ताओं ने पायलट का फूल-मालाओं से स्वागत किया। उनके लालड़ू पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के समर्थन में नारेबाजी की।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचने से संगठन का मनोबल बढ़ता है। आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने की जरूरत है। स्थानीय संगठन की ओर से इस दिशा में लगातार संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

सचिन पायलट ने भी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोगों के बीच जाकर कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को पहुंचाने की अपील की।

पायलट के दौरे के दौरान लालड़ू में जुटी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ को कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा गया। वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी से क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज नजर आईं।

जेई निलंबन पर कर्मचारी संगठनों ने उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पंजाब के सरकारी कर्मचारियों के जॉइंट फोरम और बिजली एकता मंच ने पावरकॉम के जूनियर इंजीनियर (जेई) दविंदर मेहरा के निलंबन पर सवाल उठाए हैं। कर्मचारी संगठनों के अनुसार, तोहड़ा सब-डिवीजन में तैनात मेहरा को मुख्यमंत्री भगवंत मान की फोटो वाली एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में निलंबित किया गया। बाद में उनका तबादला बठिंडा कर दिया गया। जेई और कर्मचारी नेताओं ने टिप्पणी करने से इनकार किया है। उनका दावा है कि मेहरा के नाम से टिप्पणी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक की मदद से फर्जी तरीके से तैयार की गई। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि कार्रवाई से पहले मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए थी। नेताओं ने आरोप लगाया कि मेहरा ने कुछ लोगों के दबाव में कथित गलत और गैरकानूनी कार्य करने से इनकार किया था, जिसके चलते उन्हें फंसाने की साजिश की गई।

कांग्रेस के जुनून ने विनोद को बनाया देशभर में पार्टी का चर्चित सुपरफैन

26 साल से कांग्रेस के समर्पित समर्थक खास वेशभूषा से देशभर में बनी पहचान

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के सुपरफैन सुधीर कुमार चौधरी और महेंद्र सिंह धोनी के प्रशंसक मोहम्मद बशीर 'चाचा शिकागो' की अलग पहचान है। इसी तरह राजनीति में पानीपत निवासी 59 वर्षीय विनोद कुमार तिरंगा भी कांग्रेस के ऐसे ही जुनूनी समर्थक हैं। करीब 26 वर्षों से कांग्रेस का समर्थन कर रहे विनोद मंगलवार को चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन में अपनी खास वेशभूषा में पहुंचे।

हरियाणा के पानीपत स्थित कुलदीप नगर, गढ़ी सिकंदरपुर निवासी विनोद कांग्रेस के बड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए दूर-दराज तक सफर करते हैं। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में होने वाली रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों में वह अपनी विशेष कांग्रेस परिधान के कारण आसानी से पहचान लिए जाते हैं। विनोद के अनुसार, अब तक वह 28 राज्यों में कांग्रेस के विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं।

◆ **राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओं से हो चुकी है मुलाकात**

विनोद की खास पोशाक अब उनकी पहचान बन चुकी है। कांग्रेस के कार्यक्रम में उन्हें देखते ही कई कार्यकर्ता और नेता पहचान जाते हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस से उनका जुड़ाव करीब 26 साल पुराना है। इस दौरान पार्टी ने कई राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन उनका समर्थन लगातार जारी रहा। उनकी इसी सक्रियता के कारण कांग्रेस के कई बड़े नेता भी उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं।

सरकार से सजा रुकवाने और युवक को न्याय दिलाने के प्रयासों की मांग

विदेशी धरती पर फांसी की सजा परिवार ने सरकार से लगाई गुहार

भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट । पठानकोट से संबंधित एक अमृतधारी सिख युवक को सऊदी अरब की अदालत द्वारा फांसी की सजा सुनाए जाने की खबर से परिवार में मातम छा गया है। परिवार के अनुसार, करीब तीन वर्ष पहले दुबई-सऊदी अरब सीमा पर एक ट्रक से नशीले पदार्थ बरामद होने के मामले में युवक को दोषी ठहराया गया है।

परिवार का दावा है कि युवक का नशा तस्करी के इस मामले से कोई सीधा संबंध नहीं था और उसे साजिश के तहत फंसाया गया है। परिजनों के मुताबिक, जिस व्यक्ति पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े होने का आरोप था, वह उनका बेटा नहीं बल्कि कोई अन्य व्यक्ति था। सजा की जानकारी मिलने के बाद बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिवार ने केंद्र और पंजाब सरकार से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। परिजनों ने अपील की है कि सऊदी अरब सरकार से कूटनीतिक स्तर पर संपर्क कर युवक की फांसी रोकने और उसे हरसंभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएं। परिवार का कहना है कि युवक निर्दोष है और मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

प्रदर्शन हरपाल चीमा की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेकर जुटे पार्टी नेता-कार्यकर्ता

सचिन पायलट के नेतृत्व में पंजाब कांग्रेस का चंडीगढ़ में शक्ति प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी सचिन पायलट मंगलवार को पहली बार पंजाब पहुंचे। उनके आगमन के साथ ही प्रदेश कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ चंडीगढ़ में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब कांग्रेस भवन सेक्टर-15 से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आवास की ओर मार्च प्रस्तावित था। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के जुटने से सेक्टर-15 और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई।

गुलजार सिंह मामले में निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़े कांग्रेसी

प्रस्तावित मार्च को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। प्रदर्शन स्थल और मार्च के संभावित मार्ग पर चार से पांच स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की गई। पंजाब कांग्रेस भवन से करीब एक किलोमीटर पहले ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखी। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने वाटर कैनन समेत अन्य आवश्यक इंतजाम भी किए।

सुरक्षा व्यवस्था में चंडीगढ़ पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां भी तैनात की गईं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ यातायात को सुचारु रखने के लिए भी व्यवस्था की। कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण आसपास की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने लगी।

करीब 11:30 बजे सचिन पायलट के पंजाब कांग्रेस भवन पहुंचने की उम्मीद थी। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रताप सिंह बाजवा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के प्रदर्शन में शामिल होने की संभावना थी। पायलट की मौजूदगी में प्रदेश कांग्रेस के लगभग सभी प्रमुख नेताओं के एक मंच पर आने को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

कांग्रेस यह प्रदर्शन गुलजार सिंह मामले को लेकर कर रही है। पार्टी ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने, उनकी गिरफ्तारी और मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए तथा सरकार को पूरे प्रकरण पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। पार्टी ने इसे कानून-व्यवस्था और सरकार की कार्यप्रणाली के खिलाफ अपने अभियान को तेज करने का माध्यम बनाया है। इससे पहले आठ सितंबर को भी कांग्रेस ने चंडीगढ़ में पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

बाबा सोढ़ल मेले के चलते 25 सितंबर को जालंधर में सरकारी अवकाश

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। श्री सिद्ध बाबा सोढ़ल मेले को लेकर जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और मेले की तैयारियों के मद्देनजर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिला प्रशासन ने 25 सितंबर, शुक्रवार को जालंधर जिले में सरकारी अवकाश घोषित किया है। इस दिन जिले के सभी सरकारी स्कूल, कॉलेज और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे।

डिप्टी कमिश्नर जालंधर की ओर से जारी आदेश के अनुसार, श्री सिद्ध बाबा सोढ़ल मेले को ध्यान में रखते हुए 25 सितंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। इसके चलते सरकारी संस्थानों में इस दिन नियमित कामकाज नहीं होगा। सरकारी कर्मचारियों और विद्यार्थियों को भी अवकाश रहेगा।

श्री सिद्ध बाबा सोढ़ल मेला जालंधर का प्रमुख धार्मिक आयोजन है। हर वर्ष मेले में पंजाब के विभिन्न जिलों के अलावा दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालु बाबा सोढ़ल के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। मेले को लेकर शहर और मंदिर परिसर में तैयारियां पहले से शुरू कर दी गई हैं।

श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेले के दौरान शहर में यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है, जिसके चलते प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रबंधन और आवश्यक इंतजाम किए जा रहे है।

न्यूज ब्रीफ

गुरुद्वारे से लौट रही बुजुर्ग महिला को नशेड़ी ने बनाया निशाना, चेन लूटने की कोशिश

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शहर के बख्शी नगर इलाके में गुरुद्वारा साहिब से घर लौट रही एक बुजुर्ग महिला से चेन छीनने और लूटपाट की कोशिश का मामला सामने आया है। परिवार के अनुसार, नशे में धुत युवक ने महिला का पीछा किया और रास्ते में उसे रोककर चेन और पैसे देने की मांग की। महिला किसी तरह वहां से बचकर अपने घर पहुंची, लेकिन आरोपित युवक भी उसका पीछा करते हुए घर तक पहुंच गया। उसने घर के अंदर घुसने का प्रयास किया। शोर सुनकर परिवार के सदस्य बाहर आए और युवक को पकड़ लिया। इसके बाद उसे बख्शी नगर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना से लोगों में चिंता बढ़ी।

अनंतनाग में सेब तोड़ रहे भाई-बहन पर भालू का हमला, दोनों गंभीर घायल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के डूरू इलाके में सेब के बाग में सेब तोड़ रहे भाई-बहन पर भालू ने हमला कर दिया। हमले में 23 वर्षीय आबिद नजीर और 16 वर्षीय सेहरीश नजीर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, भाई-बहन बाग में सेब तोड़ रहे थे, तभी अचानक भालू वहां पहुंच गया और दोनों पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही डूरू कंट्रोल रूम से वन्यजीव विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने भालू की तलाश कर उसे पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। भालू को ट्रैंकुलाइज करने की भी तैयारी की जा रही है। हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वन्यजीव विभाग ने लोगों को अकेले बागों में जाने से बचने और समूह में चलने की सलाह दी है।

आतंकी धमकियों के बीच कश्मीरी हिंदुओं ने मनाया बलिदान दिवस, घाटी वापसी पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कश्मीरी हिंदू बलिदान दिवस पर सोमवार को विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं ने आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने घाटी में सम्मानजनक और सुरक्षित वापसी के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करने की मांग उठाई। उन्होंने केंद्र के सीधे नियंत्रण में अलग होमलैंड बनाने की मांग भी दोहराई। वक्ताओं ने कहा कि 1990 के दौर में हुए विस्थापन और हिंसा के दर्द को आज भी समुदाय भूला नहीं है। प्रधानमंत्री पैकेज के तहत कश्मीर में नौकरी कर रहे विस्थापित हिंदुओं को पिछले डेढ़ माह से मिल रही आतंकी धमकियों का भी मुद्दा उठाया गया। कश्मीरी हिंदू संगठनों ने केंद्र सरकार से 1990 के विस्थापन को नरसंहार के रूप में मान्यता देने और जीनोसाइड बिल लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि समुदाय की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित किए बिना घाटी में स्थायी वापसी संभव नहीं है। बलिदान दिवस पर शहीदों को याद करते हुए उनकी स्मृति को सम्मान देने का संकल्प भी लिया गया।

बिश्नाह में लंबे समय से लंबित आपराधिक मामले में वांछित भगोडा गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू पुलिस ने न्यायिक प्रक्रिया से लगातार अनुपस्थित चल रहे एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विवेक शर्मा उर्फ गोपी पुत्र केदार नाथ निवासी नौग्रान, तहसील बिश्नाह, जिला जम्मू के रूप में हुई है। उसके खिलाफ बिश्नाह थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 382, 323, 325 और 34 के तहत एफआईआर संख्या 163/2020 दर्ज है। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से अदालत में पेश नहीं हो रहा था। इसके चलते उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। बिश्नाह थाने की पुलिस टीम ने प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत से जारी वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि वारंटों का प्रभावी निष्पादन न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए जरूरी है।

चार जिलों में सड़क हादसों का आंकड़ा डराने वाला, 88 मौत और 1001 लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू संभाग के कठुआ, सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में इस साल जनवरी से जुलाई तक 699 सड़क हादसों में 88 लोगों की मौत हुई और 1001 लोग घायल हुए। हादसों में 309 मामलों में दोपहिया वाहन शामिल रहे, जो कुल दुर्घटनाओं का 44 प्रतिशत है। इसे देखते हुए जम्मू ग्रामीण ट्रैफिक पुलिस ने 1 से 14 सितंबर तक विशेष जागरूकता और प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने पर 8,675 चालान काटे गए। इनमें 5,767 बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले राइडर्स और 1,152 बिना हेलमेट पीछे बैठने वालों पर कार्रवाई हुई। ट्रिपल राइडिंग के 1,106 मामले पकड़े गए। मोबाइल इस्तेमाल करने वाले 188 और खतरनाक ड्राइविंग करने वाले 260 राइडर्स पर भी कार्रवाई हुई। अभियान में 187 वाहन जब्त किए गए।

नौशेरा में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास मिला व्यक्ति का शव, पहचान में जुटी पुलिस

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा इलाके में मंगलवार को लंबरी में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक व्यक्ति मृत अवस्था में मिला। शव दिखाई देने के बाद वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पहचान के लिए सुरक्षित रखा है। इसके साथ ही मृतक की पहचान और घटना से संबंधित अन्य तथ्यों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक के बारे में कोई जानकारी है या वह उसे पहचानता है, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करे। पुलिस का कहना है कि पहचान होने के बाद मामले की जांच को आगे बढ़ाया जाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नई शुरुआत के साथ जिम्मेदारी निभाएं ईमानदारी से लोगों की करें सेवा : सीएम उमर

सीएम ने टीएन शेषन और तुकाराम मुंडे का उदाहरण देकर अधिकारियों को पहल की दी सीख

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को एसकेआईसीसी श्रीनगर में कंबाइंड कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन में चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने नए अधिकारियों से ईमानदारी, निष्ठा और पूरी प्रतिबद्धता के साथ जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकारी पद केवल अधिकार नहीं, बल्कि जनता के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नियुक्ति किसी अधिकारी की यात्रा का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। उन्होंने चयनित उम्मीदवारों से कहा कि वे अभी से यह सोचें कि अपने करियर के अंत में वे किस रूप में याद किए जाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदार, काबिल और मेहनती अधिकारियों को समाज सम्मान के साथ याद करता है। वहीं भ्रष्ट और बेईमान अधिकारियों को भी लोग याद करते हैं, लेकिन उनके प्रति सम्मान नहीं होता।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि जब तक पूरा सिस्टम उनके साथ काम नहीं करेगा, तब तक वे कोई बदलाव नहीं ला सकते। उन्होंने कहा कि इच्छाशक्ति और पहल के साथ एक अधिकारी भी व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन और महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कमिश्नर तुकाराम मुंडे का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पहल करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए और बदलाव के लिए हमेशा सिस्टम के बदलने का इंतजार नहीं करना चाहिए। उमर ने नए अधिकारियों को यह भी याद दिलाया कि हर सरकारी फाइल के पीछे एक कहानी होती है। प्रत्येक आवेदन या शिकायत किसी व्यक्ति की समस्या, जरूरत, कारण या मजबूरी से जुड़ी होती है। इसलिए अधिकारियों को कागजों पर दर्ज मामलों को केवल औपचारिक प्रक्रिया मानने के बजाय उनसे जुड़े लोगों की परिस्थितियों को समझने का प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित करने को कहा।

इनमें शिक्षा व्यवस्था में सुधार, बच्चों को स्कूलों में बनाए रखना, शहरों की साफ-सफाई और सुंदरता बढ़ाना तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटना शामिल है। उन्होंने कहा कि नए अधिकारियों के पास इन क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर है। उमर ने कहा कि चयनित उम्मीदवारों को ऐसा अवसर मिला है, जो बहुत कम लोगों को मिलता है। उन्होंने अधिकारियों से अपने पदों और जिम्मेदारियों का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर के भविष्य को बेहतर बनाने में करने का आग्रह किया। उन्होंने उन्हें हर संभव सहयोग और समर्थन का भरोसा दिलाते हुए कहा कि वे आने वाले दशकों में उनके कार्य और करियर पर नजर रखेंगे।

विद्यार्थी संभालेंगे स्वच्छता की कमान

श्रीनगर में गहराया कचरे का संकट पुराने कचरे का पहाड़ बना चुनौती

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर की खूबसूरत वादियों पर बढ़ता कचरे का बोझ अब गंभीर चिंता का विषय बन गया है। घाटी में प्रतिदिन करीब 1,470 टन नगरपालिका ठोस कचरा पैदा हो रहा है, जबकि इसके वैज्ञानिक उपचार की क्षमता आवश्यकता से कम है। श्रीनगर में स्थिति और चिंताजनक है। यहां रोजाना निकलने वाले कचरे के साथ वर्षों से जमा करीब 11 लाख मीट्रिक टन पुराना कचरा भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के रिकार्ड के अनुसार अच्छन कचरा भराव स्थल पर लगभग 11 लाख मीट्रिक टन पुराना कचरा जमा है। इसके अलावा श्रीनगर में प्रतिदिन पैदा होने वाले कचरे और उपलब्ध उपचार क्षमता के बीच करीब 350 से 400 टन का अंतर सामने आया है। इससे स्पष्ट है कि शहर के सामने एक ओर रोजाना बढ़ते कचरे का संकट है, वहीं दूसरी ओर पुराने कचरे के निस्तारण की समस्या भी बनी हुई है।

कचरा प्रबंधन की स्थिति को लेकर मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण तक पहुंच चुका है। अधिकरण ने श्रीनगर नगर निगम से पुराने कचरे, दैनिक कचरा उत्पादन और उपचार क्षमता से संबंधित अद्यतन जानकारी मांगी थी। रिपोर्ट प्रस्तुत करने में देरी पर निगम पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

◆ कचरा निस्तारण क्षमता कम, अधिकरण की सख्ती के बाद प्रशासन सक्रिय

समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने अब विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ने की पहल की है। आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त मंदीप कौर ने श्रीनगर के अमर सिंह महाविद्यालय में 'स्वच्छता इंटर्नशिप कार्यक्रम' शुरू किया। इसके तहत विद्यार्थियों को स्वच्छता दूत के रूप में तैयार किया जाएगा। विद्यार्थियों को गीले और सूखे कचरे को अलग करने, खाद बनाने, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक निस्तारण की जानकारी दी जाएगी।

आर्थिक अपराध शाखा की जांच में पांच मुख्य आरोपित गिरफ्तार

शोपियां बैंक घोटाले में 13 पीड़ितों को मिली 4 .50 करोड़ रुपए की राहत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में एचडीएफसी बैंक की शाखा में सामने आई वित्तीय धोखाधड़ी से प्रभावित 13 जमाकर्ताओं को करीब 4.50 करोड़ रुपये वापस कर दिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा की त्वरित और समयबद्ध जांच के बाद यह राशि जमाकर्ताओं को लौटाई गई।

◆ जांच में बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई, अदालत में कार्रवाई जारी

मामला शोपियां स्थित बैंक शाखा में हुई वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत के बाद दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच के लिए इसे पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा को सौंपा गया।

जांच के दौरान बैंक के अभिलेखों, खातों के विवरण और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की गई। जांच में बैंक से जुड़े कुछ पूर्व कर्मचारियों की भूमिका सामने आई। इनमें शोपियां और पुलवामा में तैनात रहे पूर्व शाखा प्रबंधक और कर्मचारी शामिल थे। आर्थिक अपराध शाखा ने 18 फरवरी 2026 को पांच मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया।

एमए रोड जाम से मिलेगी राहत, संगरमल-जहांगीर चौक में स्लिप लेन तैयार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) ने व्यस्त एमए रोड पर बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या को कम करने के लिए कई छोटे स्तर के उपाय शुरू करने की तैयारी की है। एसएमसी आयुक्त फज़ लुल हसीब ने मंगलवार को कहा कि संगरमल और जहांगीर चौक पर स्लिप लेन विकसित करने समेत विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में आयुक्त ने बताया कि नगर निगम अपने इंजीनियरों और श्रीनगर स्मार्ट सिटी टीम के साथ समन्वय कर यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए काम कर रहा है। इसका उद्देश्य वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाना और व्यस्त मार्ग पर लगने वाले जाम को कम करना है। हसीब ने कहा कि संगरमल और जहांगीर चौक के लिए दो अलग-अलग डिजाइन तैयार किए गए हैं। आने वाले कुछ दिनों में इन पर काम शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे सुधारों के जरिए यातायात प्रवाह को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। आयुक्त के अनुसार, शुरुआती चरण में स्लिप लेन शुरू की जाएंगी।

कठुआ से अनंतनाग रेल मार्ग पर सीमेंट ढुलाई की हुई नई शुरुआत

रेल परिवहन से घाटी में निर्माण सामग्री पहुंचाने को मिलेगा नया विकल्प

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू मंडल के इतिहास में सोमवार को माल ढुलाई के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई। पहली बार मंडल के एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक सीमेंट की बाहरी खेप रेल मार्ग से भेजी गई। जम्मू मंडल की व्यावसायिक विकास इकाई के प्रयासों से शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ रेलवे स्टेशन से अनंतनाग माल शेड के लिए सीमेंट की पहली खेप रवाना की गई। इससे जम्मू-कश्मीर में रेल के माध्यम से निर्माण सामग्री की ढुलाई को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एक बीसीएन मालवाहक डिब्बे में करीब 66 टन वजन के लगभग 1320 बोरे सीमेंट लादे गए। यह खेप गणपति सीमेंट, कठुआ की ओर से बुक कराई गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले कठुआ सहित अन्य प्रमुख रेल परिसरों में सीमेंट मुख्य रूप से बाहर से आने वाली माल ढुलाई के रूप में पहुंचता था। वहीं कश्मीर घाटी में निर्माण सामग्री की आपूर्ति काफी हद तक सड़क मार्ग से होती थी। कठुआ से अनंतनाग के बीच सीमेंट की इस पहली खेप के साथ इस तरह के आंतरिक माल परिवहन की नई शुरुआत हुई है।

रेलवे के इस कदम से निर्माण सामग्री को कश्मीर घाटी तक पहुंचाने के लिए किफायती, सुरक्षित और अपेक्षाकृत तेज परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। सड़क मार्ग पर निर्भरता कम होने से ईंधन की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। इसके अलावा रेल के माध्यम से बड़े पैमाने पर माल परिवहन होने से जम्मू मंडल के माल राजस्व में भी वृद्धि की उम्मीद है।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से जम्मू-कश्मीर में स्थानीय उद्योगों को अपनी तैयार सामग्री और अन्य सामान दूर के बाजारों तक पहुंचाने के लिए रेल परिवहन का विकल्प मिलेगा।

नए जिलों के अनुसार लद्दाख में पर्यटन अधिकारियों के बदले क्षेत्र

प्रशासनिक सीमाओं के पुनर्गठन से विभागीय कार्यों में बेहतर समन्वय की उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन के बाद पर्यटन विभाग ने अपने फील्ड अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। अब पर्यटन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारियां नए प्रशासनिक जिलों की सीमाओं के अनुसार निर्धारित की गई हैं। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की ओर से 11 सितंबर, 2026 को जारी आदेश संख्या 74 (टीआरएम) यूटीएल के तहत यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

यह बदलाव 27 अप्रैल, 2026 को जारी अधिसूचना संख्या एसओ 180 के तहत पांच नए जिलों के गठन के बाद किया गया है। विभाग का उद्देश्य फील्ड स्तर पर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र को नई प्रशासनिक व्यवस्था के अनुरूप बनाना और पर्यटन से जुड़े कार्यों के संचालन में बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना है।

नई व्यवस्था के अनुसार, सहायक निदेशक पर्यटन, लेह का अधिकार क्षेत्र अब लेह, शाम, नुब्रा और चांगथांग जिलों तक रहेगा। इसी तरह सहायक निदेशक पर्यटन, कारगिल को कारगिल और द्रास जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पर्यटक अधिकारी, जंस्कार को जंस्कार जिले का पूरा अधिकार क्षेत्र दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अधिकार क्षेत्रों के इस पुनर्गठन से किसी भी प्राधिकरण को पहले से प्राप्त विशेष कानूनी अथवा अधिसूचित अधिकार क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। संबंधित अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्रों में विभागीय कार्यों का संचालन करेंगे।

◆ पर्यटन गतिविधियों की निगरानी में आएगी अधिक स्पष्टता

आदेश में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों से संबंधित पर्यटन मामलों पर संबंधित जिला प्रशासन और अन्य विभागों के साथ प्रभावी समन्वय बनाए रखें। इससे पर्यटन स्थलों के विकास, पर्यटकों से जुड़ी सुविधाओं, प्रचार-प्रसार और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतर तालमेल स्थापित होने की उम्मीद है।

मजालता में गोली लगने से मचा हड़कंप, वीडीजी घायल

भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर। ऊधमपुर जिले के मजालता थाना क्षेत्र के चोड़ पांजियां इलाके में मंगलवार सुबह गोली चलने की घटना में एक ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके पेट में लगी। घायल की पहचान चोड़ पांजियां निवासी प्रशोत्तम लाल पुत्र सरातु सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब साढ़े आठ बजे अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर परिवार के सदस्य और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो प्रशोत्तम लाल घायल अवस्था में मिला। उसके पेट से खून बह रहा था। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय ऊधमपुर रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में सरकारी राइफल से गोली दुर्घटनावश चलने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि गोली किन परिस्थितियों में चली, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

जम्मू में बड़े प्रतिष्ठान कचरा नियमों की उड़ा रहे धज्जियां

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मंदिरों के शहर जम्मू को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के नगर निगम के प्रयासों के बीच बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की लापरवाही सामने आई है। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2016 के तहत रोजाना 100 किलोग्राम या इससे अधिक कचरा पैदा करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों के लिए परिसर में ही गीले कचरे के निस्तारण की व्यवस्था करना अनिवार्य है। इसके बावजूद शहर के 90 प्रतिशत से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं।

जम्मू में बड़ी संख्या में होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हाल, माल, बैंक और निजी संस्थान संचालित हैं। इनमें से करीब 20 प्रतिष्ठानों के पास ही अपने परिसर में गीले कचरे के निस्तारण की व्यवस्था होने की बात सामने आई है। ऐसे में बड़े प्रतिष्ठानों की लापरवाही से कचरा प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

◆ नियमों की अनदेखी पर नगर निगम ने दर्जनों प्रतिष्ठानों को थमाए नोटिस

मामले को गंभीरता से लेते हुए जम्मू नगर निगम के हेल्थ विंग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। नियमों का उल्लंघन करने वाले और अधिक मात्रा में कचरा पैदा करने वाले दर्जनों प्रतिष्ठानों को धारा 323 के तहत नोटिस जारी किए जा रहे हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि प्रतिष्ठानों को नियमों का पालन करते हुए गीले कचरे के निस्तारण की उचित व्यवस्था करनी होगी।

न्याय मृतकों के स्वजन ने घोषित राशि पर जताई असहमति, घटना की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग

लेह हिंसा पर वांगचुक ने मुआवजे को बताया अपर्याप्त, न्याय की मांग

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख में 24 सितंबर को हुए हिंसक घटनाक्रम के बाद प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के लिए घोषित मुआवजे को लेकर शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने नाराजगी जताई है। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 15 लाख रुपये और घायलों को तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी। मामूली रूप से घायल लोगों के लिए एक लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

सोनम वांगचुक ने मुआवजे की राशि को अपर्याप्त बताते हुए कहा कि केवल आर्थिक सहायता देने से पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

मुआवजे की घोषणा पर जताई नाराजगी : वांगचुक ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि उपराज्यपाल की ओर से मुआवजे की घोषणा सुनकर उन्हें खुशी नहीं हुई, बल्कि उनका सिर शर्म से झुक गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की जान गई और जो गंभीर रूप से घायल हुए, उनके परिवारों के दर्द और नुकसान की भरपाई केवल मुआवजे की राशि से नहीं हो सकती।

उन्होंने दावा किया कि घटना के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोलीबारी की गई। उनके अनुसार, इस हिंसा में पांच लोगों की मौत हुई और 80 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने कहा कि मृतकों में ऐसे पूर्व सैनिक भी शामिल थे, जिन्होंने देश की सीमाओं पर सेवा दी थी।

घटना को बताया 'सीधा मर्डर' : वांगचुक ने आरोप लगाया कि उस दिन सड़कों पर मौजूद अधिकतर लोग निहत्थे थे और उन पर गोली चलाई गई। उन्होंने घटना को 'सीधा मर्डर' बताते हुए कहा कि पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए निष्पक्ष न्यायिक जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि घटना की न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि लोगों को पता चल सके कि हिंसा की वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं और इसके लिए कौन जिम्मेदार था।

अधिकारियों पर भी उठाए सवाल: वांगचुक ने आरोप लगाया कि जिन अधिकारियों की निगरानी में घटना हुई, उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें लद्दाख से हटाकर दिल्ली में महत्वपूर्ण पदों पर पदोन्नत किया गया। उन्होंने कहा कि यदि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होती तो घटना के पीछे की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती थी।

उन्होंने लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों और अधिकारों को गंभीरता से लेने की भी अपील की। उनका कहना है कि क्षेत्र के लोगों की आवाज को नजरअंदाज करने से असंतोष और बढ़ सकता है।

न्याय और सम्मान की मांग : वांगचुक ने कहा कि पीड़ित परिवारों को केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि न्याय और सम्मान भी मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए और घटना की निष्पक्ष जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ितों को न्याय और उचित मुआवजा नहीं मिला तो वह घटना से जुड़े तथ्यों को सामने लाने का प्रयास करेंगे।

राजौरी में एलईटी मॉड्यूल का भंडाफोड़ 3 ओजीडब्लू गिरफ्तार, आईईडी बरामद

आरोपितों से पूछताछ में आतंकी गतिविधियों से जुड़े अहम सुराग मिलने की उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक कथित ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोग आतंकवादियों को कथित तौर पर रसद संबंधी सहायता, सुरक्षित आवाजाही और अन्य जमीनी मदद उपलब्ध कराते थे।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जाकिर हुसैन निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, मोहम्मद आजम निवासी कोटचरवाल टेरियाथ और मोहम्मद मुश्ताक निवासी उधान, राजौरी के रूप में हुई है। तीनों राजौरी जिले के रहने वाले हैं।

पुलिस के मुताबिक, पीर पंजाल क्षेत्र में सक्रिय एक आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान इन आरोपितों की भूमिका सामने आई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वे आतंकवादियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में मदद करने के साथ-साथ उनके लिए सुरक्षित ठिकाने और अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में कथित रूप से शामिल थे।

जांच एजेंसियों को यह भी जानकारी मिली है कि आरोपित आतंकवादियों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाते थे और उन्हें कश्मीर घाटी की ओर जाने में सहायता करते थे। पुलिस नागरिकों पर हुए हमलों समेत अन्य आतंकी घटनाओं से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने जांच के दौरान एक आरोपित की निशानदेही पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि यह उपकरण कथित तौर पर आतंकवादी समूह के सदस्यों ने किसी संभावित हमले के लिए आरोपित के पास सुरक्षित रखने के लिए दिया था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और उनकी गतिविधियों का पता लगाने में जुटी है।

श्रीकृष्ण का वरदान : आसुरीवृत्ति छोड़कर हिडिंबा बनी देवी स्वरूपा

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

पश्चिमी हिमालय की गोद में अवस्थित हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला का मनाली देश-विदेश में पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से प्रचलित है। मनाली अपनी अनुपम और अद्‌भुत सुंदर छटा से हमेशा शोभायमान रहता है। यहां की सुरम्य चांदी सरीखी पर्वतमालाएं वर्षभर सैलानियों को जहां आत्म-विभोर करती हैं, वहीं कुल्लू जिला पर्यटन, धर्म और संस्कृति के समावेश से अलंकृत है। राज्य में अनेकों ऐतिहासिक व पुरातन मंदिर हैं जो अपने पौराणिक गरिमामयी सभ्यता एवं संस्कृति को अक्षुण्ण रखे हुए है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली को कुदरत ने असीम व वैभव सौंदर्य का थाल परोसा हुआ है,जहां पर्यटकों का वर्षभर तांता लगा रहता है। मनाली से कुछ ही दूरी पर अवस्थित मां हिडिंबा मंदिर, जिसके इर्द-गिर्द की सुंदरता का वर्णन शब्दों में करना शायद कठिन होगा। श्रद्धालु मंदिर के भित्ति स्थापित हिडिंबा माता की अलौकिक मूर्ति को देखकर अचंभित हो जाते हैं और ऐसा प्रतीत होता है,जैसे देवी के उन्हें साक्षात व दिव्य दर्शन हों रहे हैं।

इस समस्त धार्मिक स्थल के नयनाभिराम दृश्य मन को अनंत श्रद्धाभाव से आनंदित कर देते हैं। आराधकों को अपनी चमत्कारिक शक्तियों का प्रत्यक्ष अनुभव कराने वाली मां हिडिंबा जन-जन की श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतिबिंब है। हिडिंबा एक दानव हिडिंब की बहन थी। महाभारत महाकाव्य के अनुसार जब पांडव अज्ञातवास में थे तो ये सभी अपनी मां कुंती के साथ ढूंगरी के जंगल से गुजर रहे थे। जब थककर सोने लगे तो भीम उस समय पहरे पर थे। उस दौरान इस क्षेत्र का अधिकांश राज्य हिडिंब और हिडिंबा नामक दो राक्षस भाई-बहन के वर्चस्व में था। जंगल में मानव गंध पाकर हिडिंबा पांडवों तक आ पहुंची।

महाबली भीम के पुरुषार्थ को देखते हुए हिडिंबा ने राक्षसी स्वरूप त्याग कर मानवी रूप धारण कर उससे विवाह याचना की। भीम ने उसे आसुरीवृत्ति छोड़ने को कहा और उसके हां कहने पर प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और दोनों ने गंधर्व विवाह कर लिया, लेकिन हिडिंबा का भाई हिडिंब अपनी बहन हिडिंबा को अपने यहां न पाकर उसे ढूंढता हुआ वहां आ पहुंचा। वहां की स्थिति को भांपते हुए अत्यंत क्रोधित हो गया तथा क्रोध के आवेश में आकर उसने अपने भयंकर राक्षस रूप में आकर भीम को युद्ध के लिए ललकारा। भीम और हिडिंब में जमकर भीषण युद्ध हुआ और इस युद्ध में हिडिंब बुरी तरह से भीम से परास्त हुआ और अंत में हिडिंब मारा गया। तत्पश्चात हिडिंबा भीम की अर्धांगिनी बनी।

बाद में श्रीकृष्ण ने उसे हिडिंबा को आसुरीवृत्ति छोड़ने के लिए प्रेरित किया और उसे कल्याणकारी कार्यों में संलग्न होने का वरदान दिया और कहा कि अगर तुम ऐसा करोगी तो आने वाले समय समय उसे भविष्य में एक देवी के रूप में पूजा जाएगा। हिडिंबा ने श्रीकृष्ण के वरदान को शिरोधार्य करने के उपरांत देवी हिडिंबा एक ऐसी प्रभावपूर्ण देवी बनी जो राक्षस कल की होते हुए भी अपने मानवीय एवं दैविक गुणों से हिडिंबा एक देवी स्वरूप प्राप्त कर सकीं जो आज भी सम्मानित तथा पूजित है। हिडिंबा का विवाह भीम से हुआ, जिससे वीर घटोत्कच का जन्म हुआ, जिसने महाभारत युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मनाली के ढूंगरी वन क्षेत्र में स्थित हिडिंबा देवी मंदिर समुद्र तल से लगभग 2150 मीटर की ऊंचाई पर देवदार के वृक्षों के बीच आस्था का प्रमुख केंद्र है।

यह मंदिर काष्ठकुणी और पैगोडा शैली में निर्मित है, जिसका निर्माण 1553 ईस्वी में राजा बहादुर सिंह ने करवाया था। मंदिर के गर्भगृह में देवी के चरणचिह्न और कांस्य प्रतिमा विराजमान है। स्थानीय मान्यता है कि यह स्थान कुल्लू घाटी के देवताओं की सभा स्थल जैसा है। ज्येष्ठ संक्रांति पर यहां विशाल मेला लगता है, जबकि कुल्लू दशहरा की शुरुआत भी माता हिडिंबा के आगमन से होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल प्रदेश में सेवा-विस्तार की परंपरा और प्रशासनिक पारदर्शिता की चुनौती

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

हिमाचल प्रदेश में विभिन्न विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा-विस्तार दिए जाने की प्रवृत्ति लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। कई दशकों से यह देखने को मिलता रहा है कि सेवानिवृत्ति की आयु पूरी करने के बाद भी कुछ अधिकारियों को 6 महीने, 1 वर्ष या उससे अधिक समय के लिए सेवा विस्तार प्रदान किया जाता है।

यह प्रक्रिया कभी-कभी आवश्यकता और अनुभव की कमी जैसे कारणों से उचित ठहराई जाती है, लेकिन कई बार इसके पीछे प्रशासनिक प्रभाव, राजनीतिक समीकरण और व्यक्तिगत रसूख की चर्चाएं भी सामने आती हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रभाव विभागीय संरचना और पदोन्नति प्रक्रिया पर पड़ता है।

जब वरिष्ठ पदों पर बैठे अधिकारी सेवा-विस्तार के माध्यम से अपने कार्यकाल को बढ़ाते हैं, तो उनके नीचे कार्यरत योग्य और वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नति के अवसरों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। कई बार स्थिति यह भी बन जाती है कि अधिकारी बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जिससे उनमें असंतोष और निराशा की भावना उत्पन्न होती है।यह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। युवा और नए अधिकारियों के लिए अवसर सीमित हो जाते हैं, जिससे प्रशासन में नई सोच और ऊर्जा का प्रवाह बाधित होता है। दीर्घकालिक रूप से यह स्थिति प्रणाली में ठहराव पैदा कर सकती है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने पहले यह संकेत दिया था कि सेवा-विस्तार की परंपरा को सीमित या समाप्त करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। यहां तक कि इस विषय पर कुछ अधिसूचनाएं भी जारी की गई थीं, जिससे यह अपेक्षा बनी कि प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हालांकि, व्यवहारिक स्तर पर समय-समय पर विभिन्न विभागों में फिर से सेवा-विस्तार दिए जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे नीति और क्रियान्वयन के बीच अंतर स्पष्ट दिखाई देता है।

सेवा-विस्तार के समर्थक यह तर्क देते हैं कि कुछ तकनीकी, संवेदनशील या विशेषज्ञ पदों पर अनुभवी अधिकारियों की आवश्यकता बनी रहती है, और अचानक बदलाव से विभागीय कार्य प्रभावित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, इसके आलोचक मानते हैं कि यह व्यवस्था नए अधिकारियों के अवसरों को बाधित करती है और प्रशासनिक सुधार की प्र, या को धीमा कर देती है। इस पूरे मुद्दे का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह केवल पदोन्नति या व्यक्तिगत लाभ का विषय नहीं है, बल्कि शासन की गुणवत्ता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। यदि किसी भी व्यवस्था में अवसरों का संतुलन बिगड़ता है, तो उसका प्रभाव अंततः सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार एक स्पष्ट, स्थायी और पारदर्शी नीति बनाए, जिसमें सेवा-विस्तार केवल अत्यंत विशेष परिस्थितियों में और ठोस औचित्य के आधार पर ही दिया जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पदोन्नति प्रक्रिया समयबद्ध और निष्पक्ष हो, ताकि योग्य अधिकारियों को उनका उचित अवसर मिल सके।

इसके अतिरिक्त, यह भी जरूरी है कि प्रशासनिक सुधारों में राजनीतिक और विभागीय स्तर पर सहमति बने। यदि पक्ष और विपक्ष मिलकर एक मजबूत ढांचा तैयार करें, तो इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान संभव है। यह कहा जा सकता है कि सेवा-विस्तार की वर्तमान प्रथा को संतुलित और सीमित करने की आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

एफएटीएफ की आंखों में धूल

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय संगठन वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की आगामी बैठक से पहले भारत में वांछित आतंकी सरगना मसूद अजहर पर इनामी राशि 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख रुपये कर एक बार फिर अपनी दोहरी नीति का परिचय दिया है। देखने में यह कदम आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई जैसा लगता है, लेकिन पाकिस्तान के पुराने रवैये और वहां सक्रिय आतंकी संगठनों को देखते हुए यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश अधिक प्रतीत होता है। पाकिस्तान ऐसे कदम उठाकर यह दिखाना चाहता है कि वह आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण के खिलाफ गंभीरता से कार्रवाई कर रहा है, जबकि जमीनी स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है।

मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान पहले भी भ्रम फैलाता रहा है। कुछ समय पहले यह प्रचार किया गया कि जैश-ए-मोहम्मद का सरगना अफगानिस्तान में कहीं छिपा हुआ है। हालांकि अफगानिस्तान और भारतीय खुफिया एजेंसियों से सामने आए आकलनों में उसके पाकिस्तान में ही मौजूद होने की आशंका जताई जाती रही है। ऐसे में मसूद अजहर पर इनामी राशि बढ़ाने का फैसला कई सवाल खड़े करता है। यदि पाकिस्तान वास्तव में उसके खिलाफ कार्रवाई करना चाहता है तो उसे केवल इनाम घोषित करने के बजाय उसकी तलाश, गिरफ्तारी और आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के ठोस प्रमाण दुनिया के सामने रखने चाहिए।

पाकिस्तान द्वारा जारी आतंकियों की नई सूची भी उसकी मंशा पर सवाल खड़े करती है। सूची में ऐसे कई नाम शामिल हैं, जिनका संबंध भारत में हुए आतंकी हमलों और आतंकी गतिविधियों से रहा है। चिंताजनक बात यह है कि नई सूची में कई आतंकियों के फोटो हटा दिए गए हैं। उनके आतंकी संगठनों से संबंध की जानकारी भी पहले की तुलना में कम या गायब कर दी गई है। यदि किसी आतंकी की पहचान और उसके संगठन से संबंध संबंधी जानकारी पहले से उपलब्ध थी तो उसे हटाने का कारण क्या है, यह पाकिस्तान को स्पष्ट करना चाहिए। इससे यह आशंका मजबूत होती है कि वह अंतरराष्ट्रीय निगरानी से बचने के लिए दस्तावेजी स्तर पर भी हेरफेर कर रहा है।

एफएटीएफ ने वर्ष 2022 में पाकिस्तान को अपनी ग्रे सूची से बाहर किया था। उस समय यह माना गया था कि पाकिस्तान ने आतंकी वित्तपोषण और धनशोधन से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं। पाकिस्तान के लिए यह बड़ी राहत थी, लेकिन इसके बाद वहां आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन लंबे समय से भारत के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौती रहे हैं। पाकिस्तान में इनके नेटवर्क, धन जुटाने और कट्टरपंथी गतिविधियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता व्यक्त की जाती रही है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पाकिस्तान के इस रवैये से केवल भारत ही प्रभावित नहीं हो रहा। आतंकी संगठनों को संरक्षण और उनके लिए अनुकूल माहौल पूरे क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है। आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती। किसी देश में पनप रहा कट्टरपंथी नेटवर्क समय के साथ दूसरे देशों तक अपना प्रभाव बढ़ा सकता है। पाकिस्तान में सक्रिय कट्टरपंथी और आतंकी ढांचे का इस्तेमाल भविष्य में वैश्विक जिहादी नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भी किया जा सकता है। यही कारण है कि एफएटीएफ के सदस्य देशों को पाकिस्तान के दावों की केवल कागजी जांच के आधार पर संतुष्ट नहीं होना चाहिए।

अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की भूमिका भी इस मामले में महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक सहयोगी रहा है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी दोनों देशों के बीच सहयोग रहा है। इसके बावजूद यदि पाकिस्तान की धरती से आतंकी संगठनों की गतिविधियां जारी रहती हैं तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अपने पुराने दृष्टिकोण की समीक्षा करनी होगी। आतंकवाद के खिलाफ नीति में दोहरे मापदंड अंततः उन्हीं देशों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं, जो आज पाकिस्तान को रणनीतिक कारणों से नजरअंदाज कर रहे हैं।

एफएटीएफ की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि वह आतंकवाद के वित्तपोषण और धनशोधन के खिलाफ कितनी निष्पक्षता और कठोरता से कार्रवाई करता है। यदि कोई देश केवल सूची जारी करके, इनाम बढ़ाकर या कागजी कार्रवाई पूरी करके अंतरराष्ट्रीय दबाव से बच सकता है तो संस्था का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा। पाकिस्तान के मामले में एफएटीएफ को यह देखना होगा कि घोषित कदमों का वास्तविक असर आतंकी संगठनों के ढांचे, वित्तीय नेटवर्क और भर्ती गतिविधियों पर पड़ा है या नहीं।

भारत को भी एफएटीएफ में अपनी सक्रिय भूमिका का प्रभावी उपयोग करना चाहिए। पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क, उनकी वित्तीय गतिविधियों और भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए गए ढांचे से संबंधित प्रमाण अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रस्तुत किए जाने चाहिए। केवल राजनीतिक आरोपों के बजाय ठोस और प्रमाणित जानकारी के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाना अधिक प्रभावी होगा।

-शिवांश धाकड़

कविता

अस्तित्व विहीन

डॉ. राजीव डोगरा, गांव जनयानकड़ (कांगड़ा)

मिट्टी-मिट्टी चिल्लाता यहां आया,
मानते थे खुद को बड़ा बलशाली, धुरंधर,
सत्ता, शोहरत, धन के पीछे भागे,
समझते रहे खुद को सबसे बेहतर।
फिर भी बचा न सके अपना अस्तित्व,
समेट लिया मिट्टी ने अपने अंदर,
जिसे समझते थे मुट्ठी में दुनिया,
वही रह गया मुट्ठी भर धूल बनकर।
खुद को खुदा जानना आसान था,
दूसरों को सदा गधा समझते थे,
अपने आगे किसी को न मानते,
हर चेहरे में अपना ही रुतबा देखते थे।
पर वक्त ने ऐसा आईना दिखाया,
जिसमें कोई चेहरा अपना न था,
न ताज रहा, न नाम की चमक,
न साथ कोई अपना सपना था।
खुदा ने उनको भी अपना अस्तित्व दिखाया,
जो जीवन भर दूसरों को तुच्छ समझते थे,
मिट्टी से उठे थे, मिट्टी में लौटे,
फिर भी खुद को आसमान समझते थे।
मिट्टी ने कोई भेद नहीं किया,
न राजा देखा, न रंक पहचाना,
जिसने जीवन भर ऊंचाई मांगी,
उसे भी अपना आंचल पड़ा ओढ़ाना।
मिट्टी में मिलकर मिट्टी ही कर दिया,
अहंकार का हर एक निशान,
जो कल तक खुद को सबसे बड़ा समझता था,
आज वही बन गया प्रकृति की पहचान।

ऑपरेशन क्लीन से सोशल मीडिया को स्वच्छ सुरक्षित और जिम्मेदार बनाने की प्रशासनिक पहल

वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर (हि.प्र)

डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह विचारों, संस्कृतियों और जीवनशैली को प्रभावित करने वाला एक शक्तिशाली मंच बन चुका है।

इस मंच पर उभरे 'इन्फ्लुएंसर' आज लाखों करोड़ों लोगों के व्यवहार,सोच और पसंद को दिशा दे रहे हैं, लेकिन जिस तेजी से यह प्रभाव बढ़ा है उसी तेजी से इसके दुष्परिणाम भी सामने आए हैं। अश्लीलता, अभद्र भाषा, फर्जी प्रचार और नैतिकता से गिरते कंटेंट ने समाज को चिंतित कर दिया है। ऐसे में 'ऑपरेशन क्लीन' एक सराहनीय प्रयास है जो सोशल मीडिया को स्वच्छ , जिम्मेदार और एक सभ्य समाज निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है।

'इन्फ्लुएंसर' वह व्यक्ति होता है, जो अपने कंटेंट के माध्यम से लोगों को प्रभावित करता है। यह प्रभाव फैशन, फिटनेस, शिक्षा, राजनीति, मनोरंजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है। पहले जहां समाज में हमारे आदर्श-शिक्षक, लेखक, वैज्ञानिक या समाज सेवी होते थे, वहीं आज एक वीडियो या रील बनाने वाला व्यक्ति भी लाखों लोगों का आदर्श बन जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि बहुत सारे 'इन्फ्लुएंसर' सकारात्मक कार्य कर रहे हैं और वे जागरूकता फैलाते हैं, शिक्षा देते हैं और समाज के अच्छे पहलुओं को उजागर करते हैं, लेकिन दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो केवल लोकप्रियता और पैसे के लिए किसी भी स्तर तक गिरने को तैयार है।

हिमाचल में 'ऑपरेशन क्लीन' अभियान प्रशासन और पुलिस का संयुक्त प्रयास है। इस अभियान को आगे बढ़ाने में प्रशासनिक स्तर पर भी पहल हुई है और इसमें खास तौर पर सहायक लोक संपर्क अधिकारी अजय बन्याल की भूमिका भी मुख्य रूप से दिखाई दे रही है। हिमाचल में चल रहे इस 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत प्रशासन और पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैल रहे अश्लील, भड़काऊ और गैर जिम्मेदार कंटेंट पर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। यह कार्रवाई किसी एक दो लोगों तक सीमित नहीं रही, बल्कि कई इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर पर की गई है। कई अकाउंट्स को पुलिस द्वारा नोटिस भेजे गए और उन्हें अपना कंटेंट हटाने के निर्देश भी दिए गए। कुछ मामलों में एफआईआर दर्ज करने तक की भी नौबत आई। खासकर तब जब कंटेंट में गाली गलौज, धार्मिक टिप्पणी, या देशहित के विरुद्ध दिया गया बयान हो।

'ऑपरेशन क्लीन' इसी विकृत प्रवृत्ति पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास है। इसके अंतर्गत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निगरानी, आपत्तिजनक सामग्री पर चेतावनी और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की व्यवस्था की गई है। इस पहल का उद्देश्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के दायरे में लाना है। यह एक स्पष्ट संदेश है, कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक मर्यादाओं की अनदेखी नहीं हो सकता।

ऑपरेशन क्लीन हिमाचल एक सामाजिक और प्रशासनिक डिजिटल स्वच्छता अभियान है, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री को नियंत्रित कर सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाना है। इसमें नागरिकों की भागीदारी को महत्वपूर्ण माना गया है, जहां लोग गलत या भ्रामक सामग्री की रिपोर्ट कर सक्रिय सहयोग देते हैं और जिम्मेदारी निभाते हैं। साथ ही सकारात्मक, शिक्षाप्रद और सांस्कृतिक सामग्री को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे डिजिटल माध्यमों पर स्वस्थ वातावरण विकसित हो सके।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

जनगणना के आंकड़ों से सामाजिक न्याय और विकास की नीतियों को मिल सकता है मजबूत आधार

हंस राज ठाकुर
स्वतंत्र लेखक

भारत में जनगणना का इतिहास 1872 में लॉर्ड मेयो के कार्यकाल में शुरू हुआ, लेकिन यह एक संपूर्ण जनगणना नहीं थी। लॉर्ड रिपन के समय 1881 से हर साल 10 साल से नियमित जनगणना हो रही थी जो 1949 के बाद से गृह मंत्रालय के तहत होती है।

भारतीय जनगणना विश्व सबसे बड़े प्रशासनिक अभ्यासों में से एक है। वर्ष 2011 में पंद्रहवीं जनगणना के बाद वर्ष 2021 की जनगणना कोविड-19 के कारण देरी से हुई और अब 2027 में 16वीं डिजिटल जनगणना होने वाली है। आजादी के बाद यह 8वीं जनगणना है। यह प्रक्रिया दो चरणों में संपन्न होगी। इसका पहला चरण 16 जून से शुरू होगा और 15 जुलाई तक चलेगा। आजकल जनगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जनगणना का यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित किया जाता है और देश के हर नागरिक को इसमें सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिए, तभी यह कार्यक्रम सफल हो पाएगा। 1951 के बाद की सभी जनगणनाएं 1948 के जनगणना अधिनियम के तहत कराई गई। 1948 का भारतीय जनगणना अधिनियम केंद्र सरकार को किसी विशेष तिथि पर जनगणना करने या अधिसूचित अवधि में अपना डेटा जारी करने के लिए बाध्य नहीं करता । भारतीय जनगणना के सांख्यिकी आंकड़ों की हर 10 साल में पुनरावृत्ति होती है।

मौर्य प्रशासन में जनगणना एक नियमित प्रक्रिया थी। मौर्य साम्राज्य के व्यापारियों कृषकों, लुहारों, बढ़इयों आदि जैसे लोगों के विभिन्न वर्गों की गणना करने के लिए ग्रामीण अधिकारी (ग्रामिक) और नगर पालिका अधिकारी (नागरिक) जिम्मेदार थे और मवेशी भी ज्यादातर कराधान उद्देश्यों के लिए। यह व्यवसाय जातियों के रूप में समेकित हुए । भारतीय समाज की एक विशेषता जो आज तक भारतीय राजनीति को प्रभावित करती आ रही है और इस जनगणना के बाद भी प्रभावित करेगी । पहले से ही भारत में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 54 शहर मौजूद हैं। इस बार आंकड़ों में निश्चित रूप से वृद्धि होगी, क्योंकि हमारे देश में जनसंख्या नियंत्रण का कोई सख्त कानून नहीं है।

वर्ष 2011 में भारत के जनगणना आयुक्त सी चन्द्र मौली द्वारा राष्ट्र को समर्पित पंद्रहवीं राष्ट्रीय जनगणना थी जो 1 मई 2010 को आरंभ हुई थी। भारतीय जनगणना केवल एक जनसंख्या गणना का कार्य नहीं है, बल्कि यह देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे को समझने का एक महत्वपूर्ण साधन है। भारत की जनगणना हर दस वर्ष में आयोजित की जाती है और यह विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक प्रक्रियाओं में से एक मानी जाती है।

जातिगत जनगणना के पक्ष में तर्क : वर्तमान में भारत में जाति-आधारित व्यापक डेटा उपलब्ध नहीं है (आखिरी विस्तृत जातिगत डेटा 1931 में हुआ था)। ऐसे में नीतियां अनुमान पर आधारित रहती हैं। जातिगत जनगणना से वास्तविक सामाजिक संरचना सामने आ सकती है।

सामाजिक न्याय को मजबूती : आरक्षण और कल्याणकारी योजनाएं किन वर्गों तक कितनी पहुंचीं-यह जानने के लिए वास्तविक डेटा बेहद जरूरी है। इससे पिछड़े वर्गों को ज्यादा से ज्यादा बेहतर लाभ मिल सकता है।

नीति निर्माण में मदद : सरकार लक्षित नीतियां बना सकती है-जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि में किन जातियों को ज्यादा सहायता चाहिए।

जातिगत जनगणना के विरोध में तर्क : आलोचकों का मानना है कि इससे जातिवाद और मजबूत हो सकता है, और सामाजिक एकता को नुकसान पहुँच सकता है।

राजनीतिक दुरुपयोग : जातिगत आंकड़े चुनावी राजनीति में इस्तेमाल हो सकते हैं, जिससे वोट बैंक की राजनीति और बढ़ सकती है।

प्रशासनिक जटिलताएं : भारत में हजारों जातियां और उपजातियां हैं-इनका सटीक वर्गीकरण और सत्यापन करना कठिन और विवादास्पद हो सकता है। मध्य मार्ग : कई विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि जातिगत जनगणना की जाए, तो उसका उद्देश्य केवल विकास और नीति निर्माण होना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ। डेटा को पारदर्शी, वैज्ञानिक और जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

जनगणना की सार्थकता : जनगणना देश के विकास और प्रशासन का आधारभूत स्तंभ है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े सरकार को जनसंख्या, साक्षरता, रोजगार और सामाजिक-आर्थिक स्थिति की वास्तविक तस्वीर दिखाते हैं। ये आंकड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और परिवहन जैसी योजनाओं के निर्माण में सहायक होते हैं। साथ ही, चुनाव क्षेत्रों के निर्धारण और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में भी जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके प्रमुख उद्देश्य जनसंख्या का आकलन, सामाजिक-आर्थिक अध्ययन, नीति निर्माण, संसाधनों का संतुलित वितरण और भविष्य की रणनीति तैयार करना हैं। भारतीय जनगणना देश के विकास की आधारशिला है। जातिगत जनगणना न पूरी तरह सही है, न गलत-यह उसके उपयोग पर निर्भर करती है। सही उपयोग से सामाजिक न्याय और विकास संभव है, जबकि दुरुपयोग से सामाजिक विभाजन बढ़ सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

दक्षिण सिनेमा की दमदार मीना

मीना सागर
जन्म : 16 सितंबर 1976

मीना सागर दक्षिण भारतीय सिनेमा की चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उनका जन्म 16 सितंबर 1976 को हुआ। उन्होंने तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों के अलावा कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। प्राकृतिक अभिनय, भावपूर्ण आंखों और प्रभावशाली संवाद अदायगी के लिए पहचानी जाने वाली मीना ने 1990 के दशक में दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने कई बड़े सितारों के साथ काम किया और अनेक सफल फिल्मों का हिस्सा बनीं।

मीना ने अभिनय की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में की थी। वर्ष 1982 में तमिल फिल्म 'नेन्जंगल' से उन्होंने पर्दे पर कदम रखा। इसके बाद 'अनबुल्ला रजनीकांत', 'इलालु प्रियुरालु', 'मनसारियाथे' और 'लक्ष्मी वंथाचु' जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में नजर आईं। महज 15 वर्ष की उम्र में वर्ष 1991 में उन्हें मुख्य भूमिका निभाने का अवसर मिला। कस्तूरी राजा की तमिल फिल्म 'एन रसाविन मनसिले' उनकी शुरुआती उल्लेखनीय फिल्मों में रही और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

इसी वर्ष तेलुगु सिनेमा की सामाजिक पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'सीतारामय्या गारी मनावरालु' से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को सराहा गया और उन्हें पुरस्कार भी मिले। इसके बाद 'राजेश्वरी कल्याणम', 'येजामन', 'मुथु', 'अव्वै शनमुगी', 'सूर्यवंशम', 'फ्रेंड्स', 'वाणथाई पोला' सहित कई फिल्मों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उनकी कुछ चर्चित फिल्मों में 'भारती कन्नम्मा', 'वर्णपकिट्ठु', 'पोरक्कालम', 'रिदम', 'सिटिजन', 'स्वाति मुथु' और 'वेंगमम्बा' शामिल हैं। 'दृश्यम' फिल्म श्रृंखला और 'मुनथिरिवल्लिकल थलिर्क्कुंबोल' उनकी व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में गिनी जाती हैं। मीना को अभिनय के लिए दो फिल्मफेयर पुरस्कार दक्षिण, तीन तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, दो नंदी पुरस्कार और दो सिनेमा एक्सप्रेस पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 1998 में तमिलनाडु सरकार ने उन्हें कलैमामणि पुरस्कार से सम्मानित किया।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

कानकोर्स निर्माण के चलते बदला ट्रेनों का संचालन, यात्री परेशान

एजेंसी, कानपुर। लखनऊ स्टेशन पर चल रहे कानकोर्स निर्माण कार्य के कारण मंगलवार को कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। निर्माण कार्य के चलते कुछ ट्रेनों को लखनऊ की बजाय कानपुर सेंट्रल और मानक नगर तक सीमित किया गया है, जबकि कई ट्रेनों के मार्ग में भी बदलाव किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डा. शिवम शर्मा ने बताया कि वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से लखनऊ जाने वाली ट्रेन संख्या 64701 का संचालन 15 सितंबर को कानपुर सेंट्रल तक ही होगा। वहीं, ट्रेन संख्या 64702 लखनऊ से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के लिए लखनऊ की जगह कानपुर सेंट्रल से चलेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन का संशोधित शेड्यूल जरूर जांच लें। निर्माण कार्य के कारण गोरखपुर समेत अन्य शहरों से आने-जाने वाली कुछ ट्रेनों के मार्ग भी बदले गए हैं।

छोटे शहर का बड़ा स्वाद, 56 देशों के मेहमान चखेंगे निहालगढ़ का मशहूर समोसा

एजेंसी, अमेठी। अमेठी का मशहूर निहालगढ़ समोसा अब अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने की ओर बढ़ रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक होने वाले द्वितीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में निहालगढ़ के प्रसिद्ध समोसे की दुकान भी सजेगी। यहां देश-विदेश से आने वाले मेहमान अमेठी के इस पारंपरिक स्वाद का आनंद ले सकेंगे। ट्रेड शो में प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्थानीय उत्पाद, व्यंजन और हस्तशिल्प प्रदर्शित किए जाएंगे। इसमें ओडीओपी, एक जनपद-एक व्यंजन, लघु उद्योग और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जुड़े उद्यमी शामिल होंगे। जापान, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, वियतनाम और रूस समेत करीब 56 देशों के मेहमानों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में निहालगढ़ के समोसे को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

यूपी में मौसम ने बदला मिजाज, पश्चिमी हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

एजेंसी, लखनऊ। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार उत्तर प्रदेश में मानसून सक्रिय बना हुआ है। मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में और पूर्वी सिरा सामान्य स्थिति में बना हुआ है। इसके साथ उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश की गतिविधियां जारी हैं। पिछले 24 घंटों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। बिजनौर जिले में आठ सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। मौसम विभाग ने 15 से 17 सितंबर तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश के साथ आंधी-तूफान की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। किसानों और आम लोगों को भी स्थानीय मौसम अपडेट पर नजर रखने को कहा गया है।

कानपुर में पहली बार होंगे बेबी गेम्स, 3 से 8.5 साल के बच्चे दिखाएंगे प्रतिभा

एजेंसी, कानपुर। कानपुर में प्रदेश स्तर पर पहली बार बेबी गेम्स का आयोजन किया जाएगा। कानपुर ओलिंपिक एसोसिएशन की ओर से पांच से नौ अक्टूबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता में तीन से साढ़े आठ वर्ष तक के बच्चे हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में 25 खेल स्पर्धाएं शामिल की गई हैं, जिनमें नन्हे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों को तीन से साढ़े चार वर्ष, साढ़े चार से साढ़े छह वर्ष और साढ़े छह से साढ़े आठ वर्ष के आयु वर्ग में बांटा जाएगा। आयोजन का उद्देश्य कम उम्र में खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जूनियर स्तर पर तैयार किया जाएगा। इन्हें मिशन 2036 ओलिंपिक के लिए संभावित प्रतिभाओं के रूप में विकसित करने की योजना है। इससे बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सोलर लगने के बाद भी नहीं शुरू हुई नेट मीटरिंग, 1000 से ज्यादा आवेदन लंबित

एजेंसी, प्रयागराज

बिजली की बचत और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्मार्ट मीटरों की कमी के कारण प्रभावित हो रही है। प्रयागराज में एक हजार से अधिक आवेदन स्मार्ट मीटर नहीं लगने के कारण लंबित पड़े हैं। कई लाभार्थियों के घरों में डेढ़ से दो माह पहले सोलर सिस्टम लग चुका है, लेकिन अब तक नेट मीटरिंग शुरू नहीं हो सकी है।

इससे योजना का लाभ लेने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेडा की ओर से संचालित इस योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक घरों में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाना है। योजना के तहत उपभोक्ता अपने घर की छत पर सोलर सिस्टम लगवा सकते हैं। दो किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित करने में करीब 1.30 लाख रुपये की लागत आती है। सरकार की ओर से इसमें करीब 90 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। इसके अलावा योजना के तहत जरूरत के अनुसार ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद बिजली को ग्रिड से जोड़ने और अतिरिक्त बिजली का हिसाब रखने के लिए नेट मीटरिंग जरूरी होती है। इसके लिए स्मार्ट मीटर लगाया जाता है। प्रयागराज में स्मार्ट मीटरों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में लाभार्थियों की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। लाभार्थियों का कहना है कि सोलर सिस्टम लगवाने के बाद वे नेट मीटरिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। आवेदन लंबित होने से उन्हें विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

दीपावली–छठ पर ट्रेनों में भीड़ से राहत, हरदोई को मिली अमृतसर–बरौनी स्पेशल की सौगात

चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार चलेगी ट्रेन, हरदोई स्टेशन पर भी होगा निर्धारित ठहराव

एजेंसी, हरदोई

दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए अमृतसर जंक्शन और बरौनी जंक्शन के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का ठहराव हरदोई रेलवे स्टेशन पर भी दिया गया है। इससे पंजाब और बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों को नियमित ट्रेनों के अलावा अतिरिक्त विकल्प मिल सकेगा। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 04668 अमृतसर–बरौनी जंक्शन स्पेशल चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को संचालित होगी।

ट्रेन अमृतसर जंक्शन से रात 8 बजकर 10 मिनट पर रवाना होगी। इसके अगले दिन सुबह 8 बजकर 53 मिनट पर ट्रेन हरदोई रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यहां निर्धारित ठहराव के बाद ट्रेन आगे की यात्रा के लिए रवाना होगी। त्योहारी सीजन में बड़ी संख्या में लोग पंजाब से बिहार और आसपास के क्षेत्रों में अपने घरों की ओर जाते हैं। दीपावली और छठ पूजा के कारण ट्रेनों में सीटों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है।

ऐसे में नियमित ट्रेनों में आरक्षण और यात्रा को लेकर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेन चलाए जाने से यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा। हरदोई स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव स्थानीय यात्रियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिले से पंजाब की ओर जाने वाले यात्रियों के साथ बिहार और पूर्वांचल क्षेत्र की तरफ जाने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। विशेष ट्रेन के संचालन से नियमित ट्रेनों पर पड़ने वाला अतिरिक्त यात्री दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। अमृतसर–बरौनी स्पेशल के निर्धारित संचालन से त्योहार पर घर जाने वाले यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने में सुविधा होगी। ट्रेन के समय और ठहराव से जुड़ी जानकारी यात्रियों को यात्रा से पहले रेलवे की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार जांच लेने की सलाह दी गई है। चार अक्टूबर से शुरू होने वाली यह सेवा 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को उपलब्ध रहेगी। इससे दीपावली और छठ पूजा के आसपास घर जाने वाले लोगों को कई सप्ताह तक अतिरिक्त रेल सेवा का लाभ मिलेगा।

अमृतसर से रात में रवाना होने वाली ट्रेन अगले दिन सुबह हरदोई पहुंचेगी, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। रेलवे के इस फैसले से त्योहार के दौरान घर लौटने वाले यात्रियों को राहत की उम्मीद है। खासकर पंजाब में काम करने वाले बिहार और पूर्वांचल के लोगों के लिए यह ट्रेन उपयोगी साबित हो सकती है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे टिकट उपलब्धता, समय और अन्य जरूरी जानकारी की पुष्टि करने के बाद ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

पश्चिमी यूपी में दलित वोट पर सपा की नजर, आगरा में 15 नवंबर को बड़ा सम्मेलन

एजेंसी, आगरा

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में मिली सफलता के बाद पार्टी विधानसभा चुनाव में भी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए फार्मूले को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी क्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित मतदाताओं को साधने के लिए आगरा में 15 नवंबर को बड़ा दलित सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

पश्चिमी यूपी में दलित मतदाताओं को साधने की सपा की तैयारी

सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के शामिल होने की संभावना है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन को सम्मेलन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आयोजन का संयोजक बनाया गया है। पार्टी स्तर पर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं। सपा की रणनीति लोकसभा चुनाव में पीडीए के जरिए मिली राजनीतिक बढ़त को विधानसभा चुनाव में भी बनाए रखने की है। पार्टी पिछड़े वर्ग, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने के लिए अलग-अलग स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। आगरा में होने वाला पश्चिमी उप्र का दलित सम्मेलन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी नेताओं का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित मतदाताओं की भूमिका चुनावी समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में सम्मेलन के जरिए संगठन को मजबूत करने के साथ दलित समाज के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर जोर रहेगा।

अखिलेश यादव की मौजूदगी में होने वाले सम्मेलन से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी उत्साह बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, रामजीलाल सुमन के नेतृत्व में आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू होगी। विधानसभा चुनाव से पहले सपा का यह सम्मेलन पश्चिमी यूपी में पार्टी की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा होगा।

संगठन मजबूत करने की कवायद तेज कांग्रेस में युवा–दलित चेहरों पर दांव

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी तेज हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने संगठन को नए सिरे से मजबूत करने के संकेत दिए हैं। इसी कड़ी में पिछले सोमवार को मीडिया विभाग की नई टीम जारी की गई, जिसमें 104 नेताओं को शामिल किया गया है। सूची में मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष समेत कई पदों पर नई नियुक्तियां की गई हैं।

मीडिया विभाग की नई टीम में 104 नेताओं को शामिल कर कांग्रेस ने बदलाव के संकेत दिए।

हालांकि, विभाग के अध्यक्ष पद पर अभी किसी की नियुक्ति नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी जल्द ही मीडिया विभाग के अध्यक्ष पद पर भी नया चेहरा ला सकती है। वर्तमान अध्यक्ष डा. सीपी राय के स्थान पर वंचित या अल्पसंख्यक समाज से जुड़े किसी युवा और सक्रिय नेता को जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है।

इसके अलावा संगठन के कई अन्य विभागों में भी बदलाव की तैयारी है। कांग्रेस की नई रणनीति में युवा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े सक्रिय नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने पर जोर है।

योगी सरकार को घेरने की कोशिश? सीवर लाइनों में मिलीं संदिग्ध सामग्री

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार को बदनाम करने के लिए सुनियोजित तरीके से घटनाओं को तूल देने और जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया गया है। सरकार समर्थक पक्ष का कहना है कि असहमति और विरोध लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन यदि तथ्यों को तोड़-मरोड़कर किसी सरकार की छवि खराब करने का प्रयास किया जाए तो यह गंभीर चिंता का विषय है। वाराणसी में सीवर लाइनों की सफाई के दौरान शिवाला, सरायनंदन, नगवा समेत करीब आधा दर्जन वार्डों में मुख्य सीवर लाइनों के भीतर से बालू-सीमेंट की बोरियां, लकड़ी का बुरादा, पत्थर, प्लाई और प्लास्टिक जैसी सामग्री मिलने का मामला सामने आया है। इसे लेकर दावा किया गया कि सीवर लाइनों को जानबूझकर बाधित करने की कोशिश की गई। आरोप है कि मुख्य सीवर लाइन जाम होने से आसपास की गलियों में गंदा पानी ओवरफ्लो हो सकता है और इसके जरिए सरकार को घेरने का माहौल बनाया जा सकता है।

हज–2027 के लिए मेडिकल जांच अनिवार्य बीमारी छिपाई तो जब्त होगी जमा राशि

एजेंसी, अलीगढ़

हज–2027 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति ने चयनित हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस प्रमाणपत्र को लेकर दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत चयनित यात्रियों को निर्धारित सरकारी चिकित्सा केंद्रों पर मेडिकल जांच कराना अनिवार्य होगा।

जांच के बाद प्राप्त मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाणपत्र को 15 अक्टूबर 2026 तक हज कमेटी की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। जिले से हज यात्रा के लिए 400 से अधिक लोगों ने आवेदन किया है। चयनित यात्रियों को समय सीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। राज्य हज समिति के कार्यपालक अधिकारी मोहम्मद तारिक की ओर से जारी आदेश के अनुसार मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस जांच हज यात्रा की प्रक्रिया के प्रथम चरण में ही कराई जाएगी।

यात्रियों को जांच के बाद मिलने वाले प्रमाणपत्र और मेडिकल रिपोर्ट को सुरक्षित रखना होगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल जांच के दौरान किसी यात्री ने जानबूझकर अपनी बीमारी छिपाई और बाद में जांच में वह अनफिट पाया गया तो संबंधित यात्री की जमा राशि जब्त की जा सकती है।

आजमगढ़ में एटीएस की बढ़ेगी ताकत मंदुरी में बनेगा फील्ड यूनिट कार्यालय

एजेंसी, आजमगढ़

आजमगढ़ में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की गतिविधियों को और मजबूत करने के लिए फील्ड यूनिट कार्यालय का निर्माण शुरू हो गया है। मंदुरी एयरपोर्ट के पास करीब दो करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से दो मंजिला भवन बनाया जा रहा है। जिले में आतंकी गतिविधियों में शामिल आरोपितों की लगातार गिरफ्तारी और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े सदस्यों की धरपकड़ को देखते हुए लंबे समय से एटीएस के फील्ड यूनिट कार्यालय की जरूरत महसूस की जा रही थी।

आतंकी नेटवर्क पर शिकंजा कसने के लिए आजमगढ़ में एटीएस को मिलेगा स्थायी ठिकाना।

करीब पांच हजार वर्गफीट क्षेत्रफल में बनने वाले इस भवन के निर्माण की जिम्मेदारी पुलिस आवास निगम को सौंपी गई है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कार्यालय को एटीएस को सौंप दिया जाएगा। इसके लिए करीब 12 माह की समयसीमा तय की गई है। नए कार्यालय के शुरू होने से जिले में एटीएस की स्थानीय मौजूदगी और मजबूत होगी। इससे संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी, सूचनाओं के संकलन और आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामलों में कार्रवाई को गति मिलने की उम्मीद है।

अधिकारियों के मुताबिक, फील्ड यूनिट के लिए स्थायी आधारभूत सुविधा उपलब्ध होने से टीम को अभियान चलाने में सहूलियत होगी। एटीएस की लगातार कार्रवाई के बीच कार्यालय का निर्माण जिले की सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भवन तैयार होने के बाद आतंकवाद से जुड़े मामलों में निगरानी और कार्रवाई अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी।

बांकेबिहारी मंदिर के आसपास अंधेरा होगा दूर, लगेंगी 200 सोलर लाइटें

एजेंसी, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। सुबह से लेकर देर रात तक मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। मंदिर और मुख्य मार्गों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था है, लेकिन मंदिर के आसपास की छोटी गलियों में शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। इससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर इन गलियों में समस्या और बढ़ जाती है। हालांकि मंदिर क्षेत्र में जनरेटर के माध्यम से बिजली की व्यवस्था सुचारू रखने का प्रयास किया जाता है। छोटी गलियों में प्रकाश की समस्या को दूर करने के लिए मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने एचडीएफसी बैंक से सहयोग मांगा था।

बैंक ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अपने सीएसआर फंड से 200 सोलर लाइटें उपलब्ध कराई हैं। इन लाइटों को मंदिर के आसपास के उन क्षेत्रों में लगाया जाएगा, जहां पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं है। सोलर लाइटों के लगने से बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी गलियों में रोशनी बनी रहेगी। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इन लाइटों का उद्देश्य श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाना है। खासकर शाम और रात के समय मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिलेगा। मंदिर क्षेत्र में बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करना जरूरी माना जा रहा था। एचडीएफसी बैंक की इस पहल से मंदिर के आसपास की गलियों में प्रकाश व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय लोगों के साथ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी राहत मिलेगी।

32 करोड़ का कर्ज उतारने वाली अफसर अब दिव्या मित्तल का इस्तीफा मंजूर

एजेंसी, लखनऊ

यूपी कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का त्यागपत्र केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही वह भारतीय प्रशासनिक सेवा के सभी कार्यभार से मुक्त हो गई हैं। दिव्या मित्तल ने 30 अगस्त को अपना इस्तीफा दिया था। उनके इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश की नौकरशाही और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई थी।

दिव्या मित्तल प्रशासनिक सेवा के दौरान अपने काम करने के अलग अंदाज और जनहित से जुड़े कार्यों के कारण काफी लोकप्रिय रहीं। वह उत्तर प्रदेश के देवरिया, मिर्जापुर और संतकबीरनगर जिलों में जिलाधिकारी के पद पर सेवाएं दे चुकी हैं। मिर्जापुर में उनके कार्यकाल के दौरान गांव में 76 साल बाद पानी पहुंचाने की पहल ने उन्हें खास पहचान दिलाई। उनके कई कामों की स्थानीय स्तर पर खूब सराहना हुई। दिव्या मित्तल बरेली विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उनके कार्यकाल में प्राधिकरण को करीब 32 करोड़ रुपये के कर्ज से मुक्त कराने का दावा किया गया।

प्रशासनिक कार्यों के अलावा सोशल मीडिया पर सक्रियता के कारण भी वह चर्चा में रहीं। उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए और उन्हें 'रील वाली डीएम' के नाम से भी जाना जाने लगा। जनता से संवाद, विकास कार्यों की निगरानी और मौके पर पहुंचकर समस्याओं का समाधान करने की शैली ने उन्हें अन्य अधिकारियों से अलग पहचान दिलाई। कई मौकों पर स्थानीय लोगों ने उनके प्रति सम्मान भी जताया। अब त्यागपत्र स्वीकार होने के बाद दिव्या मित्तल का प्रशासनिक सेवा का सफर समाप्त हो गया है।

डिफेंस | रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों और निजी कंपनियों की बढ़ी दिलचस्पी से तेज हुआ औद्योगिक विकास

सेना के लिए ड्रोन बनाएगा अलीगढ़, डिफेंस कॉरिडोर में निवेश पहुंचा 4000 करोड़

एजेंसी, अलीगढ़

अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। अलीगढ़ नोड में निवेश बढ़कर चार हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस कॉरिडोर में तीन नई कंपनियां जल्द ही रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में उत्पादन शुरू करेंगी। वहीं, दो कंपनियां पहले से ही रक्षा एवं एयरोस्पेस से जुड़े कलपुर्जों का निर्माण कर रही हैं। इससे अलीगढ़ के रक्षा उत्पादन केंद्र के रूप में उभरने की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं।

रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में स्वदेशीकरण, नवाचार और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिफेंस इंडस्ट्रीज कॉरिडोर में औद्योगिक गतिविधियों को गति दी जा रही है। इसके साथ ही स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भी रक्षा क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला से जोड़कर सशक्त बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। अलीगढ़ नोड में शुरुआत में रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र की कंपनियों की ओर से करीब 2500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए गए थे। समय के साथ कंपनियों की रुचि बढ़ी और अब प्रस्तावित निवेश बढ़कर चार हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

निवेश में हुई यह वृद्धि अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर के प्रति उद्योग जगत के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। कॉरिडोर में तैयार हो रहे प्लांटों के माध्यम से रक्षा उपकरणों और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़े उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। तीन कंपनियों के जल्द उत्पादन शुरू करने से औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने की संभावना है। वहीं, पहले से उत्पादन कर रहीं दो कंपनियां रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र के कलपुर्जे तैयार कर रही हैं। इससे भविष्य में स्थानीय स्तर पर रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए मजबूत औद्योगिक आधार तैयार होगा।

अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना ही नहीं, बल्कि देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देकर स्वदेशीकरण की दिशा में आगे बढ़ना भी है। रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों और कलपुर्जों के घरेलू निर्माण से आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। साथ ही नवाचार और नई तकनीक के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कॉरिडोर में निवेश बढ़ने से अलीगढ़ में रोजगार के अवसर बढ़ने की भी उम्मीद है। उत्पादन इकाइयों के साथ सहायक उद्योगों, आपूर्ति श्रृंखला और सेवा क्षेत्र में भी गतिविधियां बढ़ सकती हैं। इससे छोटे और मध्यम उद्यमों को नए कारोबार के अवसर मिलने की संभावना है।

रक्षा एवं एयरोस्पेस निर्माण के क्षेत्र में अलीगढ़ की पहचान मजबूत होने से उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी गति मिल सकती है। चार हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव और नई कंपनियों के उत्पादन शुरू करने से अलीगढ़ नोड को प्रदेश के महत्वपूर्ण रक्षा विनिर्माण केंद्रों में शामिल होने का अवसर मिलेगा। आने वाले समय में यहां रक्षा उपकरणों, एयरोस्पेस उत्पादों और संबंधित कलपुर्जों के निर्माण का विस्तार होने की उम्मीद है। इससे अलीगढ़ में रक्षा क्षेत्र से जुड़े निवेशकों और कंपनियों का भरोसा बढ़ा है। नई उत्पादन इकाइयों के शुरू होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

एनजीटी की रिट के बाद खुली विभाग की नींद 200 कब्जेदारों को जमीन खाली करने का नोटिस

एजेंसी, आगरा

खंदारी क्षेत्र के बापू नगर में सिंचाई विभाग की बेशकीमती जमीन पर लंबे समय से चले आ रहे कब्जे का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में रिट दायर होने के बाद सिंचाई विभाग हरकत में आया है। विभाग ने बापू नगर में जमीन पर कब्जा करने वाले करीब 200 लोगों को नोटिस जारी कर जमीन खाली करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस मिलने के बाद क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है और लोगों में कार्रवाई को लेकर चिंता है।

एनजीटी में रिट के बाद 200 कब्जेदारों को नोटिस।

बताया जा रहा है कि बापू नगर से सिंचाई विभाग की जमीन होकर सिकंदरा रजवाहा गुजरता था। वर्तमान में यह रजवाहा अस्तित्व में नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी विभाग की जमीन अब भी सरकारी अभिलेखों में दर्ज है। इस जमीन के बड़े हिस्से पर लंबे समय से लोगों के कब्जे होने की बात सामने आई है। कई स्थानों पर कब्जेदारों ने मकान और अन्य निर्माण भी कर लिए हैं।

नोटिस मिलने के बाद कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में बढ़ी हलचल

मामले में एनजीटी में रिट दायर होने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से कब्जे की स्थिति बनी होने के बावजूद अब तक जमीन खाली कराने के लिए ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी। एनजीटी में मामला पहुंचने के बाद विभाग ने कब्जेदारों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है। नोटिस में कब्जेदारों से सिंचाई विभाग की जमीन खाली करने को कहा गया है। इसके बाद क्षेत्र में संभावित कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, फिलहाल विभाग की ओर से करीब 200 मकानों पर बुलडोजर चलाने की कोई अंतिम कार्रवाई या तिथि घोषित नहीं की गई है।

मामले को लेकर स्थानीय लोगों और राजनीतिक प्रतिनिधियों की सक्रियता भी बढ़ गई है। राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन ने सोमवार को बापू खंदारी नगर पहुंचकर क्षेत्रीय लोगों से बातचीत की। अब सभी की नजर विभाग की आगामी कार्रवाई पर है। आगे की कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कब्जेदारों का कहना है कि नोटिस मिलने के बाद वे विभागीय अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। वहीं, विभाग की ओर से जमीन के अभिलेखों और कब्जे की स्थिति के आधार पर अगली कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

गुराना में युवती की मौत पर उठे सवाल हत्या की सूचना के बाद निकाली लाश

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हांसी के नारनौंद क्षेत्र के गुराना गांव में 18 वर्षीय युवती की मौत के बाद ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने परिजनों और ग्रामीणों को हैरान कर दिया। युवती की मौत के बाद स्वजन ने उसका शव दफना दिया था। इसके एक दिन बाद पुलिस कंट्रोल रूम में आई एक सूचना के बाद मामले ने अचानक नया मोड़ ले लिया। सूचना देने वाले युवक ने युवती की हत्या कर शव दफनाने का आरोप लगाया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। सोमवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट, चिकित्सकों और एफएसएल टीम की मौजूदगी में युवती की कब्र को खुलवाया गया। इसके बाद शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए हांसी नागरिक अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके पर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। बताया जा रहा है कि युवती की मौत के बाद परिवार ने सामान्य प्रक्रिया के तहत उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। हालांकि, बाद में मिली हत्या की सूचना ने पुलिस के सामने मौत के कारणों को लेकर सवाल खड़े कर दिए। इसी के चलते शव को कब्र से बाहर निकालकर चिकित्सीय जांच कराने का निर्णय लिया गया।

पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही युवती की मौत के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मंगलवार को हांसी नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस सूचना देने वाले युवक से भी पूछताछ कर सकती है और उसके द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम और एफएसएल जांच की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मौत को लेकर लगाए गए हत्या के आरोपों की अभी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सूचना देने वाले युवक से पूछताछ कर आरोपों की भी जांच करेगी।

उचाना चुनाव नतीजे पर हाई कोर्ट में सुनवाई 34 वोट से हारे बृजेंद्र सिंह की याचिका पर बहस

उचाना सीट के चुनाव नतीजे को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई, 25 सितंबर तक टला मामला

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा की उचाना विधानसभा सीट से जुड़े चुनाव विवाद पर मंगलवार को सुनवाई हुई। यह मामला कांग्रेस नेता और हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की ओर से दायर चुनाव याचिका से संबंधित है। विधानसभा चुनाव में बृजेंद्र सिंह को उचाना सीट पर महज 34 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया और मतगणना को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

सुनवाई के दौरान असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर रामप्रसाद और असिस्टेंट अशोक कुमार के बयान दर्ज किए गए। याचिकाकर्ता की ओर से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जांच की मांग की गई। बृजेंद्र सिंह की ओर से अदालत में मतगणना प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए गए और इससे संबंधित रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग रखी गई।

याचिकाकर्ता के वकील ने हाई कोर्ट से काउंटिंग सेंटर की सीसीटीवी फुटेज मंगवाने का आग्रह किया। उनका कहना था कि फुटेज के माध्यम से मतगणना के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया की जांच की जा सकती है। इसके साथ ही तत्कालीन रिटर्निंग ऑफिसर विवेक आर्य को दोबारा अदालत में बुलाकर उनके बयान दर्ज करवाने की मांग भी की गई।

याचिकाकर्ता ने कहा कि ये बयान बृजेंद्र सिंह के चुनाव एजेंट की मौजूदगी में दर्ज किए जाएं। इसके अलावा बृजेंद्र सिंह की ओर से 215 अस्वीकृत डाक मतों की जांच की मांग भी की गई है। चुनाव में जीत और हार के बीच केवल 34 वोटों का अंतर होने के कारण इन मतों की भूमिका को लेकर भी याचिका में सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से मतगणना से जुड़े दस्तावेजों और प्रक्रिया की विस्तृत जांच की मांग की जा रही है।

सुनवाई के दौरान अधिकारियों के बयान दर्ज होने के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की गई है। अब अगली सुनवाई में चुनाव याचिका से जुड़े अन्य पहलुओं पर अदालत में सुनवाई होने की संभावना है। उचाना विधानसभा सीट का चुनाव परिणाम बेहद करीबी रहा था। महज 34 वोटों के अंतर ने इस चुनाव को प्रदेश के चर्चित मुकाबलों में शामिल कर दिया। बृजेंद्र सिंह की ओर से चुनाव परिणाम को चुनौती दिए जाने के बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा।

सोनीपत : शराब पीने पर हुआ विवाद दोस्त ने पीटकर युवक की हत्या की

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

सेवली गांव में रात शराब पीने के दौरान दोस्तों के बीच हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। कहासुनी के बाद एक युवक ने अपने दोस्त अनुज गुप्ता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतक बिहार के भागलपुर का रहने वाला था और गांव में किराये के मकान में रहकर जींस पर रंग करने वाली फैक्टरी में काम करता था।

पुलिस के अनुसार, अनुज रात अपने दोस्त के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोस्त ने अनुज के साथ मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान उसके सिर में गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना मिलने पर राई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी, एफएसएल और क्राइम टीम भी मौके पर पहुंची। टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और विवाद की असली वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

एसीपी मलकीत सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस अनुज के साथ शराब पीने वाले लोगों और घटनास्थल पर मौजूद अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अनुज चार बच्चों का पिता था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पत्नी और स्वजन ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षक पर छात्र से मारपीट का आरोप परिजनों ने स्कूल में किया हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, बरवाला

स्कूल परिसर में शिक्षक से मारपीट का वीडियो

शहर के मेन बाजार स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच विवाद के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद स्कूल परिसर में शिक्षक के साथ कुछ परिजनों द्वारा मारपीट किए जाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, छात्राओं का शिक्षक पर मारपीट करने का आरोप लगाने वाला वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम दूसरी शिफ्ट के दौरान कक्षा में एक छात्र को मॉनिटर की जिम्मेदारी दी गई थी। शिक्षक के कुछ समय के लिए कक्षा से बाहर जाने के दौरान मॉनिटर और एक अन्य सहपाठी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। शिक्षक के कक्षा में लौटने पर उसे पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिली।

आरोप है कि इसके बाद शिक्षक ने छात्र के साथ मारपीट की। घटना की जानकारी छात्र के परिजनों को मिली तो कुछ लोग स्कूल परिसर पहुंच गए। आरोप है कि परिजनों ने शिक्षक के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। इस दौरान किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया।

मुलाना में खेत जाते हुए युवक पर हमला, बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला।

अंबाला जिले के मुलाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हथियारबंद बदमाशों ने खेतों की ओर जा रहे एक युवक पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगने से बलविंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि करीब 10 से 15 बदमाशों ने युवक को घेरकर उस पर गोलियां चलाईं। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के लिए खेत में घात लगा रखी थी। अचानक हुई फायरिंग से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

आईएएस पंकज अग्रवाल की जमानत याचिका पर हाई कोर्ट ने सीबीआई से मांगी रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

आईडीएफसी बैंक में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के बैंक खाते खोलने की मंजूरी से जुड़े मामले में आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से नियमित जमानत मांगी है। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 14 अक्टूबर तक का समय दिया है।

पंकज अग्रवाल की ओर से दायर जमानत याचिका में कहा गया है कि इस मामले की मूल प्राथमिकी में उनका नाम शामिल नहीं है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि जांच के दौरान उनके कब्जे से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है। ऐसे में उन्हें नियमित जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए।

मामला आईडीएफसी बैंक में हरियाणा सरकार से जुड़े दो संस्थानों के बैंक खाते खोले जाने की मंजूरी से संबंधित है। इन खातों को खोलने की प्रक्रिया में पंकज अग्रवाल की भूमिका को लेकर जांच एजेंसी ने कार्रवाई की है। मामले में सीबीआई की जांच चल रही है और इसी के बीच आईएएस अधिकारी ने हाई कोर्ट का रुख किया है। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने सीबीआई से मामले की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करने वाली स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा। अदालत यह भी देखेगी कि जांच किस स्तर तक पहुंची है और आरोपी अधिकारी के खिलाफ अब तक क्या सामग्री सामने आई है। सीबीआई की रिपोर्ट के आधार पर अगली सुनवाई में जमानत याचिका पर आगे विचार किया जाएगा।

पंकज अग्रवाल की ओर से अदालत के समक्ष अपनी गिरफ्तारी और जांच से जुड़े विभिन्न तथ्यों का हवाला देते हुए राहत की मांग की गई है। उनका पक्ष है कि प्राथमिकी में नाम नहीं होने और आपत्तिजनक सामान की बरामदगी नहीं होने जैसे तथ्यों को जमानत पर विचार करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए। अब इस मामले में अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। उस दिन सीबीआई की ओर से स्टेटस रिपोर्ट अदालत के समक्ष रखी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम में रोड रेज पर पुलिस सख्त, कार चालक पर हत्या के प्रयास का केस

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारने के मामले में सख्त कार्रवाई की है। वायरल वीडियो के आधार पर दर्ज केस में सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 जोड़ दी गई है। पुलिस के अनुसार, फुटेज में कार चालक द्वारा महिला को जानबूझकर टक्कर मारने की बात सामने आई है। इससे मामला सामान्य सड़क दुर्घटना के बजाय हत्या के प्रयास का बन गया। धारा 109 में 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। पुलिस ने आरोपी कार चालक की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पीड़िता से भी संपर्क कर उसके बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस ने कहा कि सड़क पर इस तरह की खतरनाक हरकत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

14 हजार आवेदनों में 6,631 ने दी परीक्षा लुवास ने 12 घंटे में जारी किया रिजल्ट

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) ने क्लर्क पद की लिखित परीक्षा का परिणाम रिकॉर्ड समय में जारी किया है। 13 सितंबर को परीक्षा समाप्त होने के महज 12 घंटे बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिणाम घोषित कर दिया। परीक्षा खत्म होते ही कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विजय जाधव और अधिकारियों की टीम ने कॉपियों की जांच शुरू कर दी। टीम ने रातभर काम करते हुए परिणाम तैयार किया। भर्ती के लिए विश्वविद्यालय को कुल 14,039 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 6,631 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 7,408 अनुपस्थित रहे। हिसार में बनाए गए 27 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। विश्वविद्यालय ने इसे पारदर्शी और तेज प्रक्रिया का उदाहरण बताया।

यमुनानगर में दर्दनाक हादसा, पिकअप की टक्कर से दो बच्चों के पिता की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर शहर की विष्णुनगर जगाधरी वर्कशॉप मार्केट में सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल यमुनानगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान पुनीत के रूप में हुई है। वह दो बच्चों का पिता था। बताया जा रहा है कि हादसा उस समय हुआ, जब पुनीत सड़क पार कर रहा था और उसकी पत्नी भी मौके पर मौजूद थी। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पिकअप चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वंदेभारत ट्रेन की टक्कर से व्यक्ति की मौत क्षत-विक्षत शव की पहचान नहीं

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार सुबह वंदेभारत ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि व्यक्ति रेलवे लाइन पार कर रहा था, तभी वह तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। इसके चलते मृतक की पहचान नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए करनाल के नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है। जीआरपी मृतक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटा रही है। पुलिस रेलवे स्टेशन और आसपास लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच जारी है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

सिवानी में 10 करोड़ से बनेगा भव्य गणेश मंदिर, तीन साल में होगा तैयार

भारतेन्दु संवाददाता, सिवानी

15वें गणेश महोत्सव पर मंदिर निर्माण का शुभारंभ, संगमरमर से बनेगा भव्य गणेश धाम।

हरियाणा के सिवानी स्थित संजीवनी आश्रम में 15वें गणेश महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव के अवसर पर भगवान गणेश के भव्य मंदिर निर्माण की आधारशिला विधि-विधान के साथ रखी गई। करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस मंदिर को क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल करने की योजना है। मंदिर निर्माण की शुरुआत को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मंदिर की आधारशिला वृंदावन स्थित राधा रमण मंदिर के निज पुजारी के सानिध्य में रखी गई। इस दौरान धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। आश्रम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और मंदिर निर्माण के सफलतापूर्वक पूरा होने की कामना की। बताया गया कि प्रस्तावित गणेश मंदिर का निर्माण उच्च गुणवत्ता वाले संगमरमर के पत्थरों से किया जाएगा। मंदिर को भव्य स्वरूप देने के लिए निर्माण कार्य में विशेष ध्यान रखा जाएगा। करीब तीन वर्षों में मंदिर का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है।

लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला यह मंदिर सिवानी और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए आस्था का नया केंद्र बन सकता है। गणेश महोत्सव के दौरान मंदिर निर्माण की नींव रखे जाने से श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल रहा। आयोजन से जुड़े लोगों के अनुसार मंदिर बनने के बाद यहां धार्मिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों में भी मंदिर निर्माण को लेकर उत्साह है। 15वें गणेश महोत्सव के शुभारंभ के साथ शुरू हुआ यह निर्माण कार्य आने वाले वर्षों में संजीवनी आश्रम की पहचान को और मजबूत कर सकता है। तीन वर्ष में मंदिर तैयार होने के बाद यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

निर्माण पूरा होने पर भव्य गणेश मंदिर क्षेत्र के धार्मिक आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। मंदिर निर्माण के साथ संजीवनी आश्रम में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भव्य मंदिर तैयार होने के बाद यहां गणेश महोत्सव समेत अन्य धार्मिक आयोजनों का विस्तार किया जा सकेगा। इससे सिवानी और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ेगी। मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

हरभजन हत्याकांड में रोहतक के शूटरों की पहचान, 50-50 हजार रुपए का इनाम घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

हरभजन हत्याकांड में फरार रोहतक के शूटरों की तलाश में जुटी पुलिस।

मॉडल टाउन में जिम के बाहर तीन सितंबर को हुए ट्रांसपोर्टर हरभजन सिंह हत्याकांड में पुलिस को अहम सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले फरार शूटरों की पहचान कर ली है। दोनों शूटर रोहतक जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी जुटा ली है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

हरभजन सिंह प्रेमनगर के रहने वाले थे और ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते थे। तीन सितंबर को वह मॉडल टाउन स्थित जिम के बाहर पहुंचे थे। इसी दौरान हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। गोली लगने से उनकी मौत हो गई थी। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही अन्य माध्यमों से भी जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस को शूटरों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित रोहतक जिले से संबंधित हैं।

उनकी पहचान सामने आने के बाद अब उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपितों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस को उम्मीद है कि इनाम की घोषणा के बाद फरार शूटरों के बारे में सूचना मिलने में मदद मिलेगी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि हरभजन सिंह की हत्या को अंजाम देने के लिए शूटरों को काला राणा गिरोह की ओर से हायर किया गया था। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि हत्या की साजिश में कौन-कौन लोग शामिल थे और वारदात के पीछे क्या वजह थी। इसके साथ ही शूटरों को हथियार और अन्य सहायता उपलब्ध कराने वाले लोगों की भी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने शूटरों के आपराधिक रिकॉर्ड को जुटाकर उनके पुराने मामलों की जानकारी भी हासिल की है। जांच एजेंसियां आरोपितों के संपर्क में रहने वाले लोगों और उनके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए, अलग-अलग टीमें काम कर रही हैं।

छह दिन में यूरोप-अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटियां फतह, डॉ. आशा ने रचा इतिहास

48 वर्षीय डॉ. आशा ने माउंट एल्ब्रुस और किलिमंजारो पर तिरंगा फहराकर महिला सशक्तीकरण का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

हरियाणा की बेटी डॉ. आशा ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश और प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने मात्र छह प्रभावी दिनों में यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस और अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी माउंट किलिमंजारो को फतह कर तिरंगा लहराया। उनकी इस उपलब्धि को साहस, दृढ़ संकल्प और महिला सशक्तीकरण की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

48 वर्षीय डॉ. आशा रेवाड़ी की पुलिस लाइन में रहती हैं। उनके पति अजय सिंह हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ डॉ. आशा ने पर्वतारोहण के अपने जुनून को भी लगातार आगे बढ़ाया। उन्होंने साबित किया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मन में उसे हासिल करने का दृढ़ निश्चय हो, तो उम्र या पारिवारिक जिम्मेदारियां सफलता की राह में बाधा नहीं बनतीं। जानकारी के अनुसार डॉ. आशा ने 21 अगस्त को यूरोप स्थित माउंट एल्ब्रुस पर तिरंगा फहराया। इसके बाद 29 अगस्त को अफ्रीका की माउंट किलिमंजारो चोटी पर भी सफलतापूर्वक पहुंचकर भारत का गौरव बढ़ाया।

दोनों चोटियों को फतह करने के बीच का प्रभावी पर्वतारोहण समय केवल छह दिन रहा। कम समय में दो अलग-अलग महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर पहुंचना उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। डॉ. आशा ने अपनी इस उपलब्धि के माध्यम से केवल पर्वतारोहण का कीर्तिमान ही स्थापित नहीं किया, बल्कि समाज को महत्वपूर्ण संदेश भी दिया। उन्होंने 'बेटी बचाओ' और महिला सशक्तीकरण का संदेश दुनिया तक पहुंचाने का प्रयास किया। चोटियों पर तिरंगा फहराते हुए उन्होंने यह संदेश दिया कि बेटियों को अवसर, प्रोत्साहन और उचित मार्गदर्शन मिले तो वे देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन कर सकती हैं।

डॉ. आशा का परिवार भी उनकी सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है। उनकी बेटी डॉक्टर है, जबकि बेटा इंजीनियर के रूप में अपने भविष्य की दिशा तय कर रहा है। बच्चों की शिक्षा और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने अपने साहसिक लक्ष्य को पूरा किया। यह उपलब्धि उन महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों के कारण अपने सपनों को पीछे छोड़ देती हैं। पर्वतारोहण के दौरान ऊंचाई, मौसम, कम तापमान और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यूरोप और अफ्रीका की प्रमुख चोटियों को कम समय में फतह करना आसान नहीं होता। डॉ. आशा की सफलता उनके अनुशासन, तैयारी और आत्मविश्वास का परिणाम मानी जा रही है। उनकी उपलब्धि से रेवाड़ी सहित पूरे हरियाणा में खुशी और गर्व का माहौल है। डॉ. आशा ने अपनी इस कामयाबी से यह संदेश दिया है कि मेहनत, हौसले और निरंतर प्रयास से असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। उनकी कहानी न केवल पर्वतारोहण के क्षेत्र में प्रेरणा देती है, बल्कि युवाओं और विशेषकर बेटियों को बड़े सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने के लिए आगे बढ़ने का हौसला भी देती है।

डॉ. आशा की इस उपलब्धि ने रेवाड़ी और हरियाणा में गर्व की भावना पैदा की है। उनके साहसिक अभियान से यह साबित हुआ है कि महिलाएं किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। पर्वतारोहण जैसे कठिन क्षेत्र में सफलता हासिल कर उन्होंने युवाओं को भी लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी है। परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने वाली डॉ. आशा की कहानी महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है।

आधी रात को सिरसा से भिवानी पहुंचे रक्तदाता एबी पॉजिटिव रक्त देकर बचाई मरीज की जान

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

चरखी दादरी जिले के बौंद निवासी एक मरीज की हालत अचानक बिगड़ गई। चिकित्सकों ने मरीज के लिए तत्काल एबी पॉजिटिव फ्रेश ब्लड की आवश्यकता बताई। परिजनों ने देर रात कई ब्लड बैंकों में रक्त की तलाश की, लेकिन कहीं भी जरूरी रक्त उपलब्ध नहीं हो सका। ऐसे मुश्किल समय में सिरसा के एक रक्तदाता ने भिवानी पहुंचकर मरीज की जान बचाने में मदद की। मरीज के लिए रक्त उपलब्ध कराने को लेकर परिजन लगातार प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा से संपर्क किया। राजेश डुडेजा ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सिरसा बिजली निगम में कार्यरत राजेश जांगड़ा से संपर्क किया।

जांगड़ा एबी पॉजिटिव रक्तदाता हैं। मरीज की जरूरत के बारे में जानकारी मिलते ही उन्होंने बिना समय गंवाए भिवानी पहुंचने का निर्णय लिया। आधी रात को सिरसा से भिवानी के लिए रवाना हुए राजेश जांगड़ा अस्पताल पहुंचे और मरीज के लिए रक्तदान किया। समय पर एबी पॉजिटिव रक्त मिलने के बाद चिकित्सकों ने मरीज को रक्त चढ़ाया। इसके बाद मरीज की हालत स्थिर होने लगी। परिजनों ने राहत की सांस ली और रक्तदाता का आभार जताया। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर जरूरत के समय रक्तदान की महत्ता को सामने रखा। रात के समय जब परिजन रक्त की तलाश में कई जगह भटक रहे थे, तब राजेश जांगड़ा ने बिना किसी देरी के आगे बढ़कर मदद की।

उनकी तत्परता से मरीज को समय पर जरूरी रक्त मिल सका। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने कहा कि स्वस्थ लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवन बचाने वाला कदम साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी मरीज की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। रक्तदाता राजेश जांगड़ा की इस पहल की लोगों ने सराहना की। मुश्किल समय में आधी रात सिरसा से भिवानी पहुंचकर रक्तदान करने का उनका निर्णय मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल बना है।

न्यूज ब्रीफ

मकान दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगना पड़ा भारी, कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठ में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान आवंटन कराने के नाम पर छह हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में आवास विकास के आउटसोर्सिंग कर्मचारी अभिनव शर्मा को एंटीकरप्शन यूनिट ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि कर्मचारी ने मकान आवंटन की प्रक्रिया में मदद करने के बदले रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद मेरठ एंटीकरप्शन यूनिट की टीम ने मामले की जांच की और जाल बिछाकर कार्रवाई की। टीम ने कर्मचारी को छह हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए मौके पर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, रिश्वत के एक अन्य मामले में आरोपी कैंट बोर्ड के पूर्व मनोनीत सदस्य डॉ. सतीश शर्मा को हाईकोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। दोनों मामलों को लेकर मेरठ में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई चर्चा में है।

आगरा में 200 घरों पर कार्रवाई का खतरा, सिंचाई विभाग ने भेजे नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली आगरा के खंदारी स्थित बापू नगर में सिंचाई विभाग की बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में रिट दायर होने के बाद विभाग ने कार्रवाई शुरू करते हुए करीब 200 कब्जेदारों को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कब्जेदारों से जमीन खाली करने को कहा गया है। जानकारी के अनुसार, बापू नगर से सिंचाई विभाग की जमीन पर सिकंदरा रजवाहा गुजरता था, जो अब अस्तित्व में नहीं है। नहर और विभाग की जमीन के बड़े हिस्से पर लंबे समय से लोगों के कब्जे बताए जा रहे हैं। कई स्थानों पर मकान और अन्य निर्माण भी किए गए हैं। लंबे समय से कब्जे की स्थिति बने रहने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने पर सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। एनजीटी में मामला पहुंचने के बाद विभाग ने कब्जेदारों को नोटिस देकर जमीन खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे बापू नगर के करीब 200 परिवारों पर कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है।

कैंसर की जड़ बताएगा एआई, आईआईआईटी-दिल्ली ने बनाया 'म्यूटएआईवर्स'

एजेंसी, नई दिल्ली दिल्ली के इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी-दिल्ली) के शोधकर्ताओं ने कैंसर की शुरुआत के कारणों का पता लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शोधकर्ताओं ने 'म्यूटएआईवर्स' नामक जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफॉर्म विकसित किया है। यह प्लेटफॉर्म डीएनए में हुए नुकसान और आनुवंशिक बदलावों का विश्लेषण करके यह पता लगाने की कोशिश करता है कि कैंसर की शुरुआत किन संभावित कारणों से हुई। इसमें शरीर के रसायनों और पर्यावरणीय कारकों के संपर्क की जानकारी हासिल करने पर जोर दिया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, म्यूटएआईवर्स संभावित रूप से यह पहचानने में मदद कर सकता है कि व्यक्ति वायु प्रदूषण, कीटनाशक, कृषि रसायन या रेडिएशन जैसे कारकों के संपर्क में आया था या नहीं। डीएनए में मौजूद म्यूटेशन के पैटर्न का अध्ययन कर एआई इन संभावित कारणों के संकेत तलाशता है। यह तकनीक कैंसर के इलाज के साथ-साथ बीमारी की उत्पत्ति को समझने में भी मददगार साबित हो सकती है।

प्रयागराज में 'मिशन सेफ भविष्य 3.0' शुरू: 15 साल से पुरानी स्कूली गाड़ियां होंगी सीज, प्रबंधन पर भी गिरेगी गाज

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में स्कूली छात्रों के सुरक्षित आवागमन और सुरक्षा मानकों का पालन कराने के लिए परिवहन विभाग द्वारा 'मिशन सेफ भविष्य (फ्यूचर) अभियान 3.0' की शुरुआत की गई है। यह विशेष जांच अभियान 14 सितंबर (सोमवार) से शुरू हुआ है और 19 सितंबर तक जिले भर में चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 15 साल से अधिक पुराने अनधिकृत एवं खटारा स्कूली वाहनों के संचालन पर पूरी तरह रोक लगाना है।

विभाग के अनुसार, 15 वर्ष की समय सीमा पार कर चुके स्कूली वाहनों को तुरंत सीज किया जाएगा। इतना ही नहीं, यदि कोई स्कूल प्रशासन या प्रबंधक नियम विरुद्ध ऐसे असुरक्षित या बिना फिटनेस वाले वाहनों से बच्चों को ढोता हुआ पाया गया, तो संबंधित स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्य के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान आरटीओ और प्रवर्तन विभाग की टीमें सघन चेकिंग अभियान चला रही हैं। इसमें वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, इंश्योरेंस और चालकों के चरित्र सत्यापन की गहन जांच की जा रही है।

सुरक्षा नियमों के तहत छात्रा वाहनों में महिला परिचर (अटेंडेंट) की अनिवार्य मौजूदगी और चालकों की सतर्कता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गोल्डी बराड़ के नाम पर मांगी 200 करोड़ की रंगदारी दिल्ली की महिला को विदेशी नंबर से मिली धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के वीआईपी और पॉश इलाके सिविल लाइंस में रहने वाली एक 50 वर्षीय महिला से गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम पर 200 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दिल्ली में अब तक मांगी गई रंगदारी के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी रकम बताई जा रही है। धमकी देने वाले आरोपी ने महिला और उनके पति को रुपये न देने पर जान से मारने की सीधी चेतावनी दी है।

दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता अपने परिवार के साथ सिविल लाइंस क्षेत्र में रहती हैं और वहां उनकी मूल्यवान पुश्तैनी संपत्तियां मौजूद हैं। 7 सितंबर की रात करीब 10:44 बजे महिला के मोबाइल पर एक अज्ञात विदेशी (इंटरनेशनल) नंबर से वॉट्सऐप कॉल आई। फोन उठाने पर कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को पंजाब का कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ बताया। कॉलर ने दावा किया कि उसके पास महिला के परिवार, संपत्ति और रोजमर्रा की गतिविधियों के बारे में पूरी जानकारी है। इसके बाद उसने सीधे 200 करोड़ रुपये की एक्सटॉर्शन मनी की मांग रखी और पैसे न देने की सूरत में महिला तथा उनके पति की हत्या करने की धमकी दी।शुरुआती दौर में महिला और उनके परिवार ने इसे किसी शरारती तत्व की फर्जी या सिरफिरी कॉल मानकर नजरअंदाज कर दिया था।

हालांकि, इसके कुछ ही समय बाद जब महिला को दोबारा उसी अंदाज में धमकी भरी कॉल आई, तो पूरा परिवार गहरे खौफ और दहशत में आ गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता ने तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुंचकर आपबीती सुनाई और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। महिला की शिकायत और प्राथमिक जांच के आधार पर दिल्ली पुलिस ने 10 सितंबर को सिविल लाइंस थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं 351(4) (आपराधिक धमकी), 308(4) (रंगदारी वसूलना) और 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मामले की संवेदनशीलता और मांगी गई 200 करोड़ रुपये की विशाल रकम को देखते हुए उत्तरी जिला पुलिस के अलावा दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी सक्रिय हो गई है। स्पेशल सेल और तकनीकी सर्विलांस टीमें अब कॉल की लोकेशन ट्रेस करने, साइबर ट्रेल खंगालने और विदेशी नंबर के सोर्स का पता लगाने में जुटी हुई हैं। पुलिस अधिकारी फिलहाल इस मामले की कई अलग-अलग कोणों से गहन जांच कर रहे हैं।

2027 चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा संगठनात्मक दांव, 17 पदों पर नियुक्तियां

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा में भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को जिला और बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश कार्यकारिणी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय टीम के गठन के बाद अब पार्टी का ध्यान जिला स्तर पर विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति पर है। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह तक सभी जिलों में इन पदों की सूची जारी की जा सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जिला स्तर पर युवा मोर्चा, किसान मोर्चा और महिला मोर्चा समेत कुल 17 प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के चयन को लेकर मंथन चल रहा है।

इन नियुक्तियों को आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी संगठन में ऐसे चेहरों को जिम्मेदारी देने की तैयारी है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होने के साथ कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ रखते हों। अध्यक्षों के चयन के लिए पार्टी ने एक विशेष रणनीति तैयार की है। इसमें जातीय समीकरणों को साधने के साथ युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देने पर जोर रहेगा। संगठन का मानना है कि अलग-अलग सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देकर पार्टी की जमीनी पकड़ को और मजबूत किया जा सकता है।

युवा मोर्चा के पदों पर सक्रिय और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को मौका मिलने की संभावना है। वहीं महिला मोर्चा में ऐसी महिला कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने पर विचार किया जा रहा है, जो लंबे समय से संगठन और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं। किसान मोर्चा में भी ऐसे पदाधिकारियों को आगे लाने की कोशिश होगी, जिनकी किसानों के बीच अच्छी पहुंच हो। भाजपा की रणनीति केवल जिला स्तर पर पद बांटने तक सीमित नहीं है। इन नियुक्तियों के जरिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत टीम तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रिंटर ठीक करने के बहाने घर में घुसे हमलावर शिक्षक पति ने दी पत्नी की हत्या की सुपारी

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के नंगली एक्सटेंशन की गली नंबर-1 में रविवार सुबह पत्नी की हत्या की साजिश का सनसनीखेज मामला सामने आया। आरोप है कि एक सरकारी स्कूल में शिक्षक पति ने अपनी पत्नी संध्या की हत्या के लिए बचपन के दोस्त को साढ़े तीन लाख रुपये की सुपारी दी। इसके बाद दोस्त ने अपने भाई और उसके एक साथी को वारदात को अंजाम देने के लिए भेजा।

पुलिस के अनुसार, दोनों हमलावर प्रिंटर देखने और उसे ठीक करने के बहाने संध्या के घर में दाखिल हुए। घर के अंदर करीब 40 मिनट तक रहने के बाद उन्होंने संध्या पर छह गोलियां चला दीं। गोलीबारी में तीन गोलियां संध्या को लगीं और वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने समय पर उपचार देकर उसकी जान बचा ली।

प्रिंटर देखने के बहाने घर में घुसे हमलावर, महिला पर चलाईं छह गोलियां।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए हमलावरों की पहचान की और मंगलवार को दीपक तथा आकाश को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को कथित तौर पर पता चला कि वारदात के पीछे संध्या का पति संदीप था। आरोप है कि उसने ही अपनी पत्नी की हत्या के लिए अपने बचपन के दोस्त को सुपारी दी थी। दोस्त ने अपने भाई और उसके साथी को महिला पर हमला करने के लिए भेजा था। पुलिस ने पूछताछ के बाद संदीप को भी गिरफ्तार कर लिया है, जबकि सुपारी लेने वाला दोस्त अभी फरार बताया जा रहा है।

पुलिस अब फरार आरोपित की तलाश कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हत्या की साजिश क्यों रची गई, सुपारी की रकम का भुगतान किस तरह किया गया और वारदात में इस्तेमाल हथियार कहां से उपलब्ध कराए गए।

आगरा सीएफटीआई में नए रोजगारपरक पाठ्यक्रम, आवेदन की तारीख बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय फुटवियर प्रशिक्षण संस्थान (सीएफटीआई), आगरा में सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 26 सितंबर तक आवेदन कर सकेंगे। संस्थान की ओर से इसे प्रवेश लेने का अंतिम अवसर बताया गया है। इसके बाद 28 सितंबर से कक्षाएं शुरू करने का प्रस्ताव है। प्रवेश प्रक्रिया और नए पाठ्यक्रमों को लेकर संस्थान में सोमवार को आवश्यक निर्देश जारी किए गए। सीएफटीआई आगरा देश में फुटवियर और इससे जुड़े उद्योगों के लिए तकनीकी रूप से प्रशिक्षित युवाओं को तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान है।

यहां संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को फुटवियर निर्माण, डिजाइन, उत्पादन और उद्योग से जुड़ी तकनीकी जानकारी दी जाती है। संस्थान का उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इस बार संस्थान के पाठ्यक्रमों में महत्वपूर्ण बदलाव भी किया जा रहा है।

अब नए रोजगारपरक पाठ्यक्रम नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल एंड एजुकेशन ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) के तहत संचालित किए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्य व्यावसायिक प्रशिक्षण व्यवस्था से जुड़ने का अवसर मिलेगा। नए पाठ्यक्रमों का फोकस उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकसित करने पर रहेगा। सीएफटीआई का इंग्लैंड के द टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट, लीसेस्टर के साथ करीब 31 वर्षों पुराना शैक्षणिक संबंध भी समाप्त हो चुका है। वर्ष 1994 से 2025 तक संस्थान के डिप्लोमा पाठ्यक्रम इंग्लैंड के इस संस्थान से संबद्ध रहे। इस लंबे शैक्षणिक सहयोग के दौरान विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की पाठ्यक्रम व्यवस्था और प्रशिक्षण प्रणाली से लाभ मिला।

मेरठ में 864 मेधावी छात्राएं स्कूटी योजना के लिए पात्र

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत दस्तावेज सत्यापन के बाद 864 छात्राएं पात्र पाई गई हैं। प्रदेश सरकार की इस योजना का उद्देश्य मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर और छह जिलों के संबद्ध महाविद्यालयों की शीर्ष पांच प्रतिशत छात्राओं को योजना के लिए चयनित किया गया था। प्रारंभिक सूची में छह जिलों से कुल 1156 छात्राएं अर्ह पाई गई थीं। इसके बाद पात्रता सुनिश्चित करने के लिए उनके दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान कई छात्राओं के दस्तावेज अधूरे पाए गए। करीब 110 छात्राएं दूसरे राज्यों की रहने वाली मिलीं, जबकि 182 छात्राओं ने निर्धारित प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किए।

महिला बाइक राइडर को टक्कर मामले में आरोपी के वकील का बड़ा दावा

एजेंसी, नई दिल्ली

लिंचिंग के डर से भागा आरोपी, वकील का दावा

गुरुग्राम की गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर सिया को कार से टक्कर मारने के मामले में गिरफ्तार किए गए कल्याण बैंसला के वकील ने अपने मुवक्किल का बचाव करते हुए कई दावे किए हैं। वकील नवीन बैंसला का कहना है कि हादसे के बाद कल्याण मौके से इसलिए चला गया, क्योंकि उसे भीड़ द्वारा पीटे जाने यानी लिंचिंग का डर था। वकील के मुताबिक, हादसे के समय सड़क पर मौजूद बाइक सवार कथित तौर पर तेज रफ्तार में चल रहे थे।

उन्होंने दावा किया कि बाइक सवारों की गति अधिक थी और इसी वजह से स्थिति बिगड़ी। वकील ने यह भी आरोप लगाया कि बाइक सवारों ने कल्याण को उकसाया, जिसके बाद वह घबरा गया और मौके से निकल गया। गुरुग्राम की गोल्फ कोर्स रोड पर हुए इस हादसे के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था। महिला बाइक राइडर सिया को कार से टक्कर लगने के बाद घटना को लेकर पुलिस कार्रवाई शुरू हुई और कल्याण बैंसला को गिरफ्तार किया गया। हादसे के बाद मौके से कार चालक के चले जाने को लेकर भी सवाल उठे थे। आरोपी के वकील का कहना है कि उनके मुवक्किल का मौके से भागने का उद्देश्य कानून से बचना नहीं था, बल्कि उस समय पैदा हुई परिस्थितियों के कारण वह डर गया था। वकील ने कहा कि कल्याण को आशंका थी कि घटनास्थल पर मौजूद लोग उसके साथ मारपीट कर सकते हैं।

इसी डर के कारण उसने वहां रुकने के बजाय निकलना उचित समझा। वकील नवीन बैंसला ने अपने मुवक्किल पर लगाए जा रहे आरोपों के बीच यह भी कहा कि घटना को केवल एकतरफा तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए। उनका दावा है कि हादसे से पहले सड़क पर बाइक सवारों की गति और उनके व्यवहार की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों का निष्पक्ष तरीके से परीक्षण जरूरी है। मामले में पुलिस की जांच महत्वपूर्ण होगी।

नोएडा की पॉश सोसायटी में पानी का कहर, 350 परिवार बेहाल

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-94 स्थित सुपरटेक सुपरनोवा सोसायटी में करीब 350 परिवार इन दिनों गंदे और कीड़े वाले पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। करोड़ों रुपये की कीमत वाले फ्लैटों में रहने वाले लोगों का आरोप है कि उनके घरों में नलों के जरिए बदबूदार, पीले-काले रंग का पानी पहुंच रहा है। कई निवासियों ने पानी में कीड़े मिलने की शिकायत भी की है। इससे बच्चों में त्वचा संबंधी परेशानियां होने की बात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, सुपरनोवा के ईस्ट और वेस्ट आवासीय टावरों में लगभग 350 परिवार रहते हैं। सोसायटी में फिलहाल गंगाजल की आपूर्ति बंद है। ऐसे में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भूजल का इस्तेमाल किया जा रहा है।

भूजल को शोधित करके घरों तक पहुंचाने वाला सॉफ्टनर प्लांट खराब होने के कारण पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने की बात कही जा रही है। दिल्ली से नोएडा आकर रहने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गीता मिश्रा ने बताया कि बीते दिनों उनके किचन के नल से बेहद बदबूदार पानी आया। पानी का रंग पीला और काला था। उन्होंने दावा किया कि पानी में छोटे-छोटे कीड़े रेंगते हुए दिखाई दिए। उनका कहना है कि इस तरह के पानी का इस्तेमाल खाना बनाने और पीने के लिए करना बेहद चिंताजनक है।

निवासियों के अनुसार, दूषित पानी की वजह से बच्चों की त्वचा पर परेशानी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें सामने आ रही हैं। लोगों में इस बात को लेकर भी चिंता है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। सोसायटी के निवासियों की मांग है कि खराब सॉफ्टनर प्लांट को तत्काल ठीक कराया जाए, पानी की टंकियों और पाइपलाइनों की सफाई कराई जाए तथा पानी की गुणवत्ता की स्वतंत्र प्रयोगशाला से जांच कराई जाए। निवासी चाहते हैं कि जब तक शुद्ध जल की व्यवस्था नहीं होती, तब तक उन्हें सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए। लोगों का कहना है कि महंगे फ्लैट खरीदने के बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधा के रूप में स्वच्छ पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। नोएडा सुपरनोवा के निवासियों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि दूषित पानी की समस्या का जल्द समाधान कर परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

दिल्ली से पटना की दूरी होगी महज 5 घंटे, हाई स्पीड रेल परियोजना ने पकड़ी रफ्तार

1,557 किमी लंबा हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, दिल्ली से सिलीगुड़ी तक बदलेगा सफर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-वाराणसी-पटना-सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रस्तावित परियोजना के तहत दिल्ली से पटना और आगे सिलीगुड़ी तक हाई स्पीड ट्रेन चलाने की योजना है। इस महत्वाकांक्षी कॉरिडोर के पूरा होने के बाद दिल्ली और बिहार के बीच यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, दिल्ली से पटना की दूरी हाई स्पीड रेल के जरिए करीब पांच घंटे में पूरी की जा सकेगी। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रेल मंत्रालय को सौंप दी है। इसके साथ ही परियोजना को जमीन पर उतारने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ने लगी है।

प्रस्तावित हाई स्पीड रेल नेटवर्क की कुल लंबाई करीब 1,557 किलोमीटर बताई जा रही है। परियोजना को दो चरणों में विकसित करने की तैयारी है। पहले चरण में दिल्ली से वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में इसे वाराणसी से पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक बढ़ाने की योजना है। इस विस्तार से उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के महत्वपूर्ण शहरों के बीच तेज रेल कनेक्टिविटी स्थापित होगी। दिल्ली-वाराणसी खंड की डीपीआर तैयार होने के बाद अब ग्राउंड सर्वे और परियोजना से जुड़े शुरुआती तकनीकी कार्यों की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। ने वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तैनाती के लिए 7 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत तीन विशेष कार्य अधिकारी और तीन अपर महाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों की तैनाती की जाएगी।

अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया अगले 30 दिनों में पूरी करने की तैयारी है। दिल्ली, नोएडा, नई दिल्ली, आगरा, लखनऊ, वाराणसी और पटना में तैनात किए जाने वाले अधिकारियों को परियोजना के ग्राउंड ऑपरेशन की जिम्मेदारी दी जाएगी। ये अधिकारी सर्वे, तकनीकी तैयारियों और जमीन से जुड़े प्रारंभिक कार्यों की निगरानी करेंगे। इस हाई स्पीड रेल कॉरिडोर को पूर्वी भारत के लिए महत्वपूर्ण परिवहन परियोजना माना जा रहा है। इसके बनने से दिल्ली से उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तक तेज और आधुनिक रेल संपर्क मजबूत होगा। हालांकि परियोजना के अलग-अलग चरणों में निर्माण, भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही ट्रेन संचालन शुरू हो सकेगा। परियोजना का उद्देश्य देश में हाई स्पीड रेल नेटवर्क का विस्तार करना और प्रमुख शहरों के बीच यात्रा को तेज, सुविधाजनक और आधुनिक बनाना है। दिल्ली-वाराणसी खंड की डीपीआर सौंपे जाने के बाद अब इस परियोजना की अगली प्रक्रियाओं पर नजर रहेगी।

सिलीगुड़ी तक दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, सफर होगा आसान

दिल्ली-वाराणसी-पटना-सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।

प्रस्तावित परियोजना के तहत दिल्ली से पटना और आगे सिलीगुड़ी तक हाई स्पीड ट्रेन चलाने की योजना है। इस महत्वाकांक्षी कॉरिडोर के पूरा होने के बाद दिल्ली और बिहार के बीच यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, दिल्ली से पटना की दूरी हाई स्पीड रेल के जरिए करीब पांच घंटे में पूरी की जा सकेगी।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रेल मंत्रालय को सौंप दी है। इसके साथ ही परियोजना को जमीन पर उतारने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ने लगी है।

न्यूज ब्रीफ

कांगड़ा में आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। बिजली उपमंडल नंबर-1 कांगड़ा के तहत 16 सितंबर को आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता इंजी. पुलकित दीक्षित ने बताया कि 11 केवी कांगड़ा मंदिर फीडर और 11 केवी जयंती विहार फीडर को सुबह नौ बजे से कार्य समाप्ति तक बंद रखा जाएगा। इस दौरान तारों के साथ लगती पेड़ों की टहनियों की कटाई सहित जरूरी रखरखाव कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बिजली बंद रहने से सिविल अस्पताल कांगड़ा, कॉलेज रोड, राजपूत सभा, तहसील चौक, सिविल कोर्ट कांगड़ा, नटेहड़, ढूंगा बाजार, मिशन रोड, जयंती विहार, सुनियारा बाजार, वीआरसी सराय, बुडलाड़ा सराय और जमानाबाद रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारण निर्धारित दिन कार्य पूरा नहीं हो सका तो इसे अगले दिन किया जाएगा।

सुरेंद्र काकू बने हिमाचल कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कांगड़ा के पूर्व विधायक एवं पूर्व मुख्य संसदीय सचिव चौधरी सुरेंद्र काकू को पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से कांगड़ा सहित प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर सुरेंद्र काकू ने मुख्यमंत्री सुक्खू, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वह आभारी हैं। पार्टी की ओर से सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से जनता के बीच रखना उनकी प्राथमिकता रहेगी। संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। सुरेंद्र काकू का राजनीतिक एवं संगठनात्मक अनुभव लंबा रहा है। वह कांगड़ा के विधायक और मुख्य संसदीय सचिव रह चुके हैं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि वह नई जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाएंगे।

मंडी : कांगणी धार संस्कृति सदन मोतीपुर में भाषा व संस्कृति विभाग द्वारा हिंदी दिवस के मौके पर साहित्यिक चर्चा व कविता पाठ में शामिल साहित्यिकार।

दिशा की समीक्षा बैठक 19 को बचत भवन बिलासपुर में

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आगामी 19 सितंबर को बचत भवन बिलासपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक प्रातः 10:30 बजे शुरू होगी। बैठक की अध्यक्षता हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर करेंगे। बैठक में जिले में केंद्र सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं तथा विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है। यह जानकारी उपायुक्त एवं जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के सदस्य राहुल कुमार ने दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बैठक में आवश्यक जानकारी और प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और समिति से जुड़े सदस्य भाग लेंगे।

टांडा अस्पताल की चौथी मंजिल से कूदी युवती, मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं अस्पताल टांडा में जहरीला पदार्थ खाने के बाद भर्ती 27 वर्षीय युवती की चौथी मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना तड़के करीब पांच बजे हुई। युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतका धीरा क्षेत्र की रहने वाली है। उसे जहरीला पदार्थ खाने के बाद गंभीर हालत में टांडा अस्पताल लाया गया था। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, युवती को उपचार के लिए पहले इमरजेंसी में भर्ती किया गया और गंभीर स्थिति को देखते हुए रातभर आईसीयू में रखा गया। अस्पताल के प्राचार्य डॉ. मिलाप शर्मा ने बताया कि युवती को जहरीला पदार्थ खाने के बाद अस्पताल लाया गया था। उपचार के दौरान उसकी हालत में सुधार हो रहा था। बताया जा रहा है कि उसकी स्थिति खतरे से बाहर आने लगी थी। इसी बीच युवती स्टाफ और परिजनों की नजरों से बचकर अस्पताल की चौथी मंजिल की खिड़की तक पहुंच गई और नीचे गिर गई। ऊंचाई से गिरने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद अस्पताल के सुरक्षा कर्मी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। अस्पताल परिसर में घटना की सूचना फैलते ही लोगों की भीड़ जुट गई।

आइओटी प्रोजेक्ट से दिखाई तकनीकी प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कांगड़ा में इंजीनियर दिवस के अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आइओटी) आधारित विभिन्न प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान, नवाचार, रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा देना रहा। विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार तकनीक के साथ आइओटी आधारित अनुप्रयोगों की जानकारी दी। उन्होंने अपने तकनीकी ज्ञान और प्रयोगात्मक दक्षता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष अरुण भारती के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य राजिंदर सिंह बरवाल ने विद्यार्थियों को इंजीनियर दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रस्तुत प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में निरंतर नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करने का उपयोगी मंच बनी।

चार दिन से लापता दो युवकों के शव बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। चार दिन से जारी तलाश मंगलवार सुबह एक दर्दनाक तस्वीर पर जाकर थमी। किन्नौर के पोवारी से 9 सितंबर को लापता दो युवकों का वाहन शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में मंगलाघाट खड्ड के पास गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त मिला। वाहन में सवार दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने रेस्क्यू टीम की मदद से दोनों शवों को खड्ड से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार दोनों युवक मारुति सुजुकी एर्टिगा में सवार थे। दोनों के लापता होने के बाद पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। मंगलवार सुबह मंगलाघाट खड्ड के पास वाहन गहरी खड्ड में दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिला। वाहन के भीतर दोनों युवक मृत पाए गए। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय अरविंदर नेगी पुत्र अनिल कुमार, और 22 वर्षीय प्रशांत गंधर्व पुत्र मनोहर लाल के रूप में हुई है। दोनों किन्नौर जिले के पोवारी डाकघर तंगलिंग तहसील कल्पा के निवासी थे। दुर्घटनास्थल राष्ट्रीय राजमार्ग-05 से नीचे गहरी खड्ड में था। पुलिस ने शवों को बाहर निकालने के लिए प्रशासन से एनडीआरएफ और रेस्क्यू टीम की सहायता मांगी। रेस्क्यू टीम की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

लुधियाना स्कूल का कार्तिक वॉलीबॉल में करेगा सिरमौर का प्रतिनिधित्व

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। अंडर -19 छात्र वर्ग की जिला स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिताओं में संगड़ाह जॉन के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लुधियाना का वॉलीबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। यहां के छात्र कार्तिक ने वॉलीबॉल में अच्छा प्रदर्शन किया। जिसके कारण इस खिलाड़ी का चयन शिमला के कुपवी में होने वाली छात्र वर्ग की अंडर -19 राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए किया गया है। संगड़ाह जॉन के इस खिलाड़ी के चयन को लेकर स्कूल एसएमसी अध्यक्ष बलिंद्र ठाकुर ने बताया कि उनके चयन से जहां क्षेत्र का नाम रोशन होगा वहीं अन्य रूचि में खेलों के प्रति बढ़ेगी। यह स्कूल के अध्यापकों के परिश्रम का परिणाम है कि इस विद्यालय का छात्र राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में जिला सिरमौर का नेतृत्व करेगा।

बगलामुखी मंदिर सेहली में धूमधाम से मनाई वार्षिक जाग, डायनियां रहीं विजयी

तीन बार देवता विजयी रहे व चार बार डायनियां, अंतिम युद्ध में डायनियां 'शिख-पाथा' लेकर चली गईं

◆ माता ने गूर के माधयम से दी चेतावनी मनुष्य प्रकृति व देवनीति के साथ कर रहा छेड़छाड़

◆ देव स्थलों को पर्यटन स्थल बनाया जा रहा है, जो देवनीति के विरुद्ध है

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिले के तुगल क्षेत्र के प्रसिद्ध शक्ति पीठ माता बगलामुखी मंदिर सेहली में वार्षिक जाग का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास व भक्ति भाव के साथ किया गया।

इस अवसर पर सेहली मंदिर में भजनों की अविरल धारा बही। मंदिर के पुजारी अमरजीत शर्मा ने बताया कि जाग के अवसर पर पंचकूला हरियाणा के प्रसिद्ध गायक जस पाल जस्सी और जय पाल सहोता, यतिन, अभीनव ,अग्नि भजन मंडली साईंगलु, शर्मा भजन मंडली सेहली व गायक नंद लाल द्वारा माता के भजनों की प्रस्तुति दी गई। जिससे सारा मंदिर परिसर भक्तिरस में झूम उठा। भजनों में आज मेरी मैया ने औणा है, जय देवा कमरुनागा हो, आया लोडी मंडी मेले जो,ऊंचे पहाड़ा लाया डेरा ओ शेरावालिए, और सेहली धारा री भगवती ये, करी लेने दर्शन तेरे माईये जैसे भक्ति गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पुजारी अमरजीत शर्मा ने बताया कि रात 12 बजे माता की विशेष पूजा-अर्चना के साथ जाग का आयोजन आरंभ हुआ। इस जाग का विशेष धार्मिक महत्व है। जाग के दौरान देवताओं और डायनियों के मध्य हुए युद्ध की कथा भी सुनाई गई। जिसमें गूर ने देववाणी के माध्यम से बताया कि देवता आषाढ माह की शैण देवी एकादशी को युद्ध के लिए प्रस्थान करते हैं और इसका निर्णायक युद्ध भाद्रपद माह में होता है। पहला युद्ध समुद्र के टापू पर तथा अंतिम युद्ध 'घोषर धार' नामक स्थान पर होता है। इस युद्ध में कुल सात बार देवताओं और डायनियों के बीच मुठभेड़ हुई। इनमें से तीन बार देवता विजयी रहे और चार बार डायनियां। अंतिम युद्ध में डायनियां 'शिख-पाथा' लेकर चली गईं, जिसके कारण इस वर्ष उन्हें विजयी माना गया। डायनियों की विजय को भविष्य के लिए चेतावनी माना जा रहा है। इससे जनमानस को भूकंप, बाढ़, अकाल मृत्यु, दुर्घटना जैसी आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है। माता ने गूर के माध्यम से अपने भक्तों को आश्वस्त किया कि वह उन्हें सुरक्षा कवच प्रदान करेंगी। माता ने यह चेतावनी भी दी कि मनुष्य प्रकृति और देवनीति के साथ छेड़छाड़ कर रहा है, जिससे ये आपदाएं बढ़ रही हैं। यदि अब भी नहीं चेते, तो भविष्य में और भी भयावह परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देव स्थलों को पर्यटन स्थल बनाया जा रहा है, जो देवनीति के विरुद्ध है। देवता शांत, स्वच्छ और पवित्र स्थानों में वास करते हैं। मां बगलामुखी दस महाविद्याओं में एक प्रमुख देवी हैं, जो कलियुग में तुरंत प्रभाव देने वाली देवी मानी जाती हैं। वह सदैव अपने भक्तों का कल्याण करती हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने रेणुका जी में किया पांच सड़कों का वर्चुअल शिलान्यास

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वर्चुअल माध्यम से सिरमौर जिले के श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-4 के पहले चरण के तहत पांच महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास किए।

इन परियोजनाओं पर कुल 28.22 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। परियोजनाओं में बिरला-गाटू से मढारा, कटवारी बगराथ से बिरला, ठाकर से कुज्जेवाला, गांव बखान से केलेवाला तथा खरकोली से उंग्गर कांडो सड़क शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को इन परियोजनाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में सड़कें विकास और प्रगति की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में संपर्क सुविधा बेहतर होगी तथा लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक सुगम पहुंच मिलेगी। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दुर्गम क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने और सड़कों की स्थिति सुधारने को प्राथमिकता दे रही है। सांसद सुरेश कुमार कश्यप ने कहा कि पीएमजीएसवाई ने देशभर में ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सिरमौर में इन परियोजनाओं की स्वीकृति ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता अरविंद शर्मा सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य मौजूद रहे।

पठानकोट में अवैध खनन करते चार आरोपी काबू

धुस्सी बांध के पास छापेमारी, पोकलेन-जेसीबी और टिप्पर जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट जिले के थाना नरोट जैमल सिंह क्षेत्र के गांव दतियाल फिरोजा में धुस्सी बांध के पास अवैध खनन के खिलाफ पुलिस और खनन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार तड़के की गई छापेमारी में टीम ने अवैध खनन में कथित रूप से संलिप्त चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में इस्तेमाल की जा रही एक पोकलेन मशीन, एक जेसीबी और बिना नंबर प्लेट का टिप्पर भी जब्त किया गया।

खनन विभाग के जूनियर इंजीनियर-कम-माइनिंग इंस्पेक्टर रिशू शर्मा और थाना नरोट जैमल सिंह के सब इंस्पेक्टर मुनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पिंड दतियाल फिरोजा में धुस्सी बांध के समीप दबिश दी। पुलिस के अनुसार, टीम को सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर बिना अनुमति अवैध रूप से खनन किया जा रहा है। मौके पर पहुंचने पर भारी मशीनों की मदद से खनन किए जाने की बात सामने आई।

टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मशीनों के ऑपरेटर, हेल्पर और टिप्पर चालक को काबू कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जोगेश कुमार उर्फ काका निवासी रायपुर कथलौर, सुनील कुमार निवासी खुशीनगर छन्नी, लखविंदर सिंह उर्फ लक्की निवासी फतेहपुर और गुरविंदर सिंह उर्फ लवली निवासी वजीरपुर अफगाना, जिला गुरदासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने पोकलेन मशीन नंबर एन635डी00118, जेसीबी नंबर एचएआर4डीएक्सएस4एल03298 255 और बिना नंबर प्लेट वाले टिप्पर को जब्त किया। टिप्पर में करीब 100 क्यूबिक फीट कच्चा माल लदा था। पुलिस ने खनन निरीक्षक रिशू शर्मा की शिकायत पर चारों के खिलाफ माइंस एंड मिनरल्स एक्ट की धारा 21(1) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर मुनीष कुमार कर रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा तैयार, हर बूथ पर जलेंगे 100 दीपक

भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। भारतीय जनता पार्टी ने झंडूता विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंगलवार को अभियान के लिए नियुक्त संयोजकों और सह-संयोजकों की बैठक हुई, जिसमें विधायक जीतराम कटवाल ने विशेष रूप से शिरकत कर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मंडल स्तर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत नौ प्रमुख कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इनमें आशीर्वाद का दीपक, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान और रंगोली राष्ट्र कार्यक्रम शामिल हैं। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर झंडूता विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर 100-100 दीपक जलाए जाएंगे। इसके लिए बैठक के बाद सभी बूथों के प्रभारियों को दीपक वितरित कर दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को राजनीति का आधार बनाकर देश को नई दिशा दी है। भारत आत्मनिर्भरता से विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित और अनुशासित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से जुटने का आह्वान किया।

जल शक्ति विभाग में होगी जूनियर ड्राफ्ट्समैन की बैचवाइज भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जल शक्ति विभाग में जूनियर ड्राफ्ट्समैन (सिविल) के 7 पद बैचवाइज भर्ती के आधार पर भरे जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस भर्ती में सामान्य वर्ग के 3 पद और सामान्य (आईआरडीपी), सामान्य (ईडब्ल्यूएस), एससी तथा एससी (बीपीएल) का एक-एक पद भरा जाएगा। इस भर्ती प्रक्रिया में अभी तक के ताजा बैच के अभ्यर्थी भी भाग ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि बैचवाइज भर्ती में भाग लेने के लिए रोजगार कार्यालय में पंजीकरण आवश्यक है। उन्होंने जिला के पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने नाम नजदीकी रोजगार कार्यालय की लिस्ट में जरूर देखें और लिस्ट में नाम न होने की स्थिति में 18 सितंबर से पहले विभाग की वेबसाइट पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित करें।

जनगणना ड्यूटी में लगे पदोन्नत जेबीटी शिक्षकों को वर्तमान स्कूल में ही कार्यभार ग्रहण करवाने की मांग

◆ पदोन्नति की राह में जनगणना ड्यूटी बनी गले की फांस

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जनगणना ड्यूटी में तैनात जेबीटी अध्यापकों को पदोन्नति मिलने के बावजूद पदोन्नत पद पर कार्यभार ग्रहण करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। पदोन्नति आदेश जारी होने के 20 दिन बाद भी शिक्षा विभाग की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए गए हैं, जिससे पदोन्नत अध्यापकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा, मंडी द्वारा कार्यालय आदेश दिनांक 25 अगस्त के तहत जेबीटी अध्यापकों को मुख्य शिक्षक के पद पर पदोन्नत कर विभिन्न पाठशालाओं में नियुक्ति दी गई है, लेकिन जनगणना ड्यूटी में तैनात होने के कारण इन अध्यापकों को वर्तमान पाठशाला से कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा है। जनगणना विभाग द्वारा 31 मार्च 2027 तक कार्यभार मुक्त करने में असमर्थता जताई गई है। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कहा कि एक ओर विभाग ने पदोन्नति आदेश जारी कर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर जनगणना ड्यूटी के कारण अध्यापक पदोन्नत पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। 20 दिन बीत जाने के बावजूद शिक्षा विभाग द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी न करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनगणना ड्यूटी में लगे पदोन्नत जेबीटी अध्यापकों को वर्तमान पाठशाला में ही पदोन्नत पद का कार्यभार ग्रहण करवाने के आदेश जारी किए जाएं। जनगणना ड्यूटी समाप्त होने के बाद उन्हें पदोन्नत पद वाले विद्यालय में भेजने की व्यवस्था की जा सकती है। नरेश ठाकुर ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सेवाएं दे रहे कर्मचारियों की पदोन्नति को प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा विभाग से तत्काल स्पष्ट आदेश जारी कर पदोन्नत अध्यापकों की वरिष्ठता, वेतन वृद्धि तथा अन्य सेवा लाभ सुरक्षित करने की मांग की है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर दिव्यांगजनों को मिलेंगे आधुनिक उपकरण

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर हमीरपुर में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे बचत भवन में होगा। इसमें सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि होंगे। जिला प्रशासन, जिला रेडक्रॉस सोसायटी और भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से होने वाले शिविर में मार्च में आयोजित आकलन शिविरों में चिन्हित पात्र लाभार्थियों को आधुनिक कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देने के लिए कार्य कर रही है। एडीआईपी और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। लाभार्थी पंजीकरण रसीद और आधार कार्ड साथ लाएं।

रात के अंधेरे में गांव के साथ जंगल में फेंका जा रहा शहर का कचरा, ग्रामीणों में रोष

जंगल में फेंके 10-12 टिप्पर, सुजानपुर पुलिस और प्रदूषण बोर्ड ने शुरू की जांच

> पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के हमीरपुर स्थित अधिकारी राहुल शर्मा का कहना था कि मौके पर गए थे और अब इसकी जांच शुरू कर दी गई है। कुछ जगह पर कचरे को ठिकाने लगाया गया है। लोगों से बातचीत भी हुई है और अब सारी जांच पूरी होने के बाद अगली करवाई जाएगी।

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विधानसभा क्षेत्र सुजानपुर के चबूतरा के पास पस्तल-बनियाल इलाके में हमीरपुर शहर का कचरा जंगल में ठिकाने लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पिछले कुछ समय से अज्ञात लोगों द्वारा रात के अंधेरे में 10 से 12 टिप्पर कचरा यहां लाकर फेंका जा चुका है।

मंगलवार को ग्रामीणों ने कचरा लेकर आए एक टिप्पर को रंगे हाथों पकड़ लिया। ड्राइवर को घेर कर पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि वह हमीरपुर बाईपास के एक व्यक्ति के कहने पर पिछले कई दिनों से लगातार यहां कचरा फेंक रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बीती रात भी एक टिप्पर कचरा फेंकने पहुंचा था, जिसे लोगों ने घेर लिया। इसके बाद सुबह होते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठे हो गए। यह पूरा क्षेत्र पुलिस थाना सुजानपुर के अंतर्गत पड़ता है, इसलिए ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पुलिस थाना सुजानपुर में दर्ज करवाई है। सूचना मिलते ही मंगलवार दोपहर को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल की। स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि हमीरपुर नगर निगम क्षेत्र के कचरे को इस साफ-सुथरे जंगलाती इलाके में रात के अंधेरे में इसलिए फेंका जा रहा है ताकि किसी को कानों-कान खबर न लगे। गनीमत रही कि रात को लोगों ने टिप्पर पकड़ लिया, नहीं तो यह गोरखधंधा चलता रहता।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध डंपिंग को अंजाम देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए और जंगल में फेंके गए कचरे को तुरंत हटाया जाए।

दिवस डीसी अपूर्व देवगन- 18 सितंबर को मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

2.18 लाख बच्चों को खिलाई जाएगी कृमिनाशक दवा

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिले में 18 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में एक वर्ष से 19 वर्ष तक की आयु के 2,18,561 बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल की कृमि नाशक दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं 1 से 5 वर्ष की आयु के 56,505 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी दी जाएगी।

डीसी अपूर्व देवगन ने अभियान की तैयारियों बारे बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाना उनके बेहतर स्वास्थ्य और शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी अभिभावकों से आह्वान किया कि वे 18 सितंबर को अपने बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि एल्बेंडाजोल की दवा जिले के सभी संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों और शिक्षण संस्थानों में पहुंचा दी गई है। अभियान के तहत पात्र बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में स्वास्थ्य कर्मियों एवं अध्यापकों की निगरानी में दवा खिलाई जाएगी। डीसी ने बताया कि यदि कोई बच्चा किसी कारणवश 18 सितंबर को कृमिनाशक दवा लेने से छूट जाता है, तो उसे 23 सितंबर को मॉप-अप डे के दौरान दवा खिलाई जाएगी।

उन्होंने संबंधित विभागों को अभियान के दौरान आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा विभाग, महिला व बाल विकास विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग प्रभावी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान से संबंधित एक्शन प्लान एसडीएम, सीएमओ, उपनिदेशक प्रारंभिक एवं उच्च शिक्षा, डीपीओ आईसीडीएस, सभी बीएमओ तथा बीडीओ के व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से साझा किया जाए, ताकि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।

कृमिनाशक दवा से बच्चों को होंगे कई लाभ

कृमि संक्रमण के कारण बच्चों में कमजोरी, खून की कमी, पेट दर्द, भूख में कमी तथा शारीरिक और मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कृमिनाशक दवा बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने में मदद करती है और उनके स्वस्थ विकास में सहायक होती है। एल्बेंडाजोल के सेवन एवं इसके प्रयोग से संबंधित जानकारी के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पवनेश महंत के मोबाइल नंबर 8219282530 पर संपर्क किया जा सकता है। डॉ. पवनेश ने बताया कि 1 से 2 वर्ष की आयु के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली तथा 2 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों को पूरी गोली दी जाएगी। दवा को पीसकर या चबाकर ही खिलाया जाएगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी मंडी डॉ. अशोक चौहान, वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिनेश ठाकुर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरिंदम राय, डीपीओ आईसीडीएस अजय बदेरल सहित जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

रैगिंग पर सख्ती, टांडा कॉलेज ने अपनाई जीरो टॉलरेंस नीति

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, टांडा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (डीआरपीजीएमसी) टांडा में मंगलवार को वर्ष 2026 बैच के नव प्रवेशित एमबीबीएस विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के अकादमिक, व्यावसायिक और नैतिक पहलुओं के साथ संस्थान की कार्यप्रणाली एवं अनुशासन से परिचित करवाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत से हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मिलाप शर्मा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवता, मरीजों की सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि सफल चिकित्सक बनने के लिए किताबी ज्ञान के साथ अनुशासन, करुणा, ईमानदारी, विनम्रता और संवेदनशीलता जरूरी है। उन्होंने सभी से चिकित्सकों, शिक्षकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने का आग्रह किया। प्राचार्य ने महाविद्यालय में रैगिंग को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों से मैत्रीपूर्ण और सहयोगात्मक वातावरण बनाए रखने को कहा। उन्होंने नशे से दूर रहने की भी सलाह दी। छात्र कल्याण सलाहकार प्रो. राजीव गोयल ने जीवन कौशल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रभावी संवाद, सहानुभूति, टीम भावना, तनाव और समय प्रबंधन को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षक, कर्मचारी और अभिभावक मौजूद रहे। विद्यार्थियों को शोध, खेलकूद, पाठ्येतर गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसरों की जानकारी भी दी गई।

न्यूज ब्रीफ

एम्स बिलासपुर में तीमारदारों का सामान चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) कोठीपुरा के ए-ब्लॉक में भर्ती मरीजों के तीमारदारों का सामान चोरी करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान शिवम निवासी लगमनवी, भोरंज और साहिल खान निवासी जाहू, भोरंज, हमीरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया बैग, 43,340 रुपए नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर को तड़के करीब तीन बजे एम्स के ए-ब्लॉक में तीमारदारों का सामान और नकदी चोरी होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों को बैग सहित काबू कर लिया। तलाशी के दौरान चोरी का सामान बरामद हुआ। थाना सदर बिलासपुर में मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी साहिल खान के खिलाफ पहले से मामला दर्ज है। 30 अगस्त को भराड़ी थाने में बाइक चोरी का मामला दर्ज हुआ था। वह दो दिन पहले ही जबली जेल से जमानत पर बाहर आया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो पक्षों में मारपीट, क्रॉस एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस ने स्वारघाट और सदर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाओं को लेकर मामले दर्ज किए हैं। स्वारघाट क्षेत्र की कैंचीमोड़ टनल नंबर-1 में दो कार सवारों के बीच ओवरटेक को लेकर विवाद हो गया। पांवटा साहिब निवासी सविता देवी ने आरोप लगाया कि एक कार चालक और उसके साथियों ने उनकी गाड़ी रोककर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। वहीं, मंडी निवासी भूपेंद्र कुमार ने शिकायत में बताया कि चंडीगढ़ से मंडी लौटते समय टनल के भीतर दूसरी कार ने गलत तरीके से ओवरटेक किया। टनल से बाहर निकलने के बाद दोनों पक्षों में बहसबाजी और हाथापाई हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, सदर पुलिस ने सार्वजनिक मार्ग बाधित करने पर डियारा सेक्टर निवासी विपन कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोप है कि उसने आम रास्ते पर तीन से चार फीट तक कबाड़ फैला रखा था। पुलिस ने बीएनएस की धारा 285 के तहत कार्रवाई की है।

अंग्रेजी की कक्षा में गूंजे हिंदी के स्वर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में हिंदी दिवस के अवसर पर अनूठी पहल देखने को मिली। अंग्रेजी की कक्षा में प्राध्यापिका डॉ. नम्रता पठानिया ने हिंदी भाषा के महत्व, समृद्धि और उपयोगिता को लेकर विशेष रचनात्मक गतिविधि करवाई। विद्यार्थियों ने स्वरचित रचनाओं के माध्यम से हिंदी के गौरव और भारतीय संस्कृति से इसके जुड़ाव को रेखांकित किया। इस अवसर पर श्रेया, आभा चंदेल, दीपिका शर्मा, मुस्कान, निकिता, सोनाली भारती, ज्योति, समीर, सुकृती, सीमा, शिवानी, सानिया चंदन, निशा, मुस्कान रणौत, अंकिता, नीलाक्षी और शिवांश शुक्ला सहित विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। रचनाओं में हिंदी के प्रति प्रेम के साथ बदलते भाषाई परिवेश को लेकर चिंता भी दिखाई दी। विद्यार्थियों ने 'जन-जन की भाषा है हिंदी, भारत की आशा है हिंदी' जैसे संदेशों के माध्यम से भाषा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। वहीं 'मैंने हिंदी को छोड़ दिया था, पर क्या हिंदी ने मुझे छोड़ा?' जैसी पंक्तियों ने आत्ममंथन का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और संवेदनाओं से जुड़ी भाषा है। कार्यक्रम में डॉ. नम्रता पठानिया ने अपनी स्वरचित कविता 'मातृभाषा' का पाठ भी किया। पहल ने विद्यार्थियों को हिंदी के महत्व और अपनी भाषाई जड़ों से जुड़ने का अवसर दिया।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ किया धरना-प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा अर्की मंडल की ओर से मंगलवार को अर्की में धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रीना भारद्वाज ने की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष जताया और विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के प्रति विरोध दर्ज करवाया। धरना प्रदर्शन में पूर्व विधायक गोविंद राम शर्मा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर राजेंद्र ठाकुर, ओपी गांधी, यशपाल कश्यप, जया नंद शर्मा, सुरेश जोशी, हीरा पाल, केसी पंवर, गीता देवी, गोपाल ठाकुर, सावित्री कश्यप, प्रतिभा कंवर, आशा परिहार, भावना गुप्ता, सुनीता रघुवंशी, श्यामा नंद शांडिल, हरीश कुमार, भोपाल सिंह, वंदना गुप्ता, आशा शर्मा, रामचंद्र पाल, दलीप पाल, शीश राम गर्ग, सोहन लाल, रोशन शर्मा, भूपेंद्र शर्मा और दयाराम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

18 सितंबर से कमजोर पड़ेगा मानसून

हिमाचल में भूस्खलन से 61 सड़कें बंद, 129 घर और 470 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून अभी सक्रिय बना हुआ है और कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों में धर्मशाला में सर्वाधिक 60 मिलीमीटर, कोठी में 36.2, सुंदरनगर में 28.5 और बिलासपुर के ओलिंडा में 23.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 17 सितंबर तक प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने के आसार हैं, जबकि 18 सितंबर से मानसून की रफ्तार धीमी पड़ जाएगी और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

21 सितंबर तक प्रदेश में भारी बारिश का कोई अलर्ट या चेतावनी जारी नहीं की गई है। इस मानसून सीजन में अब तक प्रदेश में सामान्य से 11 फीसदी कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 16 और 17 सितंबर को प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। 18 से 21 सितंबर तक बारिश कुछ स्थानों तक सीमित रहने के आसार हैं। विभाग ने इन सभी सात दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी नहीं दी है। प्रदेश में इस बार मानसून ने 30 जून को दस्तक दी थी और आम तौर पर सितम्बर के अंत में इसकी विदाई होती है। लगातार बारिश के बीच भूस्खलन से प्रदेश में 61 सड़कें बंद हैं। इनमें मंडी जिले में सबसे ज्यादा 28, कुल्लू में 12 और कांगड़ा में 10 सड़कें अवरुद्ध हैं। मंडी जिले के धर्मपुर, गोहर, सुंदरनगर और जोगिंद्रनगर उपमंडलों में 171 ट्रांसफार्मर बंद होने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। चंबा जिले के सलूणी में भी 17 ट्रांसफार्मर खराब हैं। शिमला जिले के ठियोग में पांच पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान कई जगह बारिश हुई। कांगड़ा जिले के धर्मशाला में 60 मिलीमीटर, कुल्लू के कोठी में 36.2 मिलीमीटर, मंडी के सुंदरनगर में 28.5 मिलीमीटर और बिलासपुर के ओलिंडा में 23.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

कांगड़ा, सुंदरनगर, मुरारी देवी, जोत और पालमपुर में गरज के साथ बिजली चमकने की घटनाएं भी दर्ज हुईं। मानसून के दौरान प्रदेश में अब तक 129 घर, 17 दुकानें और 470 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं। इसके अलावा 502 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है।

बारिश से 3,211 करोड़ रुपए का नुकसान

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार 30 जून से अब तक मानसूनी बारिश के कारण प्रदेश में चल और अचल संपत्ति को करीब 3,211 करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है। इसमें अकेले जल शक्ति विभाग को 2,711 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। मानसून के दौरान बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 303 लोगों की मौत हुई है, जबकि 525 लोग घायल हुए हैं और चार लोग लापता हैं। इनमें 180 मौतें सड़क हादसों में हुईं, जबकि 123 लोगों की जान भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, बहने, फिसलने, गिरने और अन्य बारिश जनित हादसों में गई।

एचआरटीसी के 282 रूट बंद करना जनता के साथ अन्याय: राकेश जम्वाल

◆ रूट बंद करने के बजाय एचआरटीसी की व्यवस्था सुधारने की मांग

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व विधायक राकेश जम्वाल ने हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के बढ़ते घाटे और बस रूट बंद किए जाने को लेकर सुक्खू सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार के आर्थिक सुधार के दावों और जमीनी स्थिति में भारी अंतर है। विधानसभा में दिए जवाब के अनुसार एचआरटीसी का संचित घाटा 2272.24 करोड़ रुपए है, जबकि पिछले तीन वर्षों में 282 बस रूट बंद किए गए हैं। इनमें 196 रूट ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से जुड़े हैं।

जम्वाल ने कहा कि एचआरटीसी केवल मुनाफे का साधन नहीं, बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों में आम जनता की जीवनरेखा है। सरकार को रूट बंद करने के बजाय यात्रियों की संख्या के अनुसार समय में बदलाव, बसों का पुनर्गठन और छोटी बसों के संचालन जैसे विकल्प तलाशने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि खराब सड़कों, बसों की मरम्मत के अभाव, स्पेयर पार्ट्स और मैकेनिकों की कमी के कारण भी निगम की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में सरकार को पहले व्यवस्थागत कमियां दूर करनी चाहिए।

जम्वाल ने कहा कि सरकार ने किराया बढ़ाने के बावजूद निगम की स्थिति नहीं सुधारी। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल बच्चों की निःशुल्क यात्रा और महिलाओं व वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली 50 प्रतिशत किराया सुविधा भी बंद की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से बंद ग्रामीण रूटों को जरूरत के आधार पर बहाल करने और एचआरटीसी को मजबूत करने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि निगम को बचाने का रास्ता रूट बंद करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार करना है।

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को दी जा रही कई सुविधाएं: कर्नल चंद्रशेखर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए हमीरपुर में संचालित किए जा रहे ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में विशेष प्रबंध किए गए हैं।

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक के प्रभारी कर्नल (सेवानिवृत्त) चंद्रशेखर ने बताया कि लगभग साढे आठ कनाल क्षेत्र में स्थापित पॉलीक्लीनिक के परिसर में चिकित्सा सुविधाओं के अलावा सीएसडी कैंटीन और रक्षा मंत्रालय के नमन प्रोजेक्ट के तहत भूतपूर्व सैनिकों के पेंशन के मामलों के समाधान के लिए निशुल्क परामर्श केंद्र भी स्थापित किया गया है। कर्नल चंद्रशेखर ने बताया कि पॉलीक्लीनिक में इस समय पांच डॉक्टर, दो डेंटल सर्जन और अन्य स्वास्थ्य कर्मी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसकी लैब में भी कई टेस्टों की सुविधा प्रदान की जा रही है। यहां हाल ही में लगभग दस लाख रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक फिजियोथैरेपी सेंटर भी स्थापित किया गया है। इस फिजियोथैरेपी सेंटर में नवीनतम तकनीक की मशीनरी एवं अन्य व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। कर्नल चंद्रशेखर ने बताया कि बढ़ती उम्र की गई बीमारियों में दवाइयों से ज्यादा फीजियोथैरेपी ज्यादा कारगर साबित होती है। इसको देखते हुए पॉलीक्लीनिक में नया फीजियोथैरेपी सेंटर स्थापित किया गया है। इसमें अब 15 से 20 मरीजों की एक साथ फिजियोथैरेपी की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि इस पॉलीक्लीनिक के माध्यम से जिला हमीरपुर के लगभग 45 हजार भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं और यहां ओपीडी में मरीजों की रोजाना औसतन संख्या लगभग 400 रहती है। मरीजों के पंजीकरण से लेकर ओपीडी में जांच, लैब टैस्ट और फार्मेसी में दवाइयों के वितरण तक की पूरी व्यवस्था को पूरी तरह कंप्यूटराइज्ड किया गया है। यानि इस पूरी प्रक्रिया को पेपरलेस बनाया गया है। कंप्यूटर में ईसीएचएस का कार्ड नंबर डालते ही मरीज का पूरा विवरण एक क्लिक पर ही उपलब्ध हो जाता है। कर्नल चंद्रशेखर ने बताया कि यहां भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को चिकित्सा सुविधाओं के अलावा कई अन्य सुविधाएं भी एक स्थान पर उपलब्ध करवाने का प्रयास किया गया है, जिसका सीधा लाभ हजारों भूतपूर्व सैनिक परिवारों को हो रहा है।

बिलासपुर फोरलेन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 53 ग्राम चिट्टा बरामद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने फोरलेन पर दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए करीब 53 ग्राम चिट्टा बरामद किया है।

पुलिस ने एक वोल्वो बस और टैक्सी की तलाशी के दौरान नशीले पदार्थ की खेप पकड़ी। दोनों मामलों में पंजाब और मंडी जिले के चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पहली कार्रवाई धराड़सानी के पास की गई। यहां नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक वोल्वो बस को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर बस में सवार दो युवकों के कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान फ्रैंकलिन (20) निवासी इंदिरा कॉलोनी और स्टीफन (18) निवासी गोल्डन एवेन्यू, थाना मजीठा रोड, अमृतसर, पंजाब के रूप में हुई है। दूसरी कार्रवाई छत्त फोरलेन पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने टैक्सी नंबर एचपी01एम-6414 को रोककर तलाशी ली। इसमें सवार मंडी जिले के नरेंद्र कुमार (29) निवासी चौक, बलद्वाड़ा और गुलशन (24) निवासी पिपली, बल्ह के कब्जे से चिट्टा बरामद किया गया।

पुलिस थाना झंडूता में दोनों मामलों में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नशे की खेप के स्रोत और इसकी आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाल रही है। मामले में आगामी जांच जारी है।

18 को बिलासपुर के प्रवास पर शिक्षा मंत्री

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 18 सितंबर को जिला बिलासपुर के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि शिक्षा मंत्री 18 सितंबर को दोपहर दो बजे बिलासपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वह हिमाचल प्रदेश नेवल एनसीसी यूनिट बिलासपुर की ओर से आयोजित नौकायन अभियान 'संकल्प' के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। समारोह के दौरान नौकायन अभियान में शामिल प्रतिभागियों का स्वागत किया जाएगा तथा अभियान की उपलब्धियों और अनुभवों को साझा किया जाएगा। शिक्षा मंत्री इस अवसर पर प्रतिभागियों और आयोजकों को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम के बाद रोहित ठाकुर शाम पांच बजे जिला कुल्लू के लिए रवाना होंगे। शिक्षा मंत्री के बिलासपुर प्रवास को लेकर संबंधित विभागों की ओर से आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी सेवाओं को सरल और पारदर्शी बनाना रिफॉर्म उत्सव का मुख्य उद्देश्य

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नागरिक केंद्रित सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुगम और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से बचत भवन बिलासपुर में रिफॉर्म उत्सव के तहत गठित जिला समन्वय समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त राहुल कुमार ने की।

बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों की प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यवस्थागत सुधारों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि रिफॉर्म उत्सव का मुख्य उद्देश्य केवल व्यक्तिगत शिकायतों का समाधान करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्थागत अड़चनों को दूर करना है, जिनसे आम जनता को सीधे लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने विभागों में अनावश्यक नियमों, कागजी औपचारिकताओं और सेवाओं में होने वाली देरी के कारणों की पहचान कर उन्हें समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। बैठक में विभागों के बीच डेटा साझाकरण को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि एक विभाग के पास उपलब्ध जानकारी का उपयोग अन्य सरकारी सेवाओं में भी बिना अनावश्यक बाधा के किया जाना चाहिए। इससे लोगों को बार-बार दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और सेवाओं की प्रक्रिया आसान होगी। उन्होंने तकनीक और डिजिटल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए कहा कि इससे सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। प्रशासनिक समन्वय बेहतर बनाने के लिए सभी विभागों को तत्काल एक-एक नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए गए। इन अधिकारियों के संपर्क विवरण जिला स्तर पर साझा किए जाएंगे। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक एवं समिति के सदस्य सचिव मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अर्थशास्त्र शिक्षक भर्ती का फाइनल परिणाम घोषित, 85 उम्मीदवारों का चयन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में अर्थशास्त्र के शिक्षकों के 86 पदों को फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए पोस्ट कोड-26030 के तहत आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इन पदों के लिए कुल 1246 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 1032 उम्मीदवारों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा दी थी और इस परीक्षा में 226 उम्मीदवारों का चयन दस्तावेजों की जांच के लिए किया गया था। 29 और 31 अगस्त को दस्तावेजों की जांच के बाद 85 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। पात्र उम्मीदवार न मिलने के कारण एससी (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) वर्ग का एक पद खाली रह गया है।

नूरपुर में अंडर-19 स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दिखाया हुनर, विजेताओं को मिले पुरस्कार

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) जसूर में आयोजित नूरपुर ब्लॉक स्तरीय अंडर-19 खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में नूरपुर ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 12 से 14 सितंबर तक चली प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा के साथ अनुशासन, आपसी सहयोग और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, शतरंज और वॉलीबाल सहित विभिन्न खेलों की स्पर्धाएं करवाई गईं। खिलाड़ियों के बीच मुकाबले काफी रोमांचक रहे। बैडमिंटन में प्रथम स्थान बीटीसी नूरपुर ने हासिल किया, जबकि जीएसएसएस जसूर की टीम उपविजेता रही। कबड्डी में जीएसएसएस सदवां ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया व खैरियां की टीम उपविजेता रही। खो-खो में जीएसएसएस लदोड़ी ने बाजी मारी, जबकि राजकीय उच्च विद्यालय चौकी दूसरे स्थान पर रहा। शतरंज प्रतियोगिता में एनपीएस नूरपुर की टीम विजेता रही व जीएसएसएस बरंडा ने उपविजेता का स्थान हासिल किया। वालीबाल में जीएसएसएस लदोड़ी ने प्रथम तथा जीएसएसएस जसूर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा और जुझारू क्षमता का परिचय दिया। समापन समारोह में तहसीलदार राधिका सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेलों के माध्यम से बच्चों में शारीरिक मजबूती के साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए भी कड़ी मेहनत जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य करुणा जंगवाल सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। आयोजकों ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन, शारीरिक शिक्षा विभाग और समस्त स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। तीन दिनों तक चली इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के साथ खेल भावना और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

लक्ष्य पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने जिला मेजर गेम्स में लहराया परचम

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। लक्ष्य पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने जिला मेजर गेम्स टूर्नामेंट-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सिंग और बास्केटबॉल में कई पदक हासिल किए।

10 से 12 सितंबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरोटीवाला में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बॉक्सिंग में स्कूल के खिलाड़ियों ने पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीते। 42 किलोग्राम वर्ग में अंश ठाकुर, 36 किलोग्राम में दिवेश, 42 किलोग्राम में देवांश, 44 किलोग्राम में वरुण तथा 50 किलोग्राम वर्ग में हर्षित ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं 34 किलोग्राम वर्ग में आर्यन और 46 किलोग्राम में ओजस ने रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम वर्ग में राजवीर ने कांस्य पदक हासिल किया। बास्केटबॉल में भी विद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। विद्यालय के लिए एक और बड़ी उपलब्धि तब रही, जब खिलाड़ी यश पंवार का चयन राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मंडी में आयोजित होगी। विद्यालय प्रबंधन ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। खिलाड़ियों की सफलता से विद्यालय के साथ अर्की क्षेत्र का भी नाम रोशन हुआ है।या। विद्यार्थियों ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और संवेदनाओं से जुड़ी भाषा है। कार्यक्रम में डॉ. नम्रता पठानिया ने अपनी स्वरचित कविता 'मातृभाषा' का पाठ भी किया। पहल ने विद्यार्थियों को हिंदी के महत्व और अपनी भाषाई जड़ों से जुड़ने का अवसर दिया।

शुभारंभ सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा-हमीरपुर शहर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

हमीरपुर में पानी की गुणवत्ता की होगी रियल टाइम मॉनीटरिंग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला मुख्यालय में पेयजल की गुणवत्ता की अब रियल टाइम यानि हर समय निगरानी की सकेगी। इसके लिए जल शक्ति विभाग ने लगभग 18 लाख रुपए की लागत से अत्याधुनिक प्रणाली का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने सोमवार शाम को बस स्टैंड के पास इस अत्याधुनिक प्रणाली एवं प्याऊ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समस्त शहरवासियों को बधाई देते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि जल शक्ति विभाग के मानकों के अनुसार पानी की गुणवत्ता की जानकारी एलईडी स्क्रीन पर लगातार डिसप्ले होती रहेगी। इससे शहरवासियों को उच्च गुणवत्ता का पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हमीरपुर शहर के लिए करोड़ों रुपए की परियोजनाएं मंजूर की हैं। मुख्य बाजार की बिजली व पेयजल लाइनों को अंडरग्राउंड करने के लिए मुख्यमंत्री ने यहां शिमला तर्ज पर अंडरग्राउंड डक्ट के निर्माण के लिए 45 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जिसमें से 15 करोड़ की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है। शहीद कैप्टन मृदुल शर्मा चौक से मुख्य बाजार और भोटा चौक तक तथा पैट्रोल पंप से बस स्टैंड और भोटा चौक तक लगभग 5 फुट चौड़ा और 5 फुट गहरा अंडरग्राउंड डक्ट बनाया जाएगा। इससे शहर को बिजली की तारों के जाल, खंभों और जहां-तहां से गुजर रही पाइपों से निजात मिलेगी। सुनील शर्मा बिट्टू ने बताया कि वर्तमान बस स्टैंड की जगह पर अत्याधुनिक सिटी सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने बस स्टैंड के पुराने खोखाधारकों का पुनर्वास सुनिश्चित किया है। भविष्य में भी उनके हितों की रक्षा की जाएगी। सिटी सेंटर के निर्माण से प्रभावित होने वाले दुकानदारों के पुनर्वास की व्यवस्था भी की जा रही है। सुनील शर्मा बिट्टू ने नगर निगम के अधिकारियों को रानी झांसी पार्क के पास उपयुक्त स्थान पर शौचालय का निर्माण करने तथा नालियों की सही निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि यहां के दुकानदारों एवं ग्राहकों को कोई दिक्कत न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने साढे तीन वर्षों के दौरान जिला हमीरपुर के लिए मेडिकल कालेज, डेंटल कालेज, नर्सिंग कालेज, अलाइड हैल्थ सर्विसेज कालेज, कैंसर केयर संस्थान, इंटीग्रेटड साइंस कालेज, बस स्टैंड और कई अन्य बड़ी परियोजनाएं मंजूर करके विकास की एक नई गाथा लिखी है। इस अवसर पर जल शक्ति विभाग के मुख्य अभियंता रोहित दुबे ने सुनील शर्मा बिट्टू और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर, एपीएमसी अध्यक्ष अजय शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती, पार्टी के अन्य पदाधिकारी और जल शक्ति विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री साई इंजीनियरिंग कॉलेज में धूमधाम से मनाया इंजीनियर दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी बधानी कॉलेज में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग की ओर से इंजीनियर दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज और रिया पुंज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज ने स्टाफ और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इंजीनियर दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में प्रत्येक वर्ष 15 सितंबर को महान भारतीय इंजीनियर और भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर दिवस मनाया जाता है। उनका जन्म 15 सितंबर 1861 को हुआ था। भारत सरकार ने वर्ष 1968 में देश के विकास में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए इस दिन को इंजीनियर दिवस घोषित किया था। उन्होंने कहा कि इंजीनियर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सिविल इंजीनियर सड़क, पुल, भवन और जल प्रणालियों जैसी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करते हैं। मैकेनिकल इंजीनियर मशीनों और यांत्रिक प्रणालियों के विकास में योगदान देते हैं। कंप्यूटर इंजीनियर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में कार्य करते हैं, जबकि इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रणालियों से जुड़े कार्य करते हैं। इस अवसर पर एसके पुंज ने प्रिंसिपल, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को इंजीनियर दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डायरेक्टर रणजीत सिंह, डॉ. विपिन गुप्ता, संजय पंडित, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. नेहा तुली, समिंदर तरवाल, दीपक कुमार, डॉ. अनिल हंसपाल, डॉ. सतिंदरजीत कौर, सुलक्ष्य कुमार सहित स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खूबसूरत अंदाज में लॉरेन बेल

इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल अपनी हाइट और तेज रफ्तार गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'द शार्द' के नाम से भी जाना जाता है। मैदान पर उनकी आक्रामक गेंदबाजी और स्टाइलिश लुक फैंस को काफी पसंद आता है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने उतरेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम

विश्व कप की गलतियों से सीखकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी पुरुष टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

हाल ही में संपन्न विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम के आठवें और महिला टीम के पांचवें स्थान पर रहने के बाद अब दोनों टीमें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। पुरुष वर्ग में भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जबकि महिला टीम भी चीन को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन का रास्ता भी खोलेगा।

क्रेग फुल्टन की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम पिछले चार वर्षों से एशियाई हॉकी में अपना दबदबा बनाए हुए है। 2023 से भारत ने दो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और एशियाई खेलों सहित सभी महाद्वीपीय प्रतियोगिताएं जीती हैं और इस दौरान उसे एक भी हार का सामना नहीं करना पड़ा है। हालांकि, लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतना आसान नहीं होगा। 2006 के बाद से कोई भी टीम लगातार दो संस्करणों में पुरुष हॉकी का स्वर्ण नहीं जीत सकी है।

विश्व कप में भारतीय टीम की रक्षापंक्ति उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, जुगराज सिंह और हरमनप्रीत सिंह सहित कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी। भारत ने टूर्नामेंट में 19 गोल खाए। गोलकीपिंग से लेकर फॉरवर्ड लाइन तक टीम को कई क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। हालांकि, पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह की ड्रैगफ्लिक भारत के लिए बड़ी सकारात्मक बात रही।

फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक नैन और अनुभवी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। विश्व कप की गलतियों से सीखते हुए टीम को चारों क्वार्टर में एक समान स्तर बनाए रखना होगा। ओलंपिक क्वालीफिकेशन के महत्व को देखते हुए फुल्टन ने अनुभव को प्राथमिकता दी है और राजकुमार पाल को टीम में जगह मिली है। महिला टीम भी स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदार है। सजॉर्ड मारिजने की टीम विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही, जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन ने टीम को नई ऊर्जा दी है। नवनीत कौर और दीपिका गोल करने की प्रमुख उम्मीद होंगी, जबकि सविता पूनिया और बिचु देवी गोलकीपिंग में अहम भूमिका निभाएंगी।

महिला टीम चीन को हराकर 44 साल बाद स्वर्ण जीतना चाहेगी

महिला टीम के सामने 44 साल से चले आ रहे एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक के सूखे को खत्म करने की चुनौती है। अनुभवी मिडफील्डर नेहा ने टीम के इरादे स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत को हर हाल में स्वर्ण पदक जीतना है। चीन के खिलाफ संभावित मुकाबला निर्णायक हो सकता है। ऐसे में विश्व कप के अनुभव और सुधारों के दम पर दोनों भारतीय टीमें एशियाई खेलों में स्वर्ण के साथ ओलंपिक टिकट हासिल करने के इरादे से उतरेंगी।

सिंड्रेला दास ने गोल्ड मेडल जीतने को बनाया बड़ा लक्ष्य

एजेंसी, मुंबई

भारतीय टेबल टेनिस की 17 वर्षीय उभरती खिलाड़ी सिंड्रेला दास ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने और जल्द से जल्द विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाने को अपना लक्ष्य बनाया है। फिलहाल आईटीटीएफ महिला एकल रैंकिंग में 99वें स्थान पर काबिज सिंड्रेला युवा वर्ग में 27वें स्थान पर हैं। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में वह अपनी शानदार फॉर्म जारी रखना चाहती हैं।

कोलकाता की इस युवा खिलाड़ी ने पिछले महीने राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में महिला एकल और अंडर-19 वर्ग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सिंड्रेला अल्टीमेट टेबल टेनिस में अनुभवी स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा को भी हरा चुकी हैं। उनके लिए मौजूदा सत्र बेहद सफल रहा है व उनका चयन एशियाई खेलों के अलावा राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप व युवा ओलंपिक के लिए भी हुआ है।

सिंड्रेला अपनी सफलता के पीछे नियमित अभ्यास, फिटनेस और मानसिक मजबूती को अहम मानती हैं। वह रोजाना कई घंटे अभ्यास करती हैं और प्रत्येक प्रतियोगिता के बाद अपने कोच के साथ प्रदर्शन का विश्लेषण करती हैं। मैच के दौरान हुई गलतियों को वह अभ्यास सत्र में सुधारने पर विशेष ध्यान देती हैं।

विश्व रैंकिंग के टॉप-50 में पहुंचने का सपना

एक समय दबाव को अपनी कमजोरी मानने वाली सिंड्रेला अब इसे अपनी ताकत और सौभाग्य के रूप में देखती हैं। मानसिक कोच की सलाह ने उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना सिखाया है। अब वह परिणाम के दबाव में आने के बजाय अपने खेल और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करती हैं। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का सपना देखने वाली सिंड्रेला की नजर विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 पर भी है। उनके हालिया प्रदर्शन और आत्मविश्वास को देखते हुए भारतीय टेबल टेनिस में उनसे भविष्य में बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है।

स्पोर्ट्स विंडो

अभिनेत्री सिडनी स्वेनी के विज्ञापन पर महिला खिलाड़ियों का विरोध

एजेंसी, लंदन। अमेरिकी अभिनेत्री सिडनी स्वेनी के स्पोर्ट्स प्रेडिक्शन मार्केट प्लेटफॉर्म नोविग के विज्ञापन को लेकर कई महिला खिलाड़ियों ने कड़ी नाराजगी जताई है। विज्ञापन में स्वेनी बेहद कम

कपड़ों में नजर आती हैं और फुटबॉल व अन्य खेल परिधानों से शरीर के कुछ हिस्सों को ढकती दिखाई देती हैं। चार बार की ओलंपिक तैराकी स्वर्ण पदक विजेता एरियार्ने टिटमस ने कहा कि महिलाओं के शरीर का व्यवसायीकरण और महिला खेलों का यौनिकरण अब भी आम है। ब्रिटिश स्प्रिंटर एमी हंट ने भी विज्ञापन की आलोचना करते हुए कहा कि महिला खिलाड़ी वास्तव में मेहनत और प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। पूर्व अमेरिकी जिम्नास्ट ग्रेसी क्रैमर ने इसे बेहद आपत्तिजनक बताया और कहा कि महिला खिलाड़ियों को अक्सर उनकी क्षमता के बजाय शरीर के आधार पर देखा जाता है। जर्मन रग्बी खिलाड़ी सोफी फेला ने भी विज्ञापन को महिला खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक बताया।

मैराज अहमद ने क्रिकेट छोड़ स्कीट शूटिंग को बनाया अपना जुनून

एजेंसी, नई दिल्ली। कभी क्रिकेट में नाम कमाने का सपना देखने वाले मैराज अहमद खान अब निशानेबाजी में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 50 वर्षीय मैराज जापान के आइची-नागोया में होने वाले

एशियाई खेलों में भारतीय दल के दूसरे सबसे उम्रदराज सदस्य होंगे और चौथी बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे। मैराज बाएं हाथ के बल्लेबाज थे और उत्तर प्रदेश के लिए सीके नायडू तथा वीनू मांकड़ ट्रॉफी खेल चुके हैं। उन्होंने युवा वीरेंद्र सहवाग के साथ भी क्रिकेट खेला और नेट अभ्यास किया था। हालांकि, 1994 से शुरू हुआ उनका निशानेबाजी का सफर धीरे-धीरे उनका जुनून बन गया। 1999 में चेन्नई की एक प्रतियोगिता में रोंजन सोढ़ी के खिलाफ स्कीट शूट-ऑफ जीतने के बाद उन्होंने पूरी तरह स्कीट शूटिंग को अपना लिया। वह 2016 रियो ओलंपिक में स्कीट स्पर्धा के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय निशानेबाज बने। विश्व कप में स्वर्ण और रजत सहित कई पदक जीत चुके मैराज अब एशियाई खेलों में शानदार वापसी के लिए तैयार हैं।

हॉकी इंडिया में मतभेद सुलझाने के लिए 18 सितंबर को होगा मंथन

एजेंसी, नई दिल्ली। विवादों से घिरे हॉकी इंडिया ने शीर्ष अधिकारियों के बीच मतभेद दूर करने और हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए स्वतंत्र संचालन परिषद बनाने के उद्देश्य से 18 सितंबर को कार्यकारी बोर्ड की बैठक बुलाई है। अध्यक्ष दिलीप टिर्की और सचिव भोला नाथ सिंह के बीच भारतीय टीम की जर्सी का रंग नीले से केसरिया किए जाने को लेकर विवाद चल रहा है। टिर्की का आरोप है कि जर्सी में बदलाव उनकी जानकारी और बोर्ड की मंजूरी के बिना किया गया। इस मामले में हॉकी इंडिया के महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनके अधिकार वापस ले लिए गए हैं। बैठक में एचआईएल के भविष्य और उसके संचालन मॉडल पर भी चर्चा होगी। प्रस्ताव के अनुसार लीग के लिए अलग कंपनी बनाई जा सकती है, जिसमें हॉकी इंडिया की 40 प्रतिशत और फ्रेंचाइजी की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। नई संचालन परिषद में हॉकी इंडिया और फ्रेंचाइजी के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा हॉकी इंडिया के आगामी चुनावों की संभावित तारीखों पर भी विचार किया जाएगा।

सीरी एः इंटर मिलान ने उडिनेज को 5-3 से हराया, रोमा के साथ शीर्ष पर कायम

एजेंसी, मिलान। गत चैंपियन इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए उडिनेज को 5-3 से हराकर सीरी ए में अपना शत-प्रतिशत रिकॉर्ड कायम रखा। इस जीत के साथ इंटर

चार मैचों में 12 अंक लेकर रोमा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर है। इंटर की शुरुआत बेहद खराब रही। जेम्स अबैंकवाह और युर्गेन एकेलेंकैंप ने शुरुआती 16 मिनट में गोल कर उडिनेजे को 2-0 की बढ़त दिला दी और इंटर को बड़ा झटका दिया। इसके बाद कार्लोस ऑगुस्तो ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर इंटर की वापसी की शुरुआत की। निकोलो बरेला ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। दूसरे हाफ में इंटर ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया। मार्कस थुराम ने 59वें मिनट में गोल कर टीम को पहली बार बढ़त दिलाई। इसके बाद फ्रांसेस्को एस्पोसितो और आंगे-योआन बोनी ने गोल कर इंटर की बढ़त 5-2 कर दी। इंजरी टाइम में इद्रिसा गुएये ने उडिनेजे के लिए एक गोल किया, लेकिन वह हार टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। रोमा ने भी टोरिनो को 2-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। डोनियल मालेन और निकोलो पिसिली ने रोमा के लिए गोल किए। मालेन ने गोलकीपर लुकास पेरी की रक्षात्मक गलती का फायदा उठाते हुए टीम को बढ़त दिलाई।

निशा एशियाई खेलों में 68 किग्रा वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी

एजेंसी, सियोल

पहलवान निशा दहिया एशियाई खेलों में महिलाओं के 68 किलोग्राम वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से मैट पर उतरेंगी। करियर में बार-बार लगी चोटों और निराशाजनक परिणामों के बाद निशा ने अब परिणाम की चिंता करने के बजाय अपनी मेहनत और प्रदर्शन पर ध्यान देना सीख लिया है। उनका कहना है कि पहले चोट लगने के बाद वह सोचती थीं कि उनके साथ ही ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन अब उन्होंने अतीत को पीछे छोड़ दिया है।

विश्व चैंपियनशिप 2022 में 4-0 की बढ़त के बावजूद कांस्य पदक से चूकने के बाद निशा चोट के कारण कई महीनों तक खेल से दूर रहीं। पेरिस ओलंपिक 2024 में भी वह पदक की मजबूत दावेदार थीं। क्वार्टरफाइनल में उत्तर कोरिया की पाक सोल गम के खिलाफ वह 8-1 से आगे थीं, लेकिन उंगली में मोच और कंधे की चोट के कारण मुकाबला 8-10 से हार गईं। निशा अब लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही हैं। वह अपनी आक्रामक कुश्ती और आत्मविश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती हैं।

अगले ओलंपिक में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटीं पहलवान

जापानी कोच कोसेई अकाइशी के मार्गदर्शन में उनकी कुश्ती में तेज गति और नई तकनीकों का समावेश हुआ है। उनका मानना है कि इससे उन्हें बेहतर पहलवान बनने में मदद मिल रही है।

अहमदाबाद में इतिहास रचने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की शीर्ष क्यू स्पोर्ट्स प्रतिभाएं अक्टूबर में अहमदाबाद में इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी। कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। पहली बार इस प्रतिष्ठित बहु-विधा प्रतियोगिता का आयोजन भारत में होगा।

चैंपियनशिप का आयोजन 7 से 10 अक्टूबर तक अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा। इसमें राष्ट्रमंडल के करीब 46 देशों के खिलाड़ी इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, 10-बॉल पूल, हेयबॉल और ब्लैकबॉल में हिस्सा लेंगे। एपेक्स स्पोर्ट्स प्रमोशन द्वारा आयोजित और बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया की मेजबानी में होने वाली इस चैंपियनशिप को वर्ल्ड कॉन्फेडरेशन ऑफ बिलियर्ड्स स्पोर्ट्स और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मान्यता प्राप्त है। यह आयोजन भारतीय क्यू स्पोर्ट्स के लिए महत्वपूर्ण अवसर होने के साथ बीएसएफआई के शताब्दी समारोह का भी प्रमुख हिस्सा है।

हम नहीं खेल पाए अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट

बांग्लादेश से हार पर कप्तान पैट कमिंस ने खराब तैयारी को नकारा

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त में मिली चौंकाने वाली टेस्ट हार के लिए खराब तैयारी को जिम्मेदार मानने से इनकार किया है। ऑस्ट्रेलिया को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी करते हुए पारी और बड़ी जीत दर्ज की थी।

कमिंस ने कहा कि अगर यह सीरीज बांग्लादेश के बजाय इंग्लैंड के खिलाफ एशेज जैसी बड़ी सीरीज होती, तब भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की तैयारी में कोई बदलाव नहीं होता। उन्होंने 'कीपिन' इट क्रिकेट' पॉडकास्ट में कहा, 'चाहे वह एशेज टेस्ट होता या बांग्लादेश सीरीज, मुझे लगता है कि हम बिल्कुल उसी तरह तैयारी करते। निश्चित तौर पर आप सीरीज के बाद उसका आकलन करते हैं, लेकिन मुझे वास्तव में लगा कि हम अच्छी स्थिति में थे। हर कोई फिट था और पूरी तरह तैयार था। पहले टेस्ट में क्या गलत हुआ, इस सवाल पर कमिंस ने सीधा जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह तैयारी की कमी थी। मुझे लगता है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए और बांग्लादेश ने शानदार क्रिकेट खेला। उन्होंने हमें वास्तव में वापसी का कोई मौका नहीं दिया।' ऑस्ट्रेलिया का अगला टेस्ट अभियान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज से शुरू होगा। हालांकि, कमिंस इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका का यह दौरा 2018 के 'सैंडपेपरगेट' विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट क्रिकेट में वहां वापसी भी होगा। हालांकि, कमिंस को उम्मीद नहीं है कि पुराना विवाद आगामी टेस्ट सीरीज पर हावी रहेगा। उन्होंने कहा, 'थोड़ी शत्रुता हो सकती है।' हालांकि, उन्होंने तुरंत कहा, 'हर कोई आगे बढ़ चुका है। अच्छी बात यह है कि तीन टेस्ट मैच हैं, आप क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करते हैं और बहुत जल्दी हर कोई सिर्फ क्रिकेट के बारे में सोचने लगता है। कमिंस ने कहा, 'मुझे यकीन है कि दर्शकों में कुछ लोग काफी शोर मचाएंगे और कुछ लेख या मीडिया फिर से पुरानी बातों को सामने ला सकते हैं। लेकिन हमारी टीम उस घटना से आगे बढ़ चुकी है।'

अगस्त में यात्री वाहनों की बिक्री में 36 .5 प्रतिशत का जबरदस्त इजाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू वाहन बाजार ने अगस्त 2026 में मजबूत प्रदर्शन करते हुए नई ऊंचाई हासिल की। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के अनुसार, यात्री वाहनों की थोक बिक्री साल-दर-साल 36.5 प्रतिशत बढ़कर 4,39,309 इकाई पहुंच गई। यात्री वाहनों के साथ दुपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री ने भी अगस्त माह में अब तक का नया रिकॉर्ड बनाया। इससे संकेत मिलता है कि वाहन बाजार में मांग का माहौल मजबूत बना हुआ है।

अगस्त में दुपहिया वाहनों की बिक्री 10.5 प्रतिशत बढ़कर 20,34,698 इकाई रही। स्कूटरों की बिक्री में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली और यह 23.8 प्रतिशत बढ़कर 8,55,715 इकाई हो गई। मोटरसाइकिलों की बिक्री 2.4 प्रतिशत बढ़कर 11,33,047 इकाई रही, जबकि मोपेड की बिक्री 4.7 प्रतिशत बढ़कर 45,936 इकाई पहुंच गई।

तिपहिया वाहनों की बिक्री भी 22.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 93,764 इकाई रही। यात्री तिपहिया वाहनों की बिक्री 22.4 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मालवाहक तिपहिया वाहनों में 34.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि ई-रिक्शा और ई-कार्ट की बिक्री में गिरावट रही।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन के अनुसार, वाहन उद्योग मजबूत दौर में है। अगस्त की तेज वृद्धि में पिछले वर्ष की कमजोर बिक्री का आधार प्रभाव भी शामिल है, लेकिन कुल मिलाकर मांग सकारात्मक बनी हुई है। ग्रामीण बाजार की मजबूती, बेहतर वित्तपोषण और मजबूत ग्राहक धारणा से उद्योग को सहारा मिल रहा है।

2000 रुपए तक यूपीआई भुगतान अब पूरी तरह शुल्कमुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड के इस्तेमाल पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने राजपत्र अधिसूचना जारी कर कहा है कि 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन और रुपे कार्ड से भुगतान पर बैंक या कोई भी भुगतान प्रणाली प्रदाता प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से एमडीआर या कोई छिपा शुल्क नहीं वसूल सकेगा। यह व्यवस्था भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए के तहत लागू की गई है। सरकार के इस फैसले से भुगतान करने वाले ग्राहकों के साथ छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। वहीं, 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क व्यवस्था को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इस संबंध में एनपीसीआई जल्द नए दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। वित्त मंत्रालय ने यूपीआई शुल्क को लेकर सामने आई बाहरी दबाव संबंधी खबरों को भी भ्रामक और निराधार बताया है।

कच्चे तेल के दाम में उछाल से दुनिया में 25 लाख बैरल घटेगी खपत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल का असर अब दुनिया भर में तेल की खपत पर पड़ने लगा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने 2026 में वैश्विक तेल मांग के अपने अनुमान में रोजाना 9.40 लाख बैरल की कटौती की है। अब एजेंसी को आशंका है कि इस साल दुनिया में तेल की खपत रोजाना 25 लाख बैरल तक घट सकती है। यह 2020 में कोरोना महामारी के बाद सबसे बड़ी सालाना गिरावट होगी।

इससे पहले अगस्त में रोजाना 16 लाख बैरल और अप्रैल में एक लाख बैरल की कमी का अनुमान लगाया गया था। जनवरी में आईईए ने 2026 में तेल खपत में रोजाना सात लाख बैरल बढ़ोतरी का अनुमान जताया था, लेकिन पश्चिम एशिया में संकट और आपूर्ति में रुकावट के कारण परिस्थितियां बदल गईं। ईरान युद्ध के चलते तेल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और उपभोक्ताओं को कम उपलब्धता के अनुसार अपनी खपत सीमित करनी पड़ रही है। इसका सबसे ज्यादा असर डीजल, विमान ईंधन और हीटिंग ऑयल जैसे उत्पादों पर पड़ने की आशंका है।

अमेरिका में डीजल की कीमत रिकॉर्ड 6.20 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। पिछले नौ महीनों में इसमें 78 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। कैलिफोर्निया में डीजल के दाम 8.14 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच चुके हैं। वहीं, जेट ईंधन की कीमत 4.35 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। पिछले दस सप्ताह में इसमें 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। महंगे ईंधन का असर विमान किराये पर भी पड़ रहा है और अगस्त में एयरलाइन किराये में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

भारतीय चावल की निर्यात कीमतें एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचीं

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच चावल के दाम में भी लगातार तेजी देखने को मिल रही है। कम बारिश, खरीफ फसल को लेकर बढ़ती चिंता और घरेलू आपूर्ति में कमी के कारण भारतीय चावल की निर्यात कीमतें एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पांच प्रतिशत टूटे उसना चावल की कीमत बढ़कर 371-377 डॉलर प्रति टन हो गई है, जबकि पिछले सप्ताह यह 369-375 डॉलर प्रति टन थी। वहीं, पांच प्रतिशत टूटे सफेद चावल की कीमत 368-373 डॉलर प्रति टन के बीच पहुंच गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चावल की मांग मजबूत बनी हुई है। थाईलैंड और वियतनाम जैसे प्रमुख चावल निर्यातक देशों में कीमतें ऊंची हैं। फिलीपींस समेत कई देशों ने आयात बढ़ाया है, जिससे वैश्विक मांग में और तेजी आई है। हालांकि, भारत के सरकारी गोदामों में चावल का भंडार रिकॉर्ड स्तर पर बताया गया है। इसके बावजूद घरेलू बाजार में आपूर्ति और खरीफ फसल को लेकर चिंता बनी हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अगस्त में सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई और सितंबर में भी सामान्य से कम बारिश का अनुमान है। इससे धान उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। यदि बारिश की कमी बनी रहती है तो घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों में चावल की कीमतें ऊंचे स्तर पर रह सकती हैं। ऐसे में आम उपभोक्ताओं के बजट पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है।

गिरावट रक्षा और रियल्टी शेयरों में बिकवाली से बाजार कमजोर

सेंसेक्स 778 अंक टूटा, निफ्टी 23119 पर बंद

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर बढ़ती आर्थिक चिंताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के बीच घरेलू बाजार में निवेशकों ने जमकर बिकवाली की। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 777.94 अंक यानी 1.04 प्रतिशत गिरकर 74,003.82 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 279.50 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,118.60 अंक पर आ गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव रक्षा और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों पर देखने को मिला।

क्षेत्रीय सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 5.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ सबसे बड़ा नुकसान उठाने वाला सूचकांक रहा। इसके बाद निफ्टी रियल्टी में 4.04 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 2.54 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 2.41 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग में 2.40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी पीएसई और निफ्टी पीएसयू बैंक दोनों में 2.29 प्रतिशत की कमजोरी रही, जबकि निफ्टी मीडिया 2.17 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

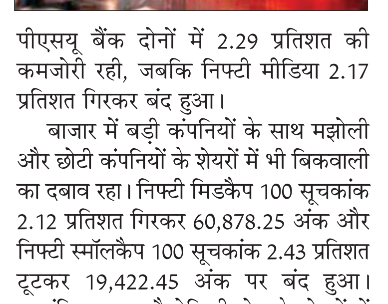

बाजार में बड़ी कंपनियों के साथ मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बिकवाली का दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 2.12 प्रतिशत गिरकर 60,878.25 अंक और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 2.43 प्रतिशत टूटकर 19,422.45 अंक पर बंद हुआ। हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शेयरों में मजबूती रही। निफ्टी आईटी 2.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल और टाटा स्टील बढ़त में रहे। दूसरी ओर बीईएल, इंडिगो, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एसबीआई, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी और आईटीसी में गिरावट रही।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। इस सप्ताह होने वाली प्रमुख केंद्रीय बैंकों की बैठकों से पहले बाजार में सतर्कता बढ़ गई है। अमेरिका में लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका से भी वैश्विक बाजारों का माहौल कमजोर हुआ है। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने उभरते बाजारों पर दबाव और बढ़ाया है।